Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 06 June 2024 ● Year : 02 ● Issue : 138 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जिसने कभी कोई शत्रु नहीं बनाया, उसका कोई मित्र भी नहीं बनता है। मित्रता भी कभी-कभी शत्रुता में बदल जाती है।

Alia Bhatt
Congratulates...

SHARE

सेंसेक्स	:	74,382.24
निफ्टी	:	22,620.35

SARAFA

सोना	:	6,830
चांदी	:	98.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

यायावरी कहानी प्रतियोगिता के परिणाम घोषित

GORAKHPUR : भोजपुरी के स्टोरी टेलिंग एप यायावरी वाया भोजपुरी की ओर से गत दिनों कहानी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। बुधवार को इसका परिणाम घोषित कर दिया गया है। इसके विजेताओं में मृत्युंजय कुमार सिंह, स्वरा सिंह, सरिता सिंह, नंदीश्वर द्विवेदी राजन, वर्तिका और अनमोल सवर्ण शामिल हैं। भोजपुरी भाषा के विकास के लिए यायावरी वाया भोजपुरी की ओर से समय-समय पर अलग-अलग आयोजन किए जाते रहे हैं। इसके तहत प्रत्येक बुधवार को बुधवार बैठकी आयोजित करने से लेकर स्कूल और कॉलेज में छात्र-छात्राओं के बीच अलग-अलग तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन भी शामिल है। कार्यक्रम का उद्देश्य भोजपुरी भाषा और संस्कृति के प्रति युवाओं में लगाव पैदा करना है। इस प्रतियोगिता के विजेताओं को नौ जून को गोरखपुर के गोकुल अतिथि भवन में आयोजित तृतीय यायावरी भोजपुरी महोत्सव में पुरस्कृत किया जायेगा।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ी

NEW DELHI : दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को कोर्ट से एक बार फिर जोर का झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल की अंतरिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। एक्साइज पॉलिसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तिहाड़ जेल में बंद सीएम केजरीवाल ने चिकित्सा कारणों का हवाला देते हुए 7 दिन की जमानत मांगी थी। जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस बीच, न्यायालय ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक चिकित्सा परीक्षण आयोजित करने का निर्देश दिया है। इधर केजरीवाल को कोर्ट से एक और झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सीएम और आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 19 जून तक बढ़ा दी है।

निवेशकों की पूंजी 13.22 लाख करोड़ रुपये बढ़ी

NEW DELHI : शेयर बाजार में मंगलवार को आई गिरावट की बुधवार को कुछ हद तक भरपाई हुई, जिससे निवेशकों की पूंजी 13.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक बढ़ गई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,303.19 अंक उछलकर 74,382.24 अंक पर बंद हुआ। दिन में कारोबार के दौरान यह 2,455.77 अंक या 3.40 प्रतिशत बढ़कर 74,534.82 अंक पर पहुंच गया था। दलाल पथ पर सकारात्मक धारणा लौटने से बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बुधवार को 13,22,847.05 करोड़ रुपये बढ़कर 4,08,06,552.32 करोड़ रुपये (4.89 लाख करोड़ डॉलर) हो गया।

18वीं लोकसभा के लिए चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद सियासी गतिविधियां तेज

नई सरकार : एनडीए की मीटिंग में 16 दलों के नेताओं ने नरेंद्र मोदी को चुना अपना लीडर

AGENCY NEW DELHI : बुधवार को 18वीं लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब सरकार बनाने के लिए सियासी कवायद तेज हो गई है। इसी सिलसिले में एनडीए की पहली बैठक पीएम आवास में शाम 4 बजे हुई। एक घंटे चली बैठक में मोदी को एनडीए का नेता चुना गया। बैठक में 16 पार्टियों के 21 नेता शामिल हुए। सूत्रों के मुताबिक, एनडीए के सांसदों की 7 जून को बैठक होगी। इसके बाद शाम 5 से 7 बजे के बीच सरकार बनाने का दावा पेश करने के लिए राष्ट्रपति के पास जाएंगे। राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा को सभी सहयोगी दलों के साथ वन-टू-वन बात करने और नई सरकार के स्वरूप पर चर्चा करने की जिम्मेदारी दी गई है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। यह बहुमत के आंकड़े (272) से 32 सीटें कम हैं। हालांकि एनडीए ने 292 सीटों के साथ बहुमत के आंकड़े को पार कर लिया। गठबंधन में चंद्रबाबू की टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जदयू 12 सीटों के साथ तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। दोनों ही पार्टियां इस वक्त भाजपा के लिए जरूरी हैं। इनके बिना भाजपा का सरकार बनाना मुश्किल है। सरकार के बनने के बाद भी इनकी सहमति से ही फैसले लेने होंगे।

- 7 जून को हो सकती है एनडीए के सांसदों की बैठक, पेश करेंगे सरकार बनाने का दावा
- राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा को मिली सहयोगी दलों से बातचीत करने की जिम्मेदारी
- गठबंधन में टीडीपी 16 सीटों के साथ दूसरी और नीतीश की जदयू 12 सीटों के साथ तीसरी बड़ी पार्टी

मीटिंग के बाद नरेंद्र मोदी के साथ एकजुटता का परिचय देते एनडीए के सभी दलों के नेता।

साथियों ने मंत्रालयों की सौंपी लिस्ट, टीडीपी ने 6 मिनिस्ट्री व स्पीकर पद की रखी मांग

जानकारी के अनुसार, टीडीपी ने 6 मंत्रालयों समेत स्पीकर पद की मांग की। वहीं, जदयू ने 3, चिराग ने 2 (एक कैबिनेट, एक स्वतंत्र प्रभार), मांझी ने एक, शिंदे ने 2 (एक कैबिनेट, एक स्वतंत्र प्रभार) मंत्रालयों की मांग की है। वहीं, जयंत ने कहा है कि हमें इलेक्शन के पहले एक मंत्री पद देने का वादा किया गया था। इसी तरह अनुप्रिया पटेल भी एक मंत्री पद चाहती हैं। टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा, 'बैठक अच्छी रही हम एनडीए के साथ मिलकर चुनाव लड़े तभी आज मीटिंग में शामिल हुए। आप लोगों को क्यों शक है। अगर हम गठबंधन का हिस्सा नहीं होते तो साथ मिलकर चुनाव कैसे लड़ते। हम साथ रहे, 3 पार्टियों ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा।

2018 में टीडीपी और भाजपा अलग हुई, 2024 में फिर साथ आई

2014 में टीडीपी और भाजपा ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था, लेकिन 2018 में टीडीपी ने भाजपा से किनारा कर लिया। इसके बाद पीएम मोदी और नायडू में विरोध इस हद तक बढ़ गया कि आंध्र प्रदेश जाने पर प्रोटोकॉल के तहत टीडीपी का कोई मंत्री तक प्रधानमंत्री की अगवानी में नहीं आया। व्यक्तिगत हमलों का स्तर ये था कि मोदी ने नायडू को 'ससुर एनटी रामा राव का गद्दार' कहा और नायडू, मोदी पर हमला करते-करते उनकी पत्नी जसोदाबेन का जिक्र ले आए। 6 साल बाद 9 मार्च 2024 को सारे गिले-शिकवे भुलाकर टीडीपी फिर एनडीए का हिस्सा बनी।

'इंडिया' गठबंधन की बैठक में शामिल हुए सभी दलों के वरिष्ठ नेता

नरेंद्र मोदी के खिलाफ है लोकसभा चुनाव का जनादेश : मल्लिकार्जुन

AGENCY NEW DELHI : बुधवार को 'इंडिया' गठबंधन की भी बैठक हुई। इसमें सभी दलों के वरिष्ठ नेताओं ने भाग लिया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, लोकसभा चुनाव का जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ है, लेकिन वह इसे नकारने की हरसंभव कोशिश करेंगे। खड़गे ने बैठक में अपने संबोधन में कहा, मैं 'इंडिया' गठबंधन के सभी साथियों का स्वागत करता हूं। हम एक साथ लड़े, तालमेल से लड़े और पूरी ताकत से लड़े। आप सबको बधाई। खड़गे ने कहा, 18वीं लोकसभा चुनाव का जनमत सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ है। चुनाव उनके नाम और चेहरे पर लड़ा गया था और जनता ने भाजपा को बहुमत न देकर उनके नेतृत्व के प्रति साफ संदेश दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष के मुताबिक, व्यक्तिगत रूप से नरेंद्र मोदी के लिए यह ना सिर्फ राजनीतिक शिकस्त है, बल्कि नैतिक हार भी है।

'इंडिया' गठबंधन की बैठक में भाग लेते सभी दलों के नेता।

मेरी नीतीश कुमार से कोई बातचीत नहीं हुई : चम्पाई

सीएम चम्पाई सोरेन ने कहा है कि राजनीति के हर मोड़ पर लोग मिलते-जुलते रहते हैं। इसमें कोई दिक्कत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि मेरी नीतीश कुमार से कोई बातचीत नहीं हुई है। अगर हमारे साथी दल में से किसी ने नीतीश कुमार से बात की होगी तो इसकी मुझे जानकारी नहीं है। वे बुधवार को दिल्ली में मीडिया से बातचीत में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि राजनीति में सभी दलों के साथ मुलाकात होती रहती है। यहां कोई भी अछूता नहीं है। बताते चलें कि एनडीए के घटक दल टीडीपी और जेडीयू किंगमेकर की भूमिका में आ गये हैं। अब केंद्र में सरकार बनाने के लिए बीजेपी टीडीपी के चंद्रबाबू नायडू और जदयू के नीतीश कुमार पर निर्भर हो गई है। इधर, गांडेय विधानसभा से विधायक सह पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन बुधवार को इंडिया गठबंधन की बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंची। बैठक में शामिल होने से पूर्व वह वहां पर मौजूद लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया।

कल्पना सोरेन ने जीत के बाद शिबू सोरेन को खिलाई मिठाई

गांडेय विस उपचुनाव के बाद कोयलांचल में बदल सकती है सियासत की दशा-दिशा

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की गांडेय विधानसभा सीट पर उपचुनाव में 'इंडिया' की संयुक्त उम्मीदवार के रूप में झामुमो की नेता कल्पना सोरेन चुनाव जीत चुकीं हैं। सामान्य गृहिणी से अब झारखंड की राजनीति का प्रमुख चेहरा बन चुकीं हैं। कल्पना सोरेन की वजह से कोयलांचल की राजनीतिक दशा-दिशा बदल सकती है। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उत्पन्न परिस्थितियों के कारण अचानक एक महीने पहले कल्पना सोरेन को सक्रिय राजनीति में आना पड़ा। उन्हें पहले सीएम बनाने की बात हो रही थी, लेकिन झामुमो व परिवार में उत्पन्न स्थिति को देखते हुए उन्होंने संगठन के जरिये राजनीति में एंट्री ली।

खास बातें

- मंझे हुए नेता की तरह दिखाया चुनावी कौशल
- विधायक बनने का धनबाद, बोकारो, गिरिडीह व कोडरमा की राजनीति पर पड़ेगा सीधा असर

कल्पना के लिए खाली कराई गई थी गांडेय विधानसभा सीट

कल्पना सोरेन के लिए पहले गांडेय विधानसभा सीट खाली कराई गई। यहां के विधायक रहे डॉ सरफराज अहमद ने इस्तीफा दिया, ताकि यहां विधानसभा उपचुनाव हो सके। डॉ अहमद को पहले राज्यसभा भेजा गया। इसके बाद कल्पना सोरेन को झामुमो ने यहां से अपना उम्मीदवार बनाया। राजनीति में नयी होने के बावजूद कल्पना सोरेन ने गांडेय विधानसभा का उपचुनाव पूरी रणनीति के तहत लड़ा। एक मंझे हुए राजनीतिज्ञ की तरह उन्होंने दल के अंदर व बाहर लोगों को साधा। जनता के सीधे मिलने-जुलने का अंदाज अच्छा रहा। एक ओजस्वी वक्ता के रूप में उभरीं। गांडेय विधानसभा उपचुनाव में जीत दर्ज करने और झारखंड में 'इंडिया' को लोकसभा की पांच सीट मिलने की खुशी में कल्पना सोरेन ने राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन को उनके आवास में जाकर मिठाई खिलायी। उन्होंने शिबू व रूपी सोरेन से आशीर्वाद भी लिया।

नरेंद्र मोदी ने पीएम पद से दिया इस्तीफा राष्ट्रपति ने स्वीकारा

NEW DELHI : नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर उन्हें मंत्रिपरिषद सहित अपना इस्तीफा सौंप दिया है। राष्ट्रपति ने उनका इस्तीफा स्वीकार करते हुए उनसे तथा मंत्रिपरिषद से अनुरोध किया है कि वे नई सरकार के कार्यभार संभालने तक पद पर बने रहें। यानी नयी सरकार के गठन होने तक नरेंद्र मोदी कार्यवाहक पीएम की तरह काम करते रहेंगे।

17वीं लोकसभा भंग

इधर, चुनाव के नतीजे आ जाने के बाद जहां नई सरकार बनाने की कवायद तेज हो गई है। वहीं, 17वीं लोकसभा को भंग कर दिया गया है। कैबिनेट ने आज की बैठक में राष्ट्रपति को 17वीं लोकसभा को तत्काल प्रभाव से भंग करने की सलाह दी। राष्ट्रपति ने कैबिनेट की सलाह स्वीकार कर ली है और 17वीं लोकसभा को भंग करने के आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के साथ ही साफ हो गया कि देश में एक बार फिर मोदी सरकार बनने जा रही है। 18वीं लोकसभा चुनाव में एनडीए को पूर्ण बहुमत मिला है। भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में एनडीए सरकार बनाने का दावा पेश करने जा रही है। एनडीए गठबंधन के पास 292 सीटें हैं। जौ मैजिक नंबर 272 से काफी ज्यादा हैं। सबसे बड़ी बात की 1962 के बाद यह पहला मौका है जब कोई पार्टी देश में तीसरी बार सरकार गठन करने जा रही है। इस बार के चुनाव में एनडीए को 292 सीटें और विपक्षी इंडिया गठबंधन को 234 सीटें मिली हैं। राजनीतिक रूप से कई प्रकार के कयास इस बीच लगाए जा रहे हैं लेकिन स्पष्ट हो चुका है कि एनडीए की सरकार दो-तीन दिनों में बन जाएगी।

लोस चुनाव : मीडिया बनाम सोशल मीडिया

टिप्पणी

डॉ. क्षमा त्रिपाठी
एसोसिएट एडिटर
द फोटोन न्यूज

लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न हो गया। पूरे चुनाव में अगर नेताओं की राजनीतिक बयानबाजी के बाद सबसे अधिक किसी बात की चर्चा रही है तो वह मेन स्ट्रीम मीडिया बनाम सोशल मीडिया की। मेन स्ट्रीम मीडिया का एक बड़ा वर्ग मोदी सरकार के समर्थन में खुलकर खड़ा दिखाई दिया, वहीं सोशल मीडिया का बड़ा हिस्सा खुद को मोदी का सबसे बड़ा विरोधी साबित करने में जुटा रहा। दोनों तरफ से चुनाव परिणाम के पहले अपने-अपने दावे किए गए। कोई 400 सीटों के साथ सरकार की वापसी की भविष्यवाणी कर रहा था। कोई हर हाल में सरकार की विदाई की तारीख बता रहा था। देश की जनता ने इस पूरी नूरा-कुश्ती के बीच अपना जनादेश सुना दिया। एनडीए बहुमत में आ गई। भाजपा की अपेक्षा से कम सीटें रह गईं। अब पूरे परिणाम पर दोनों तरफ से अपने-अपने तरीके से सफाई पेश की जा रही है। सोशल मीडिया का एक बड़ा हिस्सा विपक्ष से कहीं अधिक इसे अपनी जीत बताने में जुटा हुआ है। मानो, भाजपा चुनाव हार गई है। इसके ठीक उलट मेन स्ट्रीम मीडिया का प्रयास है कि वह एग्जिट पोल करने वाली एजेंसी के माथे पर 400 सीट का ठीकरा फोड़कर अपनी साख बचा ले।

दरअसल, हकीकत कहीं इन दोनों के बीच छिपी है। इस चुनाव में मेन स्ट्रीम मीडिया का एक बड़ा हिस्सा जनता से दूर होकर एसी और एआइ के जरिए जन-मन को समझने का प्रयास करता रहा। तकनीक पर निर्भरता को संवाददाता का विकल्प समझ लिया गया। एजेंसी की गणना को रिपोर्टर की समझ से कहीं अधिक महत्व दिया गया। बड़े नेताओं के इंटरव्यू और हवाई जहाज में सफर को चुनावी कवरेज मान लिया गया। यही वजह रही है कि अधिकांश मीडिया हाउस परिणाम के दिन जमीनी सच से दूर खड़े नजर आए।

बात सोशल मीडिया की करें तो इसका एक बहुत बड़ा वर्ग केवल और केवल मोदी विरोध की बुनियाद पर ही टिका है। टीवी पर अपने मन के अनुसार की कहानी नहीं सुन पाने वाली जमात सच की तलाश में इंटरनेट की दुनिया में पहुंच रही है। यहां व्यू, लाइक और सब्सक्राइव पाने की उम्मीद लिए बैठे कई पुराने मठाधीश वह सच परोसते हैं, जो टीवी में नहीं दिखाया जाता। बिना सत्यापित स्रोत के हर दिन नए-नए दावे किए जाते हैं। नई-नई कहानियां बनाई जाती हैं। जिन लोगों के बारे में दावे किए जाते हैं, उनसे पूछने या बयान लेने तक की हिम्मत नहीं जुटाई जाती। मनगढ़ंत दावे को सूत्र की सूचना का हवाला देकर बिना किसी रोकथाम के जनता के सामने परोस दिया जाता है। अधिकांश लोग इसे सच भी मान लेते हैं।

इस बार लोकसभा चुनाव के कवरेज के दौरान भी यही हुआ। कई सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर कुछ कथित मीडिया एक्सपर्ट्स को ऑनलाइन जोड़कर मनभावन बयान दिलवाए गए।

शेष पेज 04 पर।

तीन सीटों हुईं कम, एसटी के लिए रिजर्व एक सीट भी नहीं जीत सकी पार्टी

2019 की तुलना में 7 फीसद घट गए भाजपा के वोट

चिंताजनक

PHOTON NEWS RANCHI : पूरे देश में इस लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटें 302 से घटकर 240 हो गईं। झारखंड की बात करें तो 2019 की तुलना में इस बार पार्टी को तीन सीटें कम मिली हैं। पिछली बार 11 सीटें मिली थीं। इस बार 8 पर ही संतोष करना पड़ा है। वोट प्रतिशत भी पहले की तुलना में 7 प्रतिशत गिर गया है। सबसे आश्चर्यजनक बात तो यह है कि राज्य में आदिवासियों के लिए आरक्षित 5 सीटों में से पार्टी को एक सीट भी नहीं मिली। सवाल उठ रहा है कि क्या इस वर्ग के वोटरों में हेमंत सोरेन को जेल भेजने को लेकर नाराजगी थी और इसके खिलाफ चुनाव में उन्होंने प्रतिक्रिया व्यक्त की। पांच रिजर्व सीटों में तीन सीटों- राजमहल, दुमका और सिंहभूम पर झामुमो और दो सीटों- खूंटी और लोहरदगा पर कांग्रेस ने जीत हासिल की है।

7% की गिरावट आना पार्टी के लिए बड़ी चिंता

कुल मिलाकर वोटो में 7 प्रतिशत की गिरावट आना पार्टी के लिए चिंताजनक है। 2019 के चुनाव में 11 सीटें जीतने वाली भाजपा को 51.60 प्रतिशत वोट मिले थे। इसकी तुलना में 2024 में सिर्फ 44.60 प्रतिशत ही वोट मिले हैं। गठबंधन के लिहाज से देखें तो झारखंड में आजसू के 2.62 वोट प्रतिशत के साथ एनडीए को कुल 47.22 प्रतिशत वोट मिले हैं। हां, पार्टी को इस बात के लिए संतोष हो सकता है कि वोटो में 7 प्रतिशत की गिरावट के बावजूद उसे 'इंडिया' गठबंधन की अपेक्षा अधिक प्रतिशत मत हासिल हुए हैं। इस चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन में शामिल कांग्रेस को 19.19 प्रतिशत, झामुमो को 14.60 प्रतिशत, राजद को 2.77 प्रतिशत और भाकपा-माले को 2.41 प्रतिशत यानी कुल 38.97 प्रतिशत वोट मिले। इस लिहाज से एनडीए को इंडिया गठबंधन की तुलना में 8.25 प्रतिशत ज्यादा वोट मिले। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में झारखंड में कुल मिलाकर 66.8 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। तब सबसे ज्यादा वोटिंग दुमका सीट के लिए 73.43 और राजमहल सीट के लिए 72.05 प्रतिशत मतदान हुआ था।

कोडरमा सीट पर सबसे ज्यादा अंतर से हुई जीत

इस चुनाव में कोडरमा सीट से भाजपा प्रत्याशी अन्नपूर्णा देवी सबसे ज्यादा वोट के अंतर से जीतीं। उन्होंने 3,77,014 वोट के अंतर से इंडिया गठबंधन के भाकपा माले प्रत्याशी विनोद कुमार सिंह को हराया। इस मामले में दूसरे नंबर पर धनबाद से भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो रहे। पार्टी ने सीटिंग सांसद पीएन सिंह का टिकट काटकर बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो को मैदान में उतारा था और वे पार्टी की उम्मीदों पर खरा उतरे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अनुपमा सिंह को 3,51,583 वोट से हराया। तीसरी बड़ी जीत पलामू सीट पर दिखी। यहां भाजपा के वीडी राम ने राजद के ममता भुइयां को 2,88,807 वोट से हराया। उन्होंने जीत की हैट्रिक लगाई।

संबंधित खबर पेज 02 पर।

आकलन : इंडिया गठबंधन हेमंत के जेल जाने की घटना को आदिवासी अस्मिता से जोड़ने में रहा सफल

आखिर झारखंड में 'भगवा एक्सप्रेस' पर क्यों लगा ब्रेक

संविधान बदलने की तैयारी और आरक्षण पर खतरे का मुद्दा विपक्ष जनता तक पहुंचाने में रहा सफल

वीरेंद्र ओझा
संपादकीय प्रभारी, जमशेदपुर

अर्जुन मुंडा

गीता कोड़ा

सीता सोरेन

ताला मरांडी

समीर उरांव

लोकसभा चुनाव में इस बार उत्तर प्रदेश, बिहार व महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में भाजपा की सीटें कम हुई हैं, लेकिन झारखंड में भी पार्टी को कम झटका नहीं लगा है। पिछले लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के पास राज्य की 12 लोकसभा सीटें थीं। इस बार गठबंधन को महज 9 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि आखिर झारखंड में ह्यभगवा एक्सप्रेसह्ल पर ब्रेक क्यों लगा?

भाजपा के प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी व प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी मतगणना के एक दिन पहले तक झारखंड की सभी 14 सीटें जीतने का दावा कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। खासकर, अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित पांचों सीट पर भाजपा को हार का मुंह देखना पड़ा। इसके कारणों की पड़ताल व समीक्षा भाजपा तो करेगी ही, आम कार्यकर्ता भी इसके कारणों पर चर्चा करने लगे हैं।

राजनीति के जानकारों की मानें तो भाजपा की राह में सबसे ज्यादा रोड़े पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जेल यात्रा ने अटकाए। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन सहित तमाम झामुमो नेताओं ने हेमंत को जेल भेजने को आदिवासी अस्मिता से जोड़ा और इसका आरोप निवर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर लगाया। इसके बहाने केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली को तानाशाही से जोड़ा गया। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जमशेदपुर के भाषण में कहा था कि हेमंत सोरेन देश के इकलौते आदिवासी मुख्यमंत्री थे, जो नरेंद्र मोदी और भाजपा को खटक रहे थे। केजरीवाल ने कहा था कि हेमंत सोरेन सिर्फ झारखंड नहीं, पूरे देश के आदिवासियों के सबसे बड़े नेता हैं। ऐसा करके भाजपा ने पूरे देश के आदिवासियों को चुनौती दी है, उन्हें ललकारा है। यह बात झामुमो ने अपने कार्यकर्ताओं के जरिए गांव-गांव तक पहुंचा और इस चुनाव में इसका बदला चुकाने का आह्वान किया। शायद यही वजह रही कि आरक्षित सीटों पर भाजपा का कोई प्रत्याशी नहीं जीत सका। हालांकि, सीता सोरेन बहुत कम अंतर से हारीं, लेकिन उनका हारना भी शुरू से ही तय माना जा रहा था।

अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर भाजपा की राह में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी बाधक बन कर खड़ी हो गईं। मात्र दो माह के राजनीतिक कॅरियर में उन्होंने जिस धमाकेदार अंदाज में इंट्री मारी है, उससे हर कोई हैरान है। राष्ट्रीय स्तर पर कल्पना को उनके भाषणों के लिए सराहा गया।

इन सबके अलावा आदिवासी बहुल सीटों पर जिन फैक्टरों ने भाजपा की राह रोकी, उसमें देश भर में विपक्ष की ओर से प्रचारित किए गए आरक्षण समाप्त करने और संविधान बदलने के दावे की शामिल रहे।

जहां तक बात पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा की हार की है, तो उनके खिलाफ आदिवासी और ईसाई मतदाताओं का एकजुट होना भारी पड़ा।

रही-सही कसर महतो वोटरों ने उनकी खिलाफत करके पूरी कर दी। पिछले दिनों आदिवासी का दर्जा पाने के लिए जितने भी बड़े कुड़मी आंदोलन किए गए थे, उसमें जनजातीय मामलों के मंत्री होने के नाते अर्जुन मुंडा को ही दोषी ठहराया गया था। उसी समय कुड़मियों ने आह्वान किया था कि इस बार अर्जुन मुंडा को चुनाव में सबक सिखाएंगे।

खूंटी लोकसभा क्षेत्र में लगभग 25 फीसद जनसंख्या कुड़मियों की है। माना जा रहा है कि भाजपा को खूंटी सीट पर चौतरफा सामाजिक विरोध का खामियाजा उठाना पड़ा है। इस बार एनडीए गठबंधन को खूंटी, सिंहभूम, लोहरदगा, राजमहल और दुमका सीट पर हार का मुंह देखना पड़ा है।

आदिवासी आरक्षित इन सीटों पर हुई भाजपा की हार

खूंटी

कालीचरण मुंडा	:	5,11,647
अर्जुन मुंडा	:	3,61,972
जीत का अंतर	:	1,49,675

सिंहभूम

जोबा मांझी	:	5,20,164
गीता कोड़ा	:	3,51,762
जीत का अंतर	:	1,68,402

दुमका

नलिन सोरेन	:	5,47,370
सीता सोरेन	:	5,24,843
जीत का अंतर	:	22,537

राजमहल

विजय कुमार हांसदा	:	6,13,371
ताला मरांडी	:	4,35,107
जीत का अंतर	:	1,78,264

लोहरदगा

सुखदेव भगत	:	4,83,038
समीर उरांव	:	3,43,900
जीत का अंतर	:	1,39,138

खूंटी में लूटकांड का खुलासा

तीन गिरफ्तार, सामान बरामद

बरामदगी के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI : कर्रा थाना क्षेत्र के हेसला गांव के पास 30 मई 2024 को फ्लिप कार्ड के डेलिवरी एजेंट से हुए लुटकांड का खुलासा करते हुए कर्रा पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपितों में कर्रा थाना क्षेत्र के सिरका गांव का मदन कच्छप, जरिया गांव का शखिल ताम्बा तथा काटमकुकू, महुआ टोली गांव का विकास मिंज शामिल है। उनके पास से लूटे गये मोबाइल फोन, चार्जर, नगद 4500 रुपये सहित अन्य सामान बरामद किये गये हैं।

लूटकांड में प्रयुक्त मोटरसाइकिल को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। इस संबंध में एसडीपीओ क्रिस्तोफर केरकेट्टा ने बुधवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पुलिस अधीक्षक अमन कुमार को गुप्त सूचना मिली थी कि लोधमा चौक के पास कुछ युवक एक दुकान में चोरी का मोबाइल बेचने का प्रयास कर रहे हैं। इस सूचना पर एसपी ने एसडीपीओ क्रिस्तोफर केरकेट्टा के नेतृत्व में एक टीम का गठन कर तत्काल छापामारी के लिए भेजा गया।

छापामारी टीम जैसे ही वहां पहुंची पुलिस की गाड़ी को देखकर तीनों युवक वहां से भागने लगे। सशस्त्र बल के सहयोग से तीनों को खदेड़ कर लोहागड़ा बस्ती के पास जंगल से पकड़ लिया गया। उनके पास से दो मोबाइल, चार्जर, 4500 रुपए नगद बरामद किया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने फ्लिप कार्ड के एजेंट से लूटकांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। उनकी निशानदेही पर लूटा हुआ शर्ट, टी शर्ट, वाटर बोतल, स्कूटी की चाबी आदि सामान बरामद किये गये।

BRIEF NEWS

जमशेदपुर में महिला उत्पीड़न मामले में तीन साल की कैद

JAMSHEDPUR : महिला उत्पीड़न का आरोप साबित होने पर दोषी मो. खालिद आलम को तीन साल कैद की सजा अतिरिक्त सत्र एवं जिला न्यायाधीश मंजू कुमारी (पांच) के न्यायालय ने सुनाई। सोनारी के कागलनगर की रहने वाली पीड़िता ने बताया कि उसके पति प्रकाश की मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद वह काम करने लगी। इसी बीच उसका परिचय कीताडीह में मस्जिद रोड के मो.खालिद आलम से हो गया। खालिद ने खुद को अविवाहित एवं हिंदू बताया, लेकिन पीड़िता को जब पता लग गया कि वह शादीशुदा है, उसने खालिद से दूरी बना ली। 13 फरवरी 2022 को हद हो गई, जब आरोपी उसके नए घर में आ गया और छेड़खानी करने लगा। इसके बाद मामला दर्ज हुआ और सत्र न्यायालय में आरोप साबित हुआ।

चुनाव जीतने पर सांसद ने जताया आभार

PALAMU : 13 पलामू संसदीय सीट से चुनाव जीतने के बाद बीजेपी कैंडिडेट वीडी राम ने वोटरों एवं कार्यकताओं का आभार जताया। डालटनगंज में अपने आवास पर बुधवार को पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह जीत अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तीसरी बार सरकार बनाने के लिए यह जनादेश मिला है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता और पार्टी नेताओं ने हर एक स्तर पर जीत सुनिश्चित करने के लिए उनका साथ दिया।

चोरी के आरोपी को ग्रामीणों ने पीटा पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

GARHWA : गढ़वा थाना क्षेत्र के तिलदाग गांव में चोरी की घटना को अंजाम देने पहुंचे एक युवक को चोरी के आरोप में ग्रामीणों ने जमकर पिटाई कर दी। उसके बाद ग्रामीणों ने उसे पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया। उसकी पहचान गढ़वा थाना क्षेत्र के टेढी हरैया गांव निवासी 45 वर्षीय उजागिर अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, वह पहले भी कई मामलों में जेल जा चुका है। घायल उजागिर अंसारी को इलाज के लिए पुलिस ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। बताया जा रहा है कि उजागिर अंसारी तिलदाग गांव के साव टोला निवासी राहुल साव के घर चोरी करने घुसा था। घरवालों के शोर गुल के बाद

अस्पताल में इलाजरत चोरी का आरोपी

ग्रामीणों ने उसे पकड़ लिया और जमकर पिटाई की। ग्रामीणों की सूचना के बाद मुखिया प्रतिनिधि ने घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझाया। इसके बाद इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर उजागिर अंसारी को हिरासत में लेकर सदर अस्पताल में भर्ती कराया है। ग्रामीणों की पिटाई से उसके शरीर के कई हिस्सों में गंभीर चोट लगी है।

गुरहा बना चोरों का गढ, तीन चोर गिरफ्तार, एक 15 वर्ष बाद धराया

PALAMU : तरहसी थाना क्षेत्र का गुरहा चोरों का गढ बनता रहा है। इस इलाके से लगातार चोर पड़के जा रहे हैं। एक बार फिर तीन चोर पकड़े गए हैं। एक चोर 15 वर्ष बाद धराया है। चोरों के पास से चोरी गया मोटर पंप बरामद किया गया है। तरहसी थाना क्षेत्र के गुरहा से दो मोटर पंप चोर को गिरफ्तार किया गया है। दोनों चोरों ने 2 जून को सुग्गी गांव में दिलीप कुमार पांडेय पिता राम कठिन पांडेय के खेत से मोटर पंप को खोलकर ले गए थे। मामला दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी नीरज कुमार ने कार्रवाई करते हुए इद्रू खां एवं तन्नुम खां को गिरफ्तार किया गया। उनकी निशानदेही पर चोरी गई मोटर पंप गुरहा में अमानत नदी में बालू में छुपाकर रखे अवस्था मे बरामद की।

रामगढ़: ढाई टन डोडा जब्त, तीन गिरफ्तार

PHOTON NEWS RAMGARH: जिला पुलिस ने करीब साढ़े तीन करोड़ रुपये मूल्य के डोडा की बड़ी खेप जब्त किया है। साथ ही पुलिस ने डोडा की इस खेप को एस्कॉर्ट कर रहे वाहन के साथ तीन आरोपितों को भी गिरफ्तार किया है। रामगढ़ पुलिस को नशे के कारोबार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार ने बुधवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि मंगलवार रात गुप्त सूचना मिली कि नशे के सौदागर लाल रंग के छोटे ट्रक में डोडा को रांची से हजारीबाग के रास्ते पंजाब ले जा रहे हैं। इस पर पुलिस अधीक्षक ने एसडीपीओ के नेतृत्व में एक टीम गठित की। टीम ने एस्कॉर्ट वाहन और ट्रक में 117

गिरफ्तारी के बारे में जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

बोरियों में 2,407 किलो डोडा जब्त किया, जिसकी अनुमानित बाजार मूल्य करीब 3.5 करोड़ रुपये है। पुलिस ने इस मामले में ट्रक चालक और ट्रक को एस्कॉर्ट कर रहे दो नशे के सौदागरों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस की पूछताछ में इन नशा कारोबारियों ने बताया कि वे इसे खूंटी से पंजाब ले जा रहे थे। पकड़े गए मुख्य आरोपित का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत जेल जा चुका है। उसके परिवार के लोग भी नशा कारोबार में संलिप्त हैं।

गिरिडीह में 25 पेटी अवैध शराब जब्त

GIRIDIH : शराब के अवैध कारोबारी ने मंगलवार देर रात गिरिडीह के तीन थानों की पुलिस को कई बार चकमा दिया लेकिन अंततः धनवार थाना पुलिस शराब लोडेड कार को जब्त करने में सफल रही। जब्त कार में अलग-अलग कंपनी के ब्रांडेड कंपनी के 26 पेटी अवैध शराब बरामद हुए। धनवार थाना पुलिस ने बुधवार को बताया कि जब्त सेडान गाड़ी का मालिक कौन है और अवैध शराब का पूरा स्टॉक किसका था, ये पता लगाने में पुलिस जुटी हुई है। सेडान के ड्राइवर से पूछताछ कर पुलिस जानकारी जुटा रही है।

हत्या के चार आरोपियों को सश्रम आजीवन कारावास

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिला व्यवहार न्यायालय के तृतीय जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शंकर कुमार महराज की अदालत ने हत्या के चार दोषियों को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई हैं। सजा पाने वाले में चैनपुर थाना अंतर्गत गुरहा निवासी गुड्डु पासी, रामावतार पासी, महेश पासी, सुनीता देवी शामिल हैं। चैनपुर थाना क्षेत्र के गुरहा के विकास कुमार पासी के फर्द बयान पर उक्त चार लोगों के विरुद्ध चैनपुर थाना में कांड संख्या 468/2020, दिनांक 20 दिसंबर 2020 को नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी थी। आरोप था कि

अभियुक्तों का मृतक अजय राम पासी से रास्ता की जमीन को लेकर विवाद था। उसके संबंध में पूर्व में गाली गलौज एवं झगड़ा हुआ था। 19 दिसम्बर 2020 को अजय राम पासी मजदूरी के लिए गया था, लेकिन देर शाम तक वह वापस नहीं लौटा तो उसका पुत्र विकास कुमार पासी तथा पत्नी गीता देवी खोजने के लिए निकले, लेकिन उस दिन उसका पता नहीं चला। 20 दिसंबर को विकास और उसकी मां सुबह से ही अजय को ढूढ रहे थे। इसी क्रम में डुमरिया बांध पर पहुंचे तो देखा कि अजय का शव वहां पड़ा है तथा ललाट पर चोट लगा हुआ था। उसके गर्दन के दाहिने तरफ जख्म के निशान था। अजय राम पासी की हत्या टांगी से काटकर की गयी थी तथा शव छुपाने के उद्देश्य से डुमरिया बांध के पास ले जाकर फेंक दिया गया था। अदालत ने साक्ष्य के आधार पर दोषी पाते हुए चारो आरोपी को 302/34 में सश्रम आजीवन कारावास की सजा व साढ़े सात हजार रुपये सभी को जुमार्ने की सजा भी सुनाई है।

मुरारी तिवारी की हत्या करने आए दोनों आरोपित धराए

PALAMU : जिला मुख्यालय डालटनगंज शहर थाना क्षेत्र के रेडमा के रहने वाले मुरारी तिवारी की हत्या करने आए दोनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से हत्या में इस्तेमाल की गई बिना मैगजीन की पिस्तौल और मोटरसाइकिल बरामद की गई है। 30 मई की शाम रेडमा में एक बाइक से आये दो अपराधियों ने मुरारी तिवारी को गोली मारने की कोशिश की थी। पहले राउंड में गोली चलाने पर फायर नहीं हुई थी, जबकि दूसरे राउंड की गोली पिस्तौल की मैगजीन गिरने से नहीं चली थी। दरअसल, दूसरी बार जब मुरारी तिवारी को गोली मारी जा रही थी तो उन्होंने हमलावरों को धक्का दे दिया था। जांच चल रही है।

पलामू में चेकडैम में नहाने के दौरान किशोर की डूबकर मौत

PALAMU : पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के कउवल गांव स्थिति सुखनदिया नदी में बने बगैया चेकडैम में नहाने के दौरान डूबने से बच्चे की मौत हो गयी। बच्चे की पहचान कउवल निवासी मंजय यादव का पुत्र अंकित कुमार (9) के रूप में हुई है। बच्चा अपने दादा-दादी के साथ रिलेशन में जाने के लिए घर से निकला था। परिजनों ने बताया कि अंकित कुमार अपने दादा-दादी के साथ घर से निकलकर रिश्तेदारी में जा रहा था। घर से कुछ दूरी पर सुखनदिया नदी में एक छोटा चेकडैम बनाया हुआ है। वही उसी गांव कुछ बच्चे स्नान कर रहे थे।

अंकित भी उनलोगों के साथ स्नान करने लगा और चेक डैम में डूबकर लापता हो गया। उसके दादा दादी ने काफी खोजबीन तो देखा कि चेकडैम में एक जगह दलदली मिट्टी है। उसीमें थोड़ा सा शरीर का भाग दिख रहा था। काफी हल्ला गुल्ला के बाद ग्रामीण जुटे और शव को बाहर निकाला।

सुशीला देवी हत्याकांड मामले में एक और आरोपित गिरफ्तार

RAMGARH: शहर के छोटकी मुर्रा के विद्यानगर मोहल्ले में 60 वर्षीय शुशीला देवी हत्याकांड मामले में रामगढ़ पुलिस ने एक और आरोपित को पकड़ लिया है। इस मामले की जानकारी बुधवार को एसपी डॉ बिमल कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि सेवानिवृत्त रेलवेकर्मी अशर्फी प्रसाद के घर में बीते 30 मई को उनकी पत्नी सुशीला देवी की हत्या, कर नकदी एवं आभूषण लूटपाट कर साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से घर में अगजनी कर सनसनीखेज घटना का नाम दिया गया था। इस मामले में चौथा आरोपी मगनपुर गोला निवासी कासिफ मून अमीन को गिरफ्तार कर लिया गया।

पर्यावरण की रक्षा के लिए सजग दिखा झारखंड, हर जिले में हुआ कार्यक्रम

पलामू के सिविल कोर्ट परिसर में किया गया पौधारोपण

PHOTON NEWS PALAMU : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को सिविल कोर्ट परिसर में विमल पुष्प वाटिका में पौधारोपण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने पौधारोपण किया।

मौके पर प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। लगातार बढ़ते प्रदूषण के कारण प्रकृति व पर्यावरण का तेजी से नुकसान पहुंच रहा है। हर एक व्यक्ति को चाहिए कि वह अपने स्तर से पर्यावरण को बचाने के लिए एक-एक पौधे का रोपण एवं संरक्षण का जिम्मेदारी ले। उन्होंने कहा कि मानव जीवन को बचाने के लिए पौधारोपण को सुरक्षित व

संरक्षित रखना, हम सबों की नैतिक जिम्मेदारी है। मौके पर अन्य न्यायिक अधिकारियों द्वारा भी पुष्प वाटिका में कामिनी, अनार, नीम्बू, आंवला, मोहिग्नि आदि के दर्जनों पौधारोपण किया गया। मौके पर कुटुंब न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश मार्तण्ड प्रताप मिश्र, जिला जज प्रथम विनोद कुमार सिंह, चतुर्थ अभिमन्यु कुमार, द्वितीय अकिलेश कुमार मौजूद रहे।

गोड्डा में बच्चों ने रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

GODDA : विश्व पर्यावरण दिवस पर अदाणी फाउंडेशन के सामुदायिक सहभागिता और पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम में मोतिया, डुमरिया, बक्सरा, पटवा आदि गांवों के 8 स्कूलों, 6 आंगनवाड़ी केंद्रों के 300 बच्चों और स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। गांवों में बच्चों ने रैली निकालकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पावर प्लांट से सटे गांवों में बच्चों ने फलदार पौधों (आम, अमरुद, जामुन, आंवला) का रोपण किया। साथ ही स्कूली बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित पोस्टर बनाएं।

विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं समेत सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति शपथ भी दिलाई गई।

लोहरदगा में पीडीजे, डीसी और एसपी ने किया पौधरोपण

PHOTON NEWS LOHARDAGA: विश्व पर्यावरण दिवस पर आज लोहरदगा जिले के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अरविंद कुमार पांडेय, उपायुक्त सह डालसा उपाध्यक्ष डॉ बाघमारे प्रसाद कृष्ण, पुलिस अधीक्षक सह सदस्य डालसा हारिस बिन जमा, डालसा सचिव राजेश कुमार, न्यायिक मजिस्ट्रेट अमित कुमार गुप्ता, वन प्रमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार एवं अन्य ने मंडल कारागार में पौधरोपण किया।

वन विभाग के सहयोग से चलाए गए इस पौधरोपण कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, सिविल कोर्ट के कर्मी, डालसा के पीएलबी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

लोहरदगा जेल के अलावा सिविल कोर्ट, बार भवन, प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के सरकारी आवास एवं जज कॉलोनी में आम, महोगनी, शरीफा, लीची, कटहल, आमला और पीपल सहित लगभग 100 पौधों का रोपण किया गया। समस्त कार्यक्रम में पीडीजे अरविंद कुमार पांडेय स्वयं उपस्थित रहे।

पौधारोपण कर लिया धनबाद की आबोहवा शुद्ध करने का संकल्प

PHOTON NEWS DHANBAD: प्रदूषण की समस्या से पूरा कोयलांचल परेशान है। बीच-बीच में धनबाद की हवा इतनी प्रदूषित हो जाती है कि सांस लेना तक मुश्किल हो जाता है। जीवन सुरक्षित रहे, इसके लिए शुद्ध वातावरण जरूरी है। इसके लिए बड़े स्तर पर पौधारोपण, लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता और बढ़ते ग्लोबल वार्मिंग से सचेत करना आवश्यक है। हम और आप मिलकर प्रदूषण की समस्या हल कर सकते हैं। इसी कड़ी में बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शहरभर में कई कार्यक्रम हुए। सुबह की शुरूआत झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से प्रभातफेरी निकालकर हुई। जेएसपीसीबी के हाउसिंग कालोनी के क्षेत्रीय कार्यालय पोस्टर-बैनर के साथ प्रभातफेरी निकली।

BRIEF NEWS

हटिया डैम से अज्ञात युवक का शव बरामद

RANCHI : रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र के हटिया डैम से बुधवार को पुलिस ने एक अज्ञात युवक का शव बरामद किया है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है। युवक दस नंबर का झारखंड लिखा हुआ खिलाड़ी वाला टी शर्ट पहने हुए हैं। स्थानीय लोगों मैं घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से युवक का शिनाख्त कराया लेकिन किसी ने भी उसकी पहचान नहीं की।

सरला बिरला स्कूल के छात्रों का शानदार प्रदर्शन

RANCHI : सरला बिरला पब्लिक स्कूल के छात्रों ने नीट (यूजी) 2024 की परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया है. भूमि केशरी, निवेदिता राज, कृतिका और दीपशिखा बनर्जी ने नीटमें सफलता प्राप्त कर स्कूल का नाम रौशन किया है. सभी छात्रों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने अभिभावकों और शिक्षकों को दिया है. स्कूल की प्राचार्या परमजीत कौर ने भी छात्रों को सफलता की बधाई दी है. उन्होंने कहा कि भविष्य की सफलता के लिए आज का परिश्रम महत्वपूर्ण है. कठोर परिश्रम के परिणाम स्वरूप ही छात्रों ने सफलता हासिल की है.

ब्यूटी पार्लर में छापेमारी तीन युवतियों से पूछताछ

RANCHI : बरियातू थाना क्षेत्र स्थित एक ब्यूटी पार्लर में पुलिस ने छापेमारी की. इस दौरान पुलिस ने ब्यूटी पार्लर में गलत काम करने के आरोप में तीन युवतियों को हिरासत में लिया. तीनों को महिला थाना में रखा गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है. पुलिस इस मामले में अन्य इलाकों में भी छापेमारी कर रही है. जानकारी के अनुसार, पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ब्यूटी पार्लर में गलत काम हो रहा है. जिसके बाद पुलिस ने छापेमारी की. हालांकि कोई भी आपत्तिजनक हालत में नहीं पकड़ा गया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. इस मामले में और भी गिरफ्तारी हो सकती है. जल्द ही पुलिस पूरे मामले का खुलासा करेगी.

ट्रेन से बैग चोरी करने के मामले में एक धराया

RANCHI : ट्रेन से बैग चोरी करने के मामले में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम शिव प्रकाश चौधरी है। वह चुटिया का रहनेवाला है। बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार रांची सुरक्षा नियंत्रण से आरपीएफ पोस्ट को एक शिकायत मिली कि ट्रेन संख्या 18635 से एक अज्ञात व्यक्ति काले रंग के ट्रॉली बैग की चोरी कर लिया है। शिकायत प्राप्त होने के बाद निरीक्षक डी शर्मा ने आरपीएफ पोस्ट और सीआईबी के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ सीसीटीवी फुटेज की मदद से स्टेशन की तलाशी ली।

पाकुड़ जिला में पदस्थापित सहायक शिक्षक से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा-

कर्मियों को सेवानिवृत्ति लाभ नहीं देना उनके संवैधानिक और मौलिक अधिकार का हनन

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट ने सेवानिवृत्ति सहित अन्य लाभ भुगतान नहीं किए जाने से संबंधित एक मामले में महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति डा. एसएन पाठक की कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि सरकारी कर्मियों को सेवानिवृत्ति लाभ नहीं देना उनके संवैधानिक और मौलिक अधिकार का हनन है। कोर्ट ने ये भी कहा है कि जब अपीलेट अथॉरिटी ने प्रार्थी के पक्ष में फैसला देते हुए उसकी बर्खास्तगी के आदेश को निरस्त कर दिया है, जिसके बाद वह फिर से सेवा में आ गया और सेवानिवृत हो गया, फिर उसे सेवानिवृत्ति लाभ कैसे नहीं दिया जाएगा। सेवा निवृत्ति लाभ पाने का उसका पूरा अधिकार है। दरअसल, पाकुड़ जिला में पदस्थापित सहायक शिक्षक सरवन कुमार दास पर स्कूल निर्माण में घपले का आरोप लगा था। जिस पर विभागीय कार्रवाई चलते हुए उसे 2 जुलाई 2020 को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। जिसके बाद उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हाई कोर्ट ने उसे अपीलेट अथॉरिटी के पास जाने का निर्देश दिया था। इसके बाद उसने अपीलेट अथॉरिटी कमिश्नर संथाल परगना के समक्ष अपनी बर्खास्तगी के आदेश को चुनौती दी थी। कमिश्नर संथाल परगना ने 6 जनवरी 2022 को उसकी बर्खास्तगी के आदेश को निरस्त कर दिया। बाद में 31 जनवरी 2023 को प्रार्थी सेवानिवृत हो गया। इसके बाद प्रार्थी ने अपनी सेवानिवृत्ति लाभ, पेंशन आदि अन्य लाभ दिलाने का आग्रह विभाग से किया। विभाग की ओर से उसे सेवानिवृत्ति लाभ, पेंशन, ग्रेच्युटी जीपीएफ, लिव एनकैशमेंट सहित अन्य सुविधा देने पर आनाकानी की जाने लगी, जिसपर उसने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। इसपर हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए उसकी याचिका स्वीकृत करते हुए प्रतिवादी राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह प्रार्थी को पेंशन सहित सभी सेवानिवृत्ति लाभों का भुगतान 6% साधारण ब्याज प्रतिवर्ष की दर से करे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर 6 सप्ताह में प्रार्थी को सेवानिवृत्ति लाभ, पेंशन सहित अन्य लाभ का भुगतान नहीं किया जाता है तो प्रतिवर्ष 18% साधारण ब्याज की दर से उसे भुगतान करना होगा। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश स्टेट ऑफ केरला बनाम एम पद्मनाभन नायर केस का हवाला देते हुए कहा कि कर्मियों का सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन भुगतान नहीं रोका जा सकता है, यह सरकार के क्षेत्राधिकार में नहीं है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता मनोज टंडन एवं नेहा भारद्वाज ने पक्ष रखा।

सिर्फ हथियार बरामदगी के आधार पर दोषी करार नहीं दिया जा सकता, अन्य साक्ष्य की भी जरुरत

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है कि सिर्फ हत्या में इस्तेमाल हथियार की बरामदगी के आधार पर किसी को दोषी करार नहीं दिया जा सकता, दोष सिद्ध करने के लिए अन्य साक्ष्यों की भी जरुरत है। अपने आदेश में कोर्ट ने कहा कि अगर हत्या का हथियार बरामद भी हो जाये और उस पर खून के धब्बे भी हों, तो भी इससे आरोपी का अपराध साबित नहीं होता। यह अकेली परिस्थिति किसी भी तरह से अपीलकर्ता को दोषी ठहराने का आधार नहीं बन सकती। हथियार बरामदगी को छोड़कर अन्य परिस्थितियों पर भी गौर किया जाना चाहिए और अपीलकर्ता को दोषी ठहराने के लिए कुछ कड़ी होनी चाहिए। दरअसल सिमडेगा सिविल कोर्ट ने संजय कुजूर को पिछले वर्ष हत्या के जुर्म में दोषी करार दिया था। इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गयी थी। मृतक मुकेश कुजूर की पत्नी द्वारा दर्ज करवायी गयी एफआईआर के मुताबिक, जब वह खेत पर काम करने गयी थी, तभी उसकी भाभी ने बताया कि उसके पति पर उसके भाई ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया है। हमले के बाद उसका पति बेहोशी की हालत में आंगन में पड़ा मिला। वह तुरंत घर पहुंची और घायल पति को अस्पताल ले गयी। शुरूआत में, भारतीय दंड संहिता की धारा 326/307 (हत्या का प्रयास) के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गयी थी।

जब्त गाड़ियों को थानों में खुले में नहीं रखें, जब तक जांच आवश्यक न हो

झारखंड हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा है कि पुलिस द्वारा जब्त किए गए वाहनों को पुलिस थानों में खुले आसमान के नीचे तब तक रखने की आवश्यकता नहीं है, जब तक कि जांच के लिए उनकी उपस्थिति आवश्यक न हो। यह मामला पुलिस द्वारा डोडा के अवैध तस्करी में इस्तेमाल के दौरान जब्त किए गए वाहन से जुड़ा था। याचिकाकर्ता ने पुलिस द्वारा जब्त की गई मोटरसाइकिल को मुक्त करने के लिए पहले चतरा सिविल कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसे ट्रायल कोर्ट ने खारिज कर दिया था। ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए अनीता देवी ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। जिसपर हाईकोर्ट ने न्यायाधीश जस्टिस अनिल कुमार चौधरी की कोर्ट में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि जब्त वाहन का मूल्य प्रतिदिन घटता जा रहा है क्योंकि इसे पुलिस स्टेशन परिसर में बिना देखभाल के रखा गया है।

तीन बांग्लादेशी महिला गिरफ्तार तार काटकर किया था बार्डर क्रॉस

PHOTON NEWS RANCHI : रांची पुलिस ने तीन बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए तीनों महिलाओं को बरियातू थाना क्षेत्र के बाली रिसोर्ट हिल व्यू रोड से गिरफ्तार किया है। सभी की उम्र करीब 20-24 वर्ष के बीच है। पकड़ी गयी तीनों बांग्लादेशी महिलाओं का नाम और पता पूछने इनके द्वारा फर्जी तरीके से भारत में बनाये गये आधार कार्ड दिखाया गया। जिनमें इनका नाम पायल दास, अनिका दत्ता और खुशी लिखा गया है। लेकिन इसकी जांच करने पर पता चला कि इन सभी का निम्पी बरुआ उर्फ पायल दास 2। सरमीन अख्तर उर्फ अनिता दत्ता 3। निपा अख्तर उर्फ खुशी जो अपना नाम बदलकर भारत में रह रही हैं। इन तीनों को महिला पुलिस पदाधिकारी के निर्देश पर गिरफ्तार किया गया। इनके पास से कुल चार मोबाइल और फर्जी आधार कार्ड बरामद किया गया है। इसके अलावा तीन अन्य बांग्लादेशी महिला फरार हैं। उसका नाम प्रवीन, झुमा और हासी अख्तर है।

पुलिस गिरफ्त में बांग्लादेशी महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

जमीन घोटाला मामले में आरोपित अफसर अली की जमानत याचिका पर अगली सुनवाई 22 को

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से जुड़े बरियातू के बड़गाई की 8.86 एकड़ जमीन घोटाला मामले में आरोपी मोहमद अफसर अली की जमानत याचिका पर अब पीएमएलए कोर्ट में सुनवाई 22 जून को होगी। मामले में ईडी को जवाब दाखिल करना है। कोर्ट ने ईडी को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। अफसर अली की ओर से 14 मई को जमानत की गुहार अदालत से लगाई गई थी। बता दें कि 8.86 एकड़ जमीन घोटाला मामले में ईडी ने 17 अप्रैल को उन्हें प्रोडक्शन रिमांड पर लेकर इस मामले में भी गिरफ्तार किया था। बरियातू में सेना की 4.5 एकड़ जमीन घोटाले में भी वे आरोपी है, इस मामले में उनकी जमानत याचिका खारिज हो चुकी है। दरअसल,अफसर अली जमीन की फर्जी दस्तावेज बनाने के मास्टरमाइंड है। सेना की कब्जे वाली 4।55 एकड़ जमीन फजीवार्ड़ा मामले में 14 अप्रैल 2023 को ईडी ने उन्हें गिरफ्तार किया था। उसी समय से वह जेल में है। बड़गाई की 8.86 एकड़ जमीन घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन समेत 11 आरोपी को ईडी ने गिरफ्तार किया है।

पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में पति दोषी करार

RANCHI : अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की कोर्ट ने बुधवार को पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपित पति मोहम्मद सद्दाम को दोषी ठहराया है। दोषी की सजा के बिंदु पर कोर्ट 12 जून को सुनवाई करेगी। मामले के एक आरोपित मोहम्मद असलम को अदालत ने साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया। उल्लेखनीय है कि यह मामला अनगड़ा थाना क्षेत्र से जुड़ा है। बताया जाता है कि मो. सद्दाम की पत्नी ने वर्ष 2018 में आत्महत्या कर ली थी। इसके बाद मोहम्मद सद्दाम पर पत्नी को आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था। इसे लेकर अनगड़ा थाना में कांड संख्या 22/2018 थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स बार हत्याकांड में चुटिया थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मी हुए सस्पेंड

PHOTON NEWS RANCHI : चुटिया थाना क्षेत्र अंतर्गत एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स बार एंड ग्रिल में डीजे संदीप की गोली मारकर हत्या करने के मामले में चुटिया थाना प्रभारी सहित तीन पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया गया है। एसएसपी की अनुशंसा पर रांची रेंज के डीआईजी अनुप बिरथरे ने चुटिया थाना प्रभारी उमाशंकर सिंह को सस्पेंड कर दिया जबकि एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने चुटिया थानेदार के बॉडीगार्ड और घटना के समय अरगोड़ा थाना के पेट्रोलिंग वाहन के एक पुलिसकर्मी को सस्पेंड किया है। रांची के एक्स्ट्रीम बार में हुई गोलीबारी और डीजे संदीप की हत्या के बाद यह जानकारी बाहर आयी थी कि चुटिया थाना प्रभारी ने अपने बॉडीगार्ड को ही मामले की जांच के लिए भेजा था। वह खुद मौके पर नहीं पहुंचे। इसकी वजह से इतनी बड़ी वारदात हो गयी। पूरे मामले में चुटिया पुलिस की अनुशासनहीनता सामने आयी थी। इस कांड के बाद यह निर्णय लिया गया कि सभी थानों में पदस्थापित बॉडीगार्ड को लाइन क्लोज किया जायेगा और उन्हें नये सिरे से अलग-अलग थानों में पदस्थापित किया जायेगा। इससे पूर्व डीजीपी ने राजधानी में बढ़ रहे अपराध पर अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में एक्स्ट्रीम बार हत्याकांड पर नाराजगी जताई थी। उल्लेखनीय है कि 26 मई की देर रात चुटिया थाना क्षेत्र में एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स बार एंड ग्रिल में खाने-पीने के दौरान बार के बाउंसर और पांच लोगों के बीच विवाद हुआ था। इस दौरान बार के बाउंसर ने पांचों लोगों को जमकर पीटा था। सूचना मिलने पर चुटिया थाने के पदाधिकारी बार पहुंचे। पुलिस के आने से पहले एक व्यक्ति के छोड़कर अन्य सभी लोग वहां से चले गये थे।

नशा कारोबार के खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही करने पर गिरेगी गाज

RANCHI : नशा कारोबार के खिलाफ कार्रवाई में लापरवाही बरतने पर पुलिसकर्मियों पर गाज गिरेगी। इसे लेकर गुरुवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह जिले के एसएसपी, एसपी के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक करेंगे। झारखंड हमेशा अफीम समेत अन्य नशीले पदार्थ के उत्पादन को लेकर सवालों के घेरे में रहा है। इसके उत्पादन और उपभोग में वृद्धि देखी गयी है। कई बार तो हाइकोर्ट ने संज्ञान लेते हुए कार्रवाई के निदेश दिये हैं। झारखंड पुलिस के मुताबिक, बीते पांच सालों में करीब 2024 कांड दर्ज किये गये हैं। जबकि उक्त कांडों में करीब 4949 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

नीट में समरीन सदफ व नूर ने लहराया परचम

PHOTON NEWS KAKE : नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (NEEE) 2024 परीक्षा में कांके प्रखंड के पिरुटोला की रहने वाली समरीन सदफ ने 599 अंक, वहीं इचापीड़ी नयाटोली के नूर मोहम्मद 639 अंक लाकर क्वालीफाई किया है। ऑल इंडिया (ओबीसी केटेगरी) में समरीन सदफ को 38664 रेंक,व नूर मोहम्मद को 18248 रेंक प्राप्त हुआ है। उनकी उपलब्धि पर पूर्व जपि सदस्य ऐनुल हक अंसारी, कांके प्रखंड प्रमुख अंजय बैठा, युवा कांग्रेस महानगर अध्यक्ष जमील अख्तर, जिप सदस्य हिना परवीन, आजसु जिला कार्यकारी अध्यक्ष हकीम अंसारी, कांग्रेस नेता सुरेश बैठा, मोहम्मद महताब आलम ने बधाई देते हुए दोनों छात्रों के उज्वल भविष्य की कामना की है। मौके पर समरीन सदफ ने अपनी उपलब्धि पर इसका श्रेय अपने पिता डॉक्टर अतीक अहमद और मां जिनन्त परवीन सहित परिवार के अन्य सदस्यों को दिया है। समरीन सदफ ने कहा कि डॉक्टर बन कर गरीबो की सेवा करना चाहती हूँ।

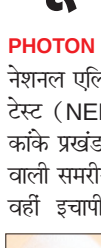

विश्व पर्यावरण दिवस : शहर के विभिन्न संगठनों समेत कई जगहों पर कार्यक्रमों का हुआ आयोजन, किया गया पौधारोपण

घर, ऑफिस व प्रतिष्ठानों में लगाएं एक-एक पौधा

PHOTON NEWS RANCHI : विश्व पर्यावरण दिवस पर रांची सिटीजन फोरम की टीम ने बुधवार को हरमू हाउसिंग कॉलोनी में पौधरोपण किया। फोरम के अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला की अध्यक्षता में हरमू हाउसिंग कॉलोनी में बेल, पीपल, बड़, नीम, अमरूद के पौधे लगाए गए। मौके पर दीपेश कुमार निराला ने कहा कि तेजी से रांची का मौसम बदला है और लोगों को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसको देखते हुए रांची सिटीजन फोरम ने नागरिकों से अपील की है कि वे भी घर, ऑफिस, प्रतिष्ठान के आसपास पौधे लगाएं और उनकी देखभाल कर रांची के मौसम को पूर्व की भांति अनुकूल बनाने में सहयोग करें। मौके पर दीपेश, फोरम के उपाध्यक्ष उमा शंकर सिंह, रेणुका तिवारी, सचिव सुशील क्रांतिकारी और कोषाध्यक्ष विनोद बेगवानी सहित अन्य मौजूद थे।

पौधारोपण करते रांची सिटीजन फोरम के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

प्रधान न्यायायुक्त ने सिविल कोर्ट में किया पौधारोपण

RANCHI : पर्यावरण दिवस के मौके पर सिविल कोर्ट में पौधरोपण किया गया। कोर्ट परिसर में रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्यायायुक्त दिवाकर पांडे समेत अन्य न्यायिक पदाधिकारियों ने अर्जुन, चंदन और रूद्राक्ष के पौधे लगाये। मौके पर न्यायायुक्त ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकृति को समर्पित दुनियाभर में मनाया जानेवाला महत्वपूर्ण दिन है। पर्यावरण दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना है।

रारहा गांव में लगाए गए 300 आम के पेड़

PITHAURIYA : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर कांके प्रखंड के रारहा गांव में कांके प्रखंड कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के बैनर तले लगभग 300 आम के पौधा का पौधारोपण किया गया। मौके पर कांके प्रखंड के उप प्रमुख अजय बैठा, युवा कांग्रेस के रांची महानगर अध्यक्ष जमील अख्तर, प्रखंड कृषि पदाधिकारी नंदेश्वर दास और रारहा पंचायत के मुखिया किशोर मुंडा के द्वारा पौधा रोपण किया गया। साथ ही ग्रामीणों के बीच में आम का पौधा का वितरण भी किया गया। इस दौरान पेड़ बचाने की सपथ भी ली गई। वही इचापीड़ी पंचायत में भी पंचायत के उप मुखिया मोहम्मद गुफरान अंसारी और ग्रामीणों के द्वारा भी पौधारोपण किया गया।

पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो विकार जनरल नियुक्त

PHOTON NEWS RANCHI : संत मरिया महागिरजाघर में बुधवार को रांची डायसिस के 50 से अधिक पुरोहितों का सम्मेलन हुआ। धर्माध्यक्ष विसेंट आइंद की अध्यक्षता में आयोजित सम्मेलन में रांची, लोहरदगा, मांडर, हुलहुडु, लोधमा, खूंटी, सामलौंग, दिधिया और डोरंडा के पुरोहित शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत मिस्सा बलिदान और परमेश्वर विनती से हुई। इसके बाद चर्च में एक विशेष बैठक हुई। जिसमें आर्च बिशप विसेंट आइंद ने संत मरिया महागिरजाघर के पल्ली पुरोहित आनंद डेविड खलखो को विकार जनरल नियुक्त किया। उन्होंने कहा कि हमें दूसरों के लिए आदर्श बनना है। मौके पर फादर बिपिन टोपनो, फादर अंजलुस एक्का, फादर असीम मिंज, फादर जार्ज मिंज, फादर निखिल मिंज समेत अन्य मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस : जमशेदपुर को मिले कई तोहफे, हुए विविध कार्यक्रम

टाटा स्टील जू में तेंदुआ और लकड़बग्घे के नए बाड़े का हुआ निर्माण, रहेंगे सुरक्षित

PHOTON NEWS JSR:
टाटा स्टील जूलॉजिकल पार्क (टीएसजेडपी) ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर सामान्य तेंदुए और धारीदार लकड़बग्घे के लिए दो नए बाड़े शामिल किए हैं।
केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुसार तेंदुए का बाड़ा 1200 वर्ग मीटर का है, जबकि लकड़बग्घे का बाड़ा 100 वर्ग मीटर का है। बाड़ों का उद्घाटन झारखंड सरकार के क्षेत्रीय मुख्य वन संरक्षक रवि रंजन और टाटा स्टील के कॉर्पोरेट सर्विसेज के वाइस प्रेसिडेंट और टाटा स्टील जूलॉजिकल सोसाइटी (टीएसजेडएस) के चेयरमैन चाणक्य चौधरी, टीएसजेडएस वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष रघुनाथ पांडेय, टीएसजेडएस के मानद सचिव कैप्टन अमिताभ और टीएसजेडपी के उप निदेशक नईम अख्तर सहित अन्य ने किया।
गणमान्य लोगों ने हाइना के नए बाड़े के पास लगभग 20 देसी प्रजाति के पौधे भी लगाए।
इस अवसर पर, स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों के लिए 'आर्ट इन नेचर' नामक एक चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जो इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने की क्षमता' पर आधारित थी। प्रतियोगिता में 11 स्कूलों के कुल 126 छात्रों ने हिस्सा लिया।

बाड़े का निरीक्षण करते वीपीसीएस

बाड़े में मौजूद लकड़बग्घा व तेंदुआ • फोटोन न्यूज

विकास के पथ पर चलते-चलते विनाश की ओर अग्रसर हैं : डॉ.कविता परमार

JAMSHEDPUR : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बिरसानगर में हरित संवाद का आयोजन किया गया।
सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बिरसानगर में चल रहे राष्ट्रीय सेविका समिति के अभ्यासवर्ग में आज प्रशिक्षणार्थियों के बीच विशेष सत्र में बुधवार को शहर की पर्यावरणविद सह जिला पार्षद डॉ.कविता परमार ने पर्यावरण संरक्षण में '3- पी' की भूमिका को बताया। पेड़ लगाना और जिंदा रखना, पानी बचाना और प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना, ये सभी महिलाएं अपनी दिनचर्या में लाकर पर्यावरण संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकती हैं।

जनसंख्या में बेतहाशा वृद्धि और पेड़ों की संख्या में कमी तापमान के बढ़ने का बड़ा कारण है। इसलिए हम सभी को अपनी जिंदगी के खास मौके पर पेड़ लगाकर उसकी उचित देखभाल करनी चाहिए। दैनिक जीवन मे पानी को बचाने का विभिन्न तरीका भी डॉ.परमार ने सभी को बताया।

दोराबजी टाटा पार्क परिसर में विकसित होगा गुलाब उद्यान

PHOTON NEWS JSR:
जुबिली पार्क में रोज गार्डेन के स्थान पर फायर स्ट्रक्चर बनने के साथ ही रोज गार्डेन समाप्त हो गया था। हालांकि उसी समय एक नया रोज गार्डेन बनाने का आश्वासन दिया गया था, उसे अब दोराबजी टाटा पार्क परिसर में विकसित किया जा रहा है।
विश्व पर्यावरण दिवस को हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी जमशेदपुर ने 'भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन' की वैश्विक थीम पर मनाया। 51वें विश्व पर्यावरण दिवस पर सोसाइटी ने टाटा स्टील यूआईएसएल टीम के साथ गुलाब उद्यान विकसित करने के लिए पौधारोपण किया।

पार्क में पौधा रोपण करतीं सोसाइटी की पदाधिकारी • फोटोन न्यूज

हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी ऑफ जमशेदपुर टाटा स्टील यूआईएसएल द्वारा दिए गए विशेषाधिकार से बहुत सम्मानित महसूस कर रही है, जो जमशेदपुर के नागरिकों के लिए एक सुंदर गुलाब उद्यान को जीवंत बनाएगा।
इस अवसर पर हॉर्टिकल्चरल सोसाइटी जमशेदपुर की अध्यक्ष सुमिता नूपुर और उपाध्यक्ष प्रणय सिन्हा, चीफ कॉरपोरेट अफेयर्स, टीएसएल ने गुलाब का पौधा लगाया।

बिरसानगर के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में पौधा लगाते विधायक सरयू राय • फोटोन न्यूज

पीपुल्स एकेडमी में पौधा लगातीं मायुम

पौधा लगाते सुधा डेयरी के मुख्य कार्यपालक

सिदगोड़ा सूर्य मंदिर परिसर में पौधा लगाते मंदिर समिति के सदस्य

एलबीएसएम कॉलेज में पर्यावरण मनाते शिक्षक व छात्र • फोटोन न्यूज

भालूबासा में पौधा लगातीं महिलाएं

गोलमुरी में पौधा लगाते पूर्व सैनिक

तार कंपनी परिसर में बना नया तालाब

तार कंपनी परिसर में बने नए तालाब का उद्घाटन विश्व पर्यावरण दिवस पर टाटा स्टील वीपी-सीएस चाणक्य चौधरी ने किया। सौंदर्यीकरण के लिए इसका निर्माण पिछले कई महीनों से चल रहा था।

जमीन कारोबारी की हत्या में पांच को उम्रकैद, एक-एक लाख का जुर्माना

पुरानी दुश्मनी और जमीन विवाद को लेकर हुई थी हत्या

PHOTON NEWS JSR:
आजादनगर में जमीन विवाद को लेकर शबाउल हक उर्फ दानिश की गोली मारकर हत्या कर दिए जाने के मामले में पांच दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई गई। मामले की सुनवाई कर रहे प्रधान न्यायाधीश सह जिला जज-1 अनिल कुमार मिश्रा की अदालत ने बुधवार को अभियुक्तों पर एक-एक लाख रुपये का जुमार्ना भी लगाया। पांच अभियुक्तों में सरफराज आलम उर्फ छोटू,मोहम्मद सलीम उर्फ गुड्डू,

- 29 दिसंबर 2020 को आजादनगर में हुई थी वारदात

मकसूद आलम उर्फ काला मकसूद, शेख फैयाज और शाहनवाज खान उर्फ डाबर हैं। इस मामले में कुल 10 लोगों की गवाही हुई थी।
नमाज से लौट रहा था घर, रास्ते में 5-7 की संख्या में अपराधी घेर कर मारी थी गोली : मृतक शहवानुल हक उर्फ दानिश के पिता इनामुल हक ने बेटे की गोली मारकर हत्या करने का एफआईआर आजादनगर थाने में दर्ज कराई थी। उनका कहना था कि आरोपियों के साथ बेटे का जमीन के लेकर पुराना विवाद था। उसी विवाद को लेकर 29 दिसंबर 2020 की दोपहर जब शहनावुल हक उर्फ दानिश आजादनगर से नमाज अदा कर घर की ओर लौट रहा था। रोड नंबर 4/ सी आजादनगर के पास स्कूटी सवार 5-7 अपराधी ने उसे घेर लिया और गोली मारकर हत्या कर दी।

दक्षिण पूर्व रेलवे की तीन परियोजनाओं का मंत्रालय ने दी हरी झंडी

बादामपहाड़-क्योंझर रेल लाइन का होगा निर्माण

PHOTON NEWS JSR:
रेल मंत्रालय ने दक्षिण पूर्व रेलवे जोन के तीन प्रमुख रेलमार्ग के निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसमे बादामपहाड़-क्योझर के बीच 82.06 किलोमीटर नई रेल लाइन, बांगरीपोसी -गोरुमहिसानी के बीच 85.60 किलोमीटर रेल लाइन और बुरुमारा-चाकुलिया के बीच 59.96 किलोमीटर नई लाइन निर्माण को स्वीकृति हो गई है। इस संबंध में रेलवे बोर्ड के गति शक्ति ज्वाइंट डायरेक्टर अभिषेक जगावत के हस्ताक्षर से पत्र जारी किया गया है। रेलवे की स्वीकृति को वित्त मंत्रालय की स्वीकृति के लिए भेजा गया है।
इन परियोजनाओं के धरातल पर उतरने से ऊर्जा, खनिज और सीमेंट क्षेत्र के व्यवसाय को

रेल लाइन किलोमीटर इतनी राशि से होगा निर्माण

बादामपहाड़-क्योंझर रेललाइन
82.06 किलोमीटर 1,875.72 करोड़

बांगरीपोसी -गोरुमहिसानी रेललाइन
85.60 किलोमीटर 2,269.49 करोड़

बुरुमारा-चाकुलिया रेललाइन
59.96 किलोमीटर 1,459 .13 करोड़

यातायात की बड़ी सुविधा मिलेगी। वहीं दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने इन योजनाओं की स्वीकृति पर रेलवे बोर्ड के प्रति आभार जताया। उन्होने कहा कि दोनों ही रेल लाइन का महत्व झारखण्ड और ओडिशा के लिए महत्वपूर्ण है। क्षेत्र के विकास के लिए यह हमारी पुरानी मांग थी जिसपर रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृति दी गई है। रेल मंत्रालय द्वारा इस हेतु आदेश जारी कर दिया गया है।

ब्लॉक के कारण ट्रेनों का परिचालय होगा प्रभावित

JAMSHEDPUR : आद्रा डिवीजन में रेलवे के विकासात्मक काम होने के कारण 9 जून को 6 घंटे का पावर ब्लाक लिया गया है। इससे टाटानगर से चलने वाली 3 ट्रेन रद्द रहेगी। इसमे ट्रेन नंबर-18183/18184 टाटानगर-बक्सर-टाटानगर एक्सप्रेस, ट्रेन नंबर-13512/13511आसनसोल-टाटानगर-आसनसोल एक्सप्रेस और ट्रेन नंबर-08174 टाटा-आसनसोल मेमू शामिल है। अचानक रेलवे द्वारा इन ट्रेनो के रद्द करने से यात्रियों को काफी परेशानी होगी।
टाटा-हटिया एक्सप्रेस बदले मार्ग से चलेगी : इसके साथ ही रेलवे ने ट्रेन नंबर-18601 टाटा-हटिया एक्सप्रेस 9 जून को बदले मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन सीनी-गंडाबिहार-मुरी होकर चलेगी। वहीं रेलवे ट्रेन नंबर-08173 आसनसोल-टाटानगर मेमू को आद्रा में शॉर्ट टर्मिनेट कर दिया है। इसके कारण यह ट्रेन आद्रा से टाटानगर के बीच नहीं चलेगी।

बागबेड़ा के पोस्तो नगर में जलमीनार का मोटर जला, 200 घर प्रभावित

बागबेड़ा में टैंकर से पानी लेने के लिए लगी लोगों की कतार • फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : बागबेड़ा कॉलोनी पंचायत अंतर्गत पोस्तो नगर में जलमीनार के मोटर जल जाने के कारण पानी की आपूर्ति ठप हो जाने से लगभग 200 घर प्रभावित हैं। स्थानीय लोगों के द्वारा इसकी सूचना मिलते ही पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता एवं उप मुखिया संतोष ठाकुर जलमीनार तक पहुंचे। पहुंचते ही सर्वप्रथम तत्काल जुस्को के 12,000 हजार लीटर वाले पानी टैंकर मंगा कर स्थानीय लोगों के बीच में पीने का पानी वितरण कराया। इसी बीच स्थानीय लोगों ने एकजुट होकर मोटर खोलकर बनाने का प्रयास किया, लेकिन मोटर जल जाने के कारण नहीं बन सका।
पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता ने कहा कि जब तक मोटर ठीक नहीं हो जाता है, तब तक जुस्को के पानी टैंकर से स्थानीय लोगों के बीच में निशुल्क पानी वितरण होता रहेगा।

समाचार सार

आनंदमार्ग ने सात दिन में बांटे 3000 पौधे

JAMSHEDPUR : विश्व पर्यावरण दिवस पर आनंदमार्ग ने 30 मई से 5 जून तक सात दिन में 3000 पौधे निशुल्क बांटे। पौधा वितरण सोनारी एवं गदरा क्षेत्र में किया गया। सुनील आनंद ने बताया कि सोनारी में कबीर मंदिर के पास शहर के विभिन्न संगठनों एवं देहात क्षेत्र के ग्रामीणों को आम, आंवला, कटहल, हर्रे, बहेरा, शीशम, नीम, महानीम, सीता अशोक, अशोक, सिंदूर, अनार, अमरूद, जामुन, करंज, पीपल आदि फलों के पौधे वितरित किए गए।

मुआवजे में नौकरी की मांग, धरने पर बैठे सांसद

ROURKELA : राउरकेला स्टील प्लांट के कर्मचारी बुद्धिया किसान का शव पिछले 6 दिनों से आईजीएच शवशीतगृह में पड़ा हुआ है। 30 मई को घर से ड्यूटी आते समय बुद्धिया सड़क पर गिर गया था, उसे तुरंत आईजीएच लाया गया। लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। चूँकि वह घर का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था, इसलिए उसके परिवार के एक सदस्य को रोजगार देने की मांग की गई थी। आरएसपी अधिकारियों ने मांगें पूरी नहीं की तो परिवार 7 दिनों से आईजीएच के सामने धरना में बैठा है। सुंदरगढ़ के सांसद जोएल ओराम भी इसी मांग पर बुधवार को बुद्धिया किसान के परिवार समूह के साथ धरना पर बैठ गए है। जोएल ओराम ने चेतावनी दी कि यदि मांगें पूरी नहीं की गईं तो कठोर कदम उठाए जाएंगे।

रघुनाथपल्ली विधायक ने लिया जीत का प्रमाणपत्र

ROURKELA : रघुनाथपल्ली विधानसभा चुनाव में नवनिर्वाचित विधायक दुर्गा चरण तांती ने बुधवार को राउरकेला के एडीएम से मुलाकात की। विधायक ने रघुनाथपल्ली क्षेत्र और आरएसपी क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों और झुग्गी बस्तियों में पीने के पानी, सड़क, स्ट्रीट लाइट, नालियों और परित्यक्त स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों की समस्याएं और उनका त्वरित समाधान पर चर्चा की। राउरकेला एडीएम ने चुनाव जीतने का प्रमाणपत्र विधायक को सौंपा।

बस मालिक संघ के अध्यक्ष बने प्रकाश जेना

ROURKELA : राउरकेला निजी बस मालिक संघ की बैठक बुधवार को हुई। इस दौरान बैठक में बस मालिकों की समस्याओं के समाधान पर जोर दिए जाने के साथ नई कमेटी का गठन किया गया, जिसमें प्रकाश जेना अध्यक्ष व श्रीकांत दास महासचिव चुने गए। इसी तरह आम सहमति से पूरी कमेटी का गठन किया गया। सदस्यों ने मांग की एसोसिएशन के प्रतिनिधियों को टोल गेट अधिकारियों से बात कर समस्या के समाधान की पहल करनी चाहिए। इसके अलावा बस स्टैंड पर चोरी रोकने के उपाय, सभी यात्रियों के लिए पीने के पानी व बसों के ठहराव की व्यवस्था पर भी चर्चा की गई। राउरकेला बस ओनर्स एसोसिएशन की ओर से सदस्यों ने एसोसिएशन के शीर्ष नेतृत्व को इन सभी चचाओं के बाद राउरकेला से विभिन्न गंतव्यों तक जाने वाली बसों के समय के संबंध में अन्य एसोसिएशन के सदस्यों के साथ चर्चा कर समस्या के समाधान करने पर जोर दिया।

परशुराम जयंती की तैयारी पर सोनारी में बैठक

JAMSHEDPUR : परशुराम जयंती का भव्य आयोजन 9 जून को बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में होना है। इसके लेकर परशुराम जन्मोत्सव समिति की बैठक बुधवार को सोनारी स्थित बच्चा सिँह बस्ती स्थित शिव मंदिर प्रांगण में हुई। इसमें भगवान श्री परशुराम जन्मोत्सव समारोह की तैयारी को लेकर चर्चा परिचर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए सोनारी क्षेत्र के संयोजक पं.दिलीप पांडेय ने क्षेत्र के सभी ब्राह्मणो को एकत्रित कार्यक्रम को सफल बनाने की बात कही। इस बैठक मे बतौर कार्यक्रम के संयोजक व पूर्व डीएसपी पं.कमाल किशोर ने बताया कि वर्तमान समय में ब्राह्मण की एकजुटता आवश्यक हो गई है। बैठक मे अरविंद पांडेय, संजीव आचर्या, संजीव मिश्रा, अप्पू तिवारी, साकेत पांडेय, सुशील कुमार तिवारी, आचार्य उमेश कुमार तिवारी, सुबोध पांडेय, विकास पांडेय, विपिन पांडेय, साकेत पांडेय, नारायण पांडेय, प्रथम पांडेय, आकाश पांडेय, मृत्युजय पांडेय, कन्हैया पांडेय, सन्नी पांडेय, विनोद पांडेय, लक्ष्मी नरयण तिवारी समेत अन्य मौजूद रहे।

पांच साल बाद एडीएल की आमसभा 9 को

JAMSHEDPUR : एडीएल सोसाइटी जमशेदपुर की 5 वर्ष बाद 9 जून को वार्षिक आमसभा होने जा रही है। सोसाइटी परिसर में सोमवार को प्रेस वार्ता में पदाधिकारियों ने बताया कि पहले यह आमसभा 31 मार्च को निर्धारित थी, लेकिन चुनाव आचार संहिता के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। इसमें वर्ष 2017 से वर्ष 2023 तक आडिट रिपोर्ट प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अलावा नई कमेटी द्वारा किए गए अब तक के विकास कार्यो की जानकारी सदस्यों को दी जाएगी। प्रेस वार्ता में अध्यक्ष वाई ईश्वर राव, महासचिव के. नागेश नायडु, उपाध्यक्ष सीएच रमना राव, एनवीआर मूर्ति, कोषाध्यक्ष पी सिमाद्री, एन राम कृष्णा, पी. रवि प्रकाश, एम प्रकाश कुमार, ई. रवि, ए वेंकट राव ने बताया कि इस आमसभा में शामिल होने के लिए सदस्यों को सोसाइटी के पहचान पत्र के अलावा कोई वैध प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है। आमसभा में अपने साथ किसी भी बच्चे को न लाएं। अध्यक्ष एवं महासचिव ने बताया कि सोसाइटी में लगभग 2400 आजीवन सदस्य हैं।

पेज 1 का शेष... (लोकसभा चुनाव: मीडिया बनाम...)

सीटों को लेकर तरह-तरह के दावे किए गए। कहा गया कि मोदी देश के अगले प्रधानमंत्री नहीं बनने जा रहे। भाजपा की चौतरफा हार हो रही है। परिणाम दावे से बिल्कुल अलग रहे। कई राज्यों में भाजपा ने विरोधियों को उखाड़ फेंका। कई जगह नए किले बना लिए। दो राज्यों में अपने बूते सरकार का गठन कर लिया। आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू का राजनीतिक वनवास खत्म करा दिया। फिर भी कई सोशल मीडिया के बड़े नाम अपनी छाती चौड़ी किए घूम रहे हैं। मानो, उन्होंने राजनीतिक क्रांति ला दी।
चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद एक बार फिर फर्जी नैरेटिव गढ़ने का दौर शुरू हो गया है। वर्तमान में एनडीए गठबंधन के साथ खड़े दिखाई दे रहे नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। आरएसएस की सक्रियता को लेकर भी तरह-तरह के दावे किये जा रहे हैं। मानो आरएसएस के लोग भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को दिये जाने वाले निर्देश की ईमेल सोशल मीडिया समूहों को सीसी कर रही हैं। मजेदार, पक्ष यह है कि एग्जिट पोल के फेल होने से सदमे में आये कई बड़े मीडिया हाउस भी सोशल मीडिया की फर्जी कहानी को ही अपने प्लेटफार्म पर दिखा और बता रहे हैं।

BRIEF NEWS

पर्यावरण के लिए संजीवनी है पौधारोपण : डॉ. अनुज

NAWADA : विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर बुधवार को नवादा जेल , मॉडर्न स्कूल परिसर में सैकड़ो पेड़ लगाकर पृथ्वी की रक्षा का संकल्प लिया गया। नवादा मंडल कारा में अधीक्षक अजीत कुमार, भारतीय स्टेट बैंक के चीफ मैनेजर वर्मा जी के नेतृत्व में वृक्ष ओपन किया गया ।मॉडर्न ग्रुप के निदेशक डॉक्टर अनुज के नेतृत्व में स्कूल परिसर में सैकड़ों पेड़ लगाए गए। डॉ अनुज ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि विकास की दौड़ में हमने अपने स्वार्थवश प्रकृति का अविवेकपूर्ण और अंधाधुंध दोहन किया है, इसके कारण आज पूरी पृथ्वी भट्ठी की तरह तप रही है तापमान हर वर्ष नई ऊंचाइयां छू रहा है और आम आदमी को गर्मी की विभिषिका झेलनी पड़ रही है विद्यालय तो बंद रखना पड़ ही रहा है।

राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के लिए भेजे गए आम

BHAGALPUR : बिहार के भागलपुर का जदार्लू आम रसीले और सुपाच्य आमों के श्रेणी में शुमार किया जाता है। यह आम अपने लजीज स्वाद के लिए पूरे देश में प्रसिद्ध है। भागलपुर का जदार्लू आम हर साल प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति समेत अन्य गणमान्यों को भेजा जाता है। इस बार फिर बुधवार को जदार्लू आम प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति समेत अन्य विशिष्ट अतिथियों को भेजा गया है। वर्ष 2007 से लगातार हर साल प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति इसका स्वाद चखते आ हैं। लेकिन इस बार यह खास है। क्योंकि यह पहला मौका है जब किसी प्रधानमंत्री के जीत के बाद संदेश के रूप में जदार्लू आम भेजा गया है। भागलपुर का जदार्लू आम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा सौगात के रूप में भेजा जाता है। आज जहां सरकार बनाने को लेकर नीतीश कुमार पर सभी नजरें टिकाए हुए हैं। इस बीच प्रधानमंत्री को जदार्लू आम का सौगात भेजा जाना भी खास है।

695 अंक लाकर सक्षम ने बढ़ाया जिले का गौरव

NAWADA : नवादा के चर्चित शिक्षाविद उदय शंकर उर्फ पिंकी तथा रिंकी कुमारी के पुत्र सक्षम

शंकर ने नीट में 695 नंबर लाकर जिले का गौरव बढ़ाया है ।उसने बेहतर चिकित्सक बनकर पीड़ित मानवता से की सेवा की भी बात कही है । उनके साथ ही परीक्षा जेड 2024 में ज्ञान भारती के विद्यार्थियो का शानदार प्रदर्शन रहा है। मेडिकल प्रवेश परीक्षा का परिणाम प्रकाशित होने के बाद बुधवार को उनके आवास पर शुभचिंताम में आकर बधाई दी। इस परीक्षा में उनके साथ ही ज्ञान भारती के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन किया ।मोहम्मद बकार ने 710 अंक लाकर आल इंडिया रैंकिंग में 404 वा रैंक पाया। मोहम्मद अरमान आलम 705, सक्षम शंकर 695, उत्कर्ष कुमार 691, रोहित कुमार 683, आदित्य सुमन 668, सिद्धू कुमार 660, अभिशांत कुमार 641, अखिलेश कुमार 640, प्रियांशी कुमारी 611 अंक लाकर विद्यालय का मान सम्मान बढाया। यह परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (ठळअ) द्वारा 5 मई को आयोजित की गई थीं जिसमें लगभग 26 लाख विद्यार्थी शामिल हुए थे।

राजधानी में आए दिन थमने का नाम नहीं ले रहा क्राइम, सरेआम घूम रहे अपराधी

पटना के फुलवारीशरीफ में गोली मारकर युवक की हत्या

AGENCY PATNA : राजधानी पटना के फुलवारी शरीफ में सुबह-सुबह युवक का फेंका हुआ शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई. मृतक की पहचान फुलवारी शरीफ थाना क्षेत्र के आलमपुर में रहने वाले मनोज यादव के 24 वर्षीय पुत्र विकास कुमार के रूप में की गयी है. जिसकी हत्या गोली मारकर कर दी गयी है. हत्या की सूचना मिलने के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया. विकास मंगलवार की शाम से ही लापता था.

घटना के बाद जुटी भीड़।

घर से निकला और हो गया लापता. परिवार वालों का कहना है कि विकास ने अपने दोस्त सूरज को 10 लाख रुपए व्यापार में दिए थे. सूरज ने ही मंगलवार की शाम को विकास को कॉल करके रुपए देने के लिए बुलाया. देर रात जब विकास का मोबाइल स्विच ऑफ हो गया तो परिजन बेचैन होकर उसे खोजने लगे. थाना पुलिस को भी सूचना दी गई. बुधवार की अहले सुबह करीब 3 बजे मिशन के पास आहर में विकास की बाइक देखकर लोगों ने उसके शव को ढूंढना शुरू किया तो शव बाधार में पाया गया. विकास को गोली मार कर हत्या की गई है. वहीं सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस छानबीन में जुट गई है. हत्या के बाद शव मिलने की बात फैलते ही घटना स्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी. परिवार वाले शव के पास ही रोते बिलखते पाए गए. गांव के लोगों ने बताया कि विकास कुमार शाम के बाद घर नहीं लौटा. देर रात उसका मोबाइल ऑफ होने पर परिजन ने फुलवारी थाना को भी सूचना दिया. पुलिस और परिजन विकास की तलाश कर ही रहे थे कि सुबह 3:00 बजे उसकी मोटरसाइकिल फुलवारी शरीफ मिशन रोड के मिशन के पीछे आहर पर फेंका हुआ मिला. इसके बाद परिजन खेत में गए तो कुरकुरी मूसहरी से दक्षिण ढ़िबड़ा के चवर में मिशन से उत्तर गोली मारकर फेंका हुआ विकास का शव मिला.

एक साल पहले ही हुई थी विकास की शादी

मृतक विकास की 1 साल पहले शादी हुई थी. फिलहाल उसकी पत्नी गर्भवती है जिसका रो-रो कर बुरा हाल हो रहा है. मृतक के पिता मनोज पेंटिंग का काम करते हैं और पेंटिंग कारोबार के ठेकेदारी भी करते हैं. मृतक के माता-पिता समेत पूरे परिवार में रोना पीटना मचा हुआ है. परिवार वाले रोड रोकर यही बात पुलिस को बता रहे हैं कि नैन चक में अपनी मौसी के घर रहने वाला सूरज को विकास ने 10 लाख रुपया दिया था. सूरज बार-बार पैसा देने में आनाकानी कर रहा था.

बहियार में युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप

शव देखेन के लिए जुटे लोग।

- प्रेम प्रसंग का मामला, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

AGENCY JAMUI : घोरमो गांव स्थित बहियार एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक युवक की पहचान शेखपुरा जिले के चेवाड़ा गांव निवासी कैलाश पासवान के 20 वर्षीय पुत्र छोटू कुमार के रूप में की गई है। चंद्रमंडीह थाना क्षेत्र के घोरमो गांव स्थित बहियार में बुधवार की सुबह एक युवक का शव बरामद किया गया। शव मिलने की सूचना पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई और उसकी सूचना पुलिस को दी गई। मृतक युवक की पहचान शेखपुरा जिले के चेवाड़ा गांव निवासी कैलाश पासवान के 20 वर्षीय पुत्र छोटू कुमार के रूप में की गई है। जो फिलहाल चकाई प्रखंड के पेटारपहाड़ी स्थित अपने दूसरे घर में रह रहा था। वहीं सूचना पर चंद्रमंडीह थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई। इधर स्थानीय लोगों ने बताया कि जब वह शौच करने के लिए बहियार की ओर जा रहे थे, तभी उन लोगों की नजर बहियार में एक युवक के शव पर पड़ी, जिसके बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई और इसकी सूचना चंद्रमंडीह थाने की पुलिस को दी गई। ग्रामीणों के अनुसार शव देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि युवक का पहले रस्सी के जरिए गला दबाया गया हो और उसके साथ मारपीट की गई है।

आरा में युवक पर ताबड़तोड़ फायरिंग बदमाशों ने मारी 10 गोलियां, दहशत

AGENCY ARARIYA : बिहार के आरा जिले के कोईलवर थाना इलाके में ताबड़तोड़ फायरिंग से सनसनी फैल गई। जब बदमाशों ने एक युवक पर गोलियों की बौछार कर दी। और शरीर में दस गोलियां दाग दी। हत्या की इस घटना से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। मृतक की पहचा मिथलेश पासवान के तौर पर हुई है। जो कोईलवर थाना इलाके के धनडींहा कुबेरचक गांव का निवासी था। हालांकि अभी तक हत्या की वजह का खुलासा नहीं हो सका है।

बताया जा रहा है कि मृतक मिथलेश पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे। और उसका पुराना आपराधिक इतिहास रह चुका है। और आरा में बम धमाके की एक घटना में भी उसका नाम आ चुका है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। आज सुबह ताबड़तोड़ गोलियों की आवाज से पूरा इलाका सहम गया। बदमाशों ने मिथलेश को दस गोलियां मारी। और फिर फरार हो गए।

खून से लथपथ मिथलेश को अस्पताल ले जाया गया। जहां उसकी मौत हो गई। वहीं घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों से जानकारी ली। और कई साक्ष्य जमा किए। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। परिजनों के मुताबिक मिथलेश आनंद नगर मोहल्ले से अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान हथियारबंद अपराधियों द्वारा गोलियों से भूनकर उसकी हत्या कर दी गई। लेकिन हत्या का मकसद क्या था। इसका खुलासा नहीं हो सका है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर ने सब्जी विक्रेता को कुचला, मौत

NALANDA : नालंदा में बुधवार को बिहार शरीफ राजगीर मुख्य मार्ग पर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। जहां तेज रफ्तार अवैध बालू लोड ट्रैक्टर ने सड़क किनारे ठेले पर सब्जी बेच रहे अधेड़ को कुचल दिया। इस हादसे में सब्जी विक्रेता की मौत हो गई। मामला नालंदा थाना क्षेत्र के दिनकर नगर के समीप की है। मृतक की पहचान नालंदा थाना क्षेत्र के रानी बिगहा निवासी स्वर्गीय जोगेश्वर चौहान के (48) वर्षीय पुत्र दशरथ चौहान के रूप में की गई है। सड़क हादसे की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों के मिली तो वे लोग घटनास्थल पर पहुंच गए और मुआवजा एवं कार्यवाही की मांग को लेकर बिहार शरीफ राजगीर मुख्य मार्ग को नालंदा थाना के समीप जाम कर दिया।

औरंगाबाद में घर के बाहर सोए हुए टोला सेवक को उतारा मौत के घाट

AGENCY AURANGABAD : औरंगाबाद में अपराधियों ने एक टोला सेवक की हत्या गोली मारकर कर दी। जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है। घटना जिले के देव प्रखंड के ढिवरा थाना के पक्का पर गांव की है जहां बीती रात को इस हत्याकांड को अंजाम देकर अपराधी फरार हुए हैं। घर के बाहर सो रहे एक टोला सेवक की हत्या गोली मारकर कर दी गई। मृतक की पहचान श्रवण भुइंया के रूप में की गयी है। बीती रात को अपराधियों ने एक टोला सेवक की हत्या कर दी। बुधवार की सुबह घटना की जानकारी होने पर गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और छानबीन में जुट गयी। मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लिया और घटना के कारणों की जांच कर रही है। मृतक की पहचान श्रवण भुइंया के रूप में हुई है। अपराधियों ने उसके सर में गोली मारी है । बताया जाता है कि टोला सेवक श्रवण भुइंया (उम्र 52 वर्ष) घर के बाहर सोया हुआ था तभी अज्ञात अपराधियों के द्वारा रात्रि में गोली मारकर उसकी हत्या कर दी गई।

वारदात के बाद घटनास्थल पर जुटे लोग।

वेतन बढ़ाने को लेकर ऑपरेटर और प्रोजेक्ट मैनेजर में हाथापाई

AGENCY BHAGALPUR : भागलपुर पुलिस लाइन परिसर स्थित कंट्रोल एंड कमांड सेंटर में बुधवार को तीसरे दिन भी ऑपरेटर ने अपना काम नहीं किया। इस दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर आकाश कुमार, गौरव कुमार और राजीव कुमार के साथ बातचीत के दौरान हंगामा हुआ और हाथापाई भी हुई। इसके बाद मौके पर मौजूद सुरक्षा गार्ड ने किसी तरह बीच बचावकर मामला को शांत कराया। इसको लेकर ऑपरेटर ने भागलपुर के प्रमंडलीय आयुक्त एवं अधिकारियों से लिखित शिकायत भी की है। इस हाथापाई का वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी तेजी से वायरल हो रहा है। ऑपरेटर का कहना है कि 6 महीने से यहां पर काम कर रहे हैं। ट्रेनिंग के बाद हम लोग को कहा गया था की प्रति महीना 10686 रुपया मिलेगा, लेकिन 3 महीने पहले से ही टीम रीडर का वेतन बढ़ा दिया गया, पर हम लोगों का नहीं बढ़ाया गया। इस बात को लेकर जब हम लोगों ने कुछ दिन पहले अपने वरीय पदाधिकारी को सूचना दिया था। इस सूचना के बाद भी किसी तरह का वरीय पदाधिकारी के द्वारा पहल नहीं

किया गया, तो हम लोगों ने सोमवार से ही कामकाज ठप कर दिए। कल जब दोबारा बात करने का कोशिश किया तो यहां के अधिकारियों ने कहा कि सभी लोग अपने अभिभावकों को बुलाए फिर बात करेंगे। इसी बीच प्रोजेक्ट मैनेजर ने हम लोगों के साथ हाथापाई करने लगे। प्रोजेक्ट मैनेजर ने कहा कि आप लोगों ने जो टेस्ट दिया था उस आधार पर एक भी लोग यहां पर काम करने के लायक नहीं है, लेकिन हम लोगों का कहना है कि जब काम करने के लायक नहीं थे तो हम लोगों को काम पर क्यों रखा गया। आगे ऑपरेटर ने कहा कि जब तक हम लोग का वेतन नहीं बढ़ाया जाएगा तब तक हम लोग किसी तरह का कोई काम यहां पर नहीं करेंगे।

चुनाव परिणाम देखकर चिराग पासवान गदगद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिया बिना शर्त समर्थन

AGENCY PATNA : लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान अपनी पार्टी के प्रदर्शन से गदगद हैं। बिहार में लोकसभा की पांच में से पांच सीट पर उनकी पार्टी ने जीत दर्ज की है। इतना ही नहीं वैशाली सीट को छोड़कर शेष सभी चार सीटों पर उनकी पार्टी के उम्मीदवार एक लाख से अधिक वोटों के अंतर से जीत दर्ज की है। समस्तीपुर से उनकी पार्टी की उम्मीदवार शांभवी चौधरी ने सबसे अधिक मतों के अंतर से जीत की है। 100 प्रतिशत जीत को लेकर उन्होंने साफ तौर पर कह दिया है कि यह जनता का प्यार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आशीर्वाद है। कैबिनेट मंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से किसी तरह की मांग नहीं करने जा रही है। चिराग ने कहा कि हम बिना किसी शर्त के अपना समर्थन पीएम मोदी को दे दिया है। चिराग पासवान की पार्टी लोजपा

(रामविलास) ने अपनी सभी पांच सीटों पर जीत हासिल की है। लोजपा (रामविलास) ने लोकसभा की पांच सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे। हाजीपुर, वैशाली, जमुई ,खगड़िया और समस्तीपुर सीट से चुनाव के मैदान में जितने प्रत्याशी खड़े हुए सभी जीत गये हैं। हाजीपुर से खुद चिराग पासवान चुनाव के मैदान में उतरे और जीत हासिल की। चिराग ने राजद के शिवचंद्र राम को हराया। वहीं समस्तीपुर से बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी की बेटी शांभवी चौधरी ने बिहार सरकार के मंत्री महेश्वर हजारी के बेटे और कांग्रेस के सन्नी हजारी को हरा दिया है। जमुई से उनके जीजा अरुण भारती भी जीत गये हैं। उन्होंने आरजेडी की कुमारी अर्चना को हराया तो वही वैशाली से वीणा देवी ने राजद के पूर्व विधायक विजय कुमार शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला को मात दी। खगड़िया से राजेश वर्मा ने माकपा प्रत्याशी संजय कुमार को हराया। चिराग पासवान की पार्टी के सभी उम्मीदवार ने अपार जीत हासिल किया है। इसे लेकर पार्टी के नेताओं और कार्यकताओं में खुशी की लहर देखी जा रही है।

नीतीश और तेजस्वी के एक ही फ्लाइट से दिल्ली रवाना होने पर सियासी हलचल तेज

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद के कयासों का बाजार भी गर्म हो गया है। केन्द्र में भाजपा सरकार बनाने की तैयारी कर रही है और बिहार में नीतीश कुमार के पलटी मारने की चर्चा जोरों पर है। इस बीच बुधवार को नीतीश और तेजस्वी एक ही फ्लाइट से दिल्ली के लिए रवाना हुए। दोनों की विमान में एकसाथ वाली तस्वीर सामने आयी है, जिसे देखकर नीतीश के दोबारा आईएनडीआई गठबंधन में जाने की चर्चा को और हवा मिल रही है। तस्वीर में फ्लाइट में अगली सीट पर नीतीश कुमार बैठे हैं तो उनके ठीक पीछे वाली सीट पर तेजस्वी यादव बैठे नजर आ रहे हैं। हालांकि, भाजपा के लिए थोड़ी राहत जरूर है कि इसी फ्लाइट में नीतीश कुमार के साथ लोजपा (रामविलास) के चीफ चिराग पासवान और उनकी पार्टी के तमाम नवनिर्वाचित सांसद भी मौजूद हैं। चिराग ने पहले ही साफ कर दिया है कि वह और उनकी पार्टी भाजपा के साथ है। इस चुनाव में भाजपा बहुमत के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पायी है। सहयोगियों के बदौलत केंद्र में एक बार फिर एनडीए की वापसी होनी है। इस बीच एनडीए और आईएनडीआई गठबंधन की बैठक दिल्ली में आज ही होनी है, जिसके लिए नीतीश कुमार दिल्ली गये। दोनों ही गठबंधन को नीतीश कुमार की पार्टी जदयू की जरूरत है। ऐसे में हर किसी की नजर नीतीश कुमार पर है।

जागरुकता : सीमा सुरक्षा बल के क्षेत्रीय कार्यालय में मनाया गया पर्यावरण दिवस

पर्यावरण सुरक्षा में भी दक्ष है सीमा सुरक्षा बल

AGENCY KISHANGUNJ : सीमा सुरक्षा बल, जो वर्तमान में दुनिया का सबसे बड़ा बॉर्डर गार्ड बल है, सीमा सुरक्षा के साथ-साथ पर्यावरण सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभाता है। बुधवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर क्षेत्रीय मुख्यालय खगड़ा कैंप मे ईश औल उपमहानिरीक्षक के द्वारा उपस्थित सभी सीमा प्रहारियों को पर्यावरण जागरूकता एवं संरक्षित करने के संबंध में शपथ दिलाई गई। इस मौके पर वृक्षारोपन एवं स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम मे मोना

रैली निकालते सीमा सुरक्षा बल के सदस्य व अन्य।

आल रीजनल प्रेसिडेंट परिवार कल्याण केंद्र एवं अन्य पदाधिकारी, क्षेत्रीय मुख्यालय के अधीन 17, 132 एवं 175वीं वाहिनियों सभी कमान अधिकारी, अधीनस्थ अधिकारी, जवानों के साथ कुल 225 सीमा प्रहरी उपस्थित हुए। इस आयोजन के तहत क्षेत्रीय मुख्यालय परिसर, 72वी एवं 152वी वाहिनी मुख्यालय पंजीपारा एवं सभी सीमा चौकियों मे आज के महत्त्वपूर्ण दिवस के उपलक्ष के अवसर पर वृक्षारोपण किया गया। ईश औल, उपमहानिरीक्षक, क्षेत्रीय मुख्यालय किशनगंज के द्वारा इस वर्ष की थीम भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने पर केंद्रित है, जिसका नारा है हमारी भूमि। इसके संबंध मे जानकारी देने के पश्चात कैंपस परिसर को प्लास्टिक से मुक्त करने का संकल्प लिया गया। साथ ही साथ पेड़ो की महत्ता और पर्यावरण से जुड़े मुद्दे जैसे ब्लैक होल इफेक्ट, ग्रीन हाउस के प्रभाव, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण, ग्लोबल वार्मिंग आदि पर सम्बोधित किया गया एवं सभी सीमा प्रहरी को तथा परिवार कल्याण केंद्र के सदस्यों के हाथों से वृक्षारोपण के प्रति सजग रहने की प्रेरणा दी गई।

अररिया का टॉप टेन इनामी कुख्यात मुस्ताजीर अरेस्ट

ARARIYA : जिले के टॉप टेन कुख्यात अपराधियों में शुमार पांच हजार का ईनामी गजनी उर्फ मुस्ताजीर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अररिया जिला पुलिस को लंबे अर्से से इनकी तलाश थी।जिले के जोकीहाट थाना में केवल इनके खिलाफ 13 और पलासी थाना में संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसपी अमित रंजन ने बताया कि जोकीहाट थाना क्षेत्र के ललिया के रहने वाले गजनी उर्फ मुस्ताजीर पिता बाजबूल के बारे में गुप्त जानकारी मिली कि वह दिल्ली से अपने घर आ रहा है। सूचना के बाद सदर एसडीपीओ रामपुकार सिंह की अगुवाई में गठित टीम जोकीहाट थानाध्यक्ष राजीव कुमार झा, एसआई श्रवण कुमार, डीआईयू प्रभारी अजीत चौधरी की टीम ने गिरफ्तार किया।

जीत के मौके पर चौका मारने के मूड में जेडीयू

विधानसभा चुनाव तुरंत करा सकते हैं नीतीश

AGENCY PATNA : बिहार में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को समय से पहले ही कराया जा सकता है। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) विधानसभा भंग करने के मूड में हैं। जेडीयू बिहार में एनडीए को लोकसभा चुनाव में मिली जीत के मौके पर चौका मारना चाहती। सूत्रों के मुताबिक सीएम नीतीश इस बारे में बीजेपी के शीर्ष नेताओं से चर्चा करने वाले हैं। अपने दिल्ली दौरे के दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने यह मांग रख सकते

हैं। हालांकि, जल्द चुनाव कराने के लिए जेडीयू को बीजेपी के अलावा एनडीए के अन्य घटक दलों जैसे लोजपा रामविलास और हिन्दुस्तान आवाम मोर्चा (हम) की भी सहमति लेनी होगी। मुख्यमंत्री के एक करीबी नेता ने बताया कि लोकसभा चुनाव में बिहार के वोटरों के बीच जेडीयू और एनडीए के पक्ष में माहौल बना हुआ है।

धरती व हमारा भविष्य

पर्यावरण जीवों और उनके जीवन का आधार और एक अनिवार्य घटक है। उसके बिना जीवन अकल्पनीय है । हमारा जीवन-चक्र पर्यावरण में स्थित है और पर्यावरण द्वारा ही आयोजित होता है। हम उसी में जन्म लेते हैं, जीते हैं और मृत्यु के बाद उसी में विलीन हो जाते हैं। हम वनस्पतियों और अन्य प्राणियों की ही तरह पर्यावरण के अंग होते हैं परंतु अपने अहंकार में हम अपनी इस मौलिक सदस्यता को भूल कर अपने को पर्यावरण से अलग तत्व के रूप में देखते हैं। हम मनुष्य और पर्यावरण की दो अलग झ अलग कोटियाँ या श्रेणियां बना लेते हैं जो भिन्न मान ली जाती हैं। इनके बीच का रिश्ता भी उपभोक्ता (कंज्यूमर) और उपभोग्य वस्तु (कंज्यूमेबल ऑब्जेक्ट) मान बैठे हैं। पर्यावरण हमारे लिए एक संसाधन होता गया है जिनमें कुछ नवीकरणीय भी होते हैं और कुछ समाप्त हो कर उस रूप में वापस नहीं मिलते। अपनी संपदाओं के कारण धरती को वसुंधरा कहते हैं। वह हमारे लिए सुख के स्रोत उपलब्ध कराती है। पर्यावरण में मौजूद विविध पदार्थों, ऊर्जा के श्रोतों (जैसे झ कोयला, पेट्रोल आदि), जल संसाधनों, भिन्न-भिन्न गुणवत्ता के भूमि रूपों (जहां किस्म-किस्म के अन्न, फल, लकड़ी, औषधि और अन्य पदार्थ पैदा होते हैं) को लेकर हम बड़े प्रसन्न होते हैं । पर पर्यावरण की इस सम्पदा को सिर्फ निष्क्रिय निर्जीव वस्तुओं के संसाधन के रूप में मान बैठना भ्रम है। इसलिए ऐसा सोचना ठीक तो है परन्तु यह आधी सच्चाई है। पर्यावरण को सिर्फ संसाधन मान बैठना न सही है न वांछित। पर्यावरण से हमारा पारस्परिक रिश्ता है। वह हमें रचता है और हमसे अपेक्षा है कि हम उसकी रक्षा करें। इस तरह पृथ्वी पर एक जीवन-चक्र चलता सदैव चलता रहता है। इन सबको देखते हुए ही धरती को माता कहा गयाझ माता भूमिः पुत्रोहं पृथिव्याः । पृथ्वी सभी प्राणियों का बिना भेद-भाव के माता की तरह भरण-पोषण करती है। आज इसे भुला कर हम निर्मम भाव से इस पर्यावरण को अपने अविवेकपूर्ण आचरण द्वारा तरह-तरह से आघात पहुंचा कर लगातार उसका हृदय छलनी कर रहे हैं और शरीर नष्ट-भ्रष्ट कर रहे हैं । ऐसा करते हुए अपने ही पैरों पर ही कुल्हाड़ी चला रहे हैं। पेड़ कटते जा रहे हैं, वन जलाए जा रहे हैं, कंक्रीट के जंगल उग रहे हैं, और रासायनिक खाद से धरती की उर्वराशक्ति नष्ट हो रही है । हमारी भौतिकवादी दृष्टि कितनी दूषित हो चुकी है कि हम प्रकट सत्य का भी प्रत्यक्ष नहीं कर पाते हैं और न वह क्षति ही महसूस कर पाते हैं जिसकी भरपाई संभव ही नहीं है । ग्रीन गैस का उत्सर्जन जिस तरह हो रहा है और कार्बन डाई आक्साइड जिस तरह बढ़ रहा है वह सब जीवन के विरुद्ध है। पर्यावरण की ओर से हमें लगातार चेतावनी मिल रही है और हम हैं कि उसे अनसुना करते रहे हैं। ग्लेशियर का पिघलना, अति वर्षा, सूखा, बाढ़ और गर्मी का अत्याधिक बढ़ना ऐसे ही संकेत हैं। आज धरती और पर्यावरण की सीमाओं को बिना पहचाने उसका अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। ऐसा करते हुए हम यह अकसर भूल जाते हैं कि हमारा आहार, हमारी सांसें और हमारे कार्य-कलाप सब कुछ पर्यावरण से ही उधार लिया हुआ है।

जन अभियान बने पर्यावरण संरक्षण

पर्यावरण शब्द संस्कृत भाषा के 'परि' उपसर्ग (चारों ओर) और 'आवरण' से मिलकर बना है, जिसका अर्थ है ऐसी चीजों का समुच्चय जो किसी व्यक्ति या जीवधारी को चारों ओर से आवृत्त किये हुए हैं। यह शब्द फ्रांसीसी शब्द एनवायरनर से लिया गया है, जिसका अर्थ है घेरना। पर्यावरण को उस परिवेश या परिस्थितियों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें पौधे, जानवर और मनुष्य जैसे जीवित जीव रहते हैं। पर्यावरण की एक सरल परिभाषा में कहा जा सकता है कि मानव जीवन को प्रभावित करने वाले सभी जैविक और अजैविक तत्वों को शामिल करने वाली एक प्रणाली है। जैविक या जीवित घटकों में सभी वनस्पति और जीव शामिल हैं, और अजैविक घटकों में पानी, सूरज की रोशनी, हवा, जलवायु आदि शामिल हैं। हमारी धरती, जनजीवन को सुरक्षित रखने के लिए पर्यावरण का सुरक्षित रहना बहुत जरूरी है। पूरी दुनिया आधुनिकता की ओर बढ़ रही हैं। दुनियाभर में हर दिन ऐसी चीजों का इस्तेमाल बढ़ रहा है जिससे पर्यावरण खतरे में हैं। इंसान और पर्यावरण के बीच गहरा संबंध है। प्रकृति के बिना जीवन संभव नहीं। ऐसे में प्रकृति के साथ इंसानों को तालमेल बिठाना होता है। लेकिन लगातार वातावरण दूषित हो रहा है। जिससे कई तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। जो हमारे जनजीवन को तो प्रभावित कर ही रही हैं। साथ ही कई तरह की प्राकृतिक आपदाओं की भी वजह बन रही हैं। सुखी स्वस्थ जीवन के लिए पर्यावरण का संरक्षण जरूरी है। इसी उद्देश्य से हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1972 में पहली बार विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया था। लेकिन विश्व स्तर पर इसके मनाने की शुरूआत 05 जून 1974 को स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में हुई थी। जहां 119 देशों की मौजूदगी में पर्यावरण सम्मेलन का आयोजन किया गया था। साथ ही प्रति वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का निर्णय लिया गया था। इस सम्मेलन में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम का गठन भी हुआ था। भारत में पर्यावरण संरक्षण अधिनियम भारत की संसद द्वारा 1986 में पारित किया गया था। इसे संविधान के अनुच्छेद 253 के तहत पारित किया गया था। यह 19 नवंबर 1986 को लागू हुआ था। देश में तेजी से हो रहे शहरीकरण के कारण बड़ी मात्रा में कृषि भूमि आबादी की भेंट चढ़ती गई।

पर्यावरण के प्रति जागरुकता क्यों नहीं?

ANALYSIS

डॉ. वंदना सेन

सरकार के सानिध्य में संचालित होने वाले गैर सरकारी संगठन भी पर्यावरण संरक्षण के अभियानों को अपनी आय का माध्यम मानकर ही कार्य करते हैं। इन संस्थाओं का कार्य कागजों पर सफलता दशार्ने वाला होता है, लेकिन धरातल पर उसकी परिणति वैसी नहीं होती जैसी दिखाई जाती है। पर्यावरण का अभियान केवल फोटो खिचाने तक ही सीमित होता जा रहा है। आज पर्यावरण के कारण जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुएं, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा, तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि पेड़ पौधों की बात हो रही है।

वर्तमान में जिस प्रकार से तापमान बढ़ रहा है, उसका एक कारण यह भी है कि हमारा समाज पर्यावरण के प्रति सचेत नहीं है। इसे सरकारी विफलता के रूप में देखा जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। क्योंकि सरकार केवल योजना बनाकर ही यह समझ लेती है कि उनका कर्तव्य पूरा हो गया, जबकि यह योजना नीचे तक जाए, यह जिम्मेदारी भी तो शासन की है, लेकिन शासन अभी तक पर्यावरण के मामले में कोई ठोस पहल नहीं कर सका। सरकार के सानिध्य में संचालित होने वाले गैर सरकारी संगठन भी पर्यावरण संरक्षण के अभियानों को अपनी आय का माध्यम मानकर ही कार्य करते हैं। इन संस्थाओं का कार्य कागजों पर सफलता दशार्ने वाला होता है, लेकिन धरातल पर उसकी परिणति वैसी नहीं होती जैसी दिखाई जाती है। पर्यावरण का अभियान केवल फोटो खिचाने तक ही सीमित होता जा रहा है। आज पर्यावरण के कारण जल के अभाव में वसुंधरा सूख रही है। पेड़ आत्महत्या कर रहे हैं। नदियां समाप्ति की ओर हैं। कुएं, बाबड़ी रीत गए हैं। यह एक ऐसा भयानक संकट है, जिसको हम जानते हुए भी अनदेखा कर रहे हैं। अगर इसी प्रकार से चलता रहा तो आने वाला समय कितना त्रासद होगा, इसकी अभी मात्र कल्पना ही की जा सकती है, लेकिन जब यह समय सामने होगा, तब हमारे हाथ में कुछ भी नहीं होगा। यह सभी जानते हैं कि प्रकृति ही जीवन है, प्रकृति के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। जब हम प्रकृति कहते हैं तो स्वाभाविक रूप मानव यही सोचता है कि पेड़ पौधों की बात हो रही है, लेकिन इसका आशय इतना मात्र नहीं, बहुत व्यापक है। प्रकृति में जितने तत्व हैं, वे सभी तत्व हमारे जीवन का आवश्यक

अंग हैं। चाहे वह श्वांस हो, जल हो, या फिर खाद्य पदार्थ ही हों। सब प्रकृति की ही देन हैं। विचार कीजिए जब यह सब नहीं मिलेगा, तब हमारा जीवन कैसा होगा? देश में अनेक संस्थाओं द्वारा पौधरोपण के कार्य भी किए जाते हैं। विसंगति यह है कि पौधरोपण करने के बाद उन पौधों का क्या होता है। यह सब देखने का समय हमारे पास नहीं है। पौधों के लिए जल ही जीवन है और पौधा भी एक जीवित वनस्पति है। अगर किसी पौधे का जीवन जन्म के समय ही समाप्ति होने की ओर अग्रसर होता है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जा सकता है कि ऐसा करके हम निश्चित ही एक जीवन की हत्या ही कर रहे हैं। भारतीय संस्कृति में हत्या के परिणाम क्या होते हैं, इसे बताने की आवश्यकता नहीं हैं, लेकिन यह सत्य है कि जिस पेड़ की असमय मौत होती है, उसकी आत्मा कराह रही होती है। हम अगर पेड़ या पौधे में जीवन का अध्ययन करें तो हमें स्वाभाविक रूप से यह ज्ञात हो जाता है कि जीवित वनस्पति जब मौत की ओर जाती है, तब उसकी क्या स्थिति होती होगी। अब जरा अपने शरीर का ही विचार कर लीजिए, उसे भोजन नहीं मिलेगा, तब शरीर का क्या हाल होगा। वर्तमान में हम सब पर्यावरण प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं। यह सब प्रकृति के साथ किए जा रहे खिलवाड़ का ही परिणाम है। हम सभी केवल इस चिंता में व्यस्त हैं कि पेड़-पौधों के नष्ट करने से प्रदूषण बढ़ रहा है, लेकिन क्या हमने कभी इस बात का चिंतन किया है कि हम प्रकृति संरक्षण के लिए क्या कर रहे हैं। क्या हम प्रकृति से जीवन रूपी सांस को ग्रहण नहीं करते? क्या हम शुद्ध वातावरण नहीं चाहते? तो फिर क्यों दूसरों की कमियां देखने में ही व्यस्त हैं। हम स्वयं पहल क्यों नहीं करते? आज प्रकृति कठोर चेतावनी दे रही है। बिगड़ते पर्यावरण के कारण हमारे समक्ष महामारियों की अधिकता होती जा रही हैं। अगर हम इस चेतावनी को समय रहते नहीं समझे तो आने वाला समय कितना विनाशकारी होगा, कल्पना कर सकते हैं। वर्तमान में स्थिति यह है कि हम पर्यावरण को बचाने के लिए बातों से चिंता व्यक्त करते हैं। सवाल यह है कि इस प्रकार की चिंता करने समाज ने अपने जीवन काल में कितने पौधे लगाए और कितनों का संवर्धन किया। अगर यह नहीं किया तो यह बहुत ही चिंता का विषय इसलिए भी है कि जो व्यक्ति पर्यावरण के प्रभाव और दुष्प्रभावों से भली भांति परिचित है, वही निष्क्रिय है तो फिर सामान्य व्यक्ति के क्या कहने। ऐसे व्यक्ति यह भी अच्छी तरह से जानते हैं कि पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है। यह संबंध आज टूटते दिखाई दे रहे हैं। प्राण वायु ऑक्सीजन भी दूषित होती जा रही है। वह तो भला हो कि ईश्वर के अंश के रूप में में भारत भूमि पर पैदा हुआ हमारे इस शरीर में ऐसा श्वसन तंत्र विद्यमान है, जो वातावरण से केवल शुद्ध ऑक्सीजन ग्रहण करता है, लेकिन सवाल यह है कि जिस प्रकार से देश में जनसंख्या बढ़ रही है, उसके अनुपात में पेड़-पौधों की संख्या बहुत कम है। इतना ही नहीं लगातार और कम होती जा रही है। जो भविष्य के लिए खतरे की घंटी है। आज के समाज की मानसिकता का सबसे बड़ा दोष यही है कि अपनी जिम्मेदारियों को भूल गया है। अपने संस्कारों को भूल गया है। किसी भी प्रकार की विसंगति को दूर करने के लिए समाज की ओर से पहल नहीं की जाती। वह हर समस्या के लिए शासन और प्रशासन को ही जिम्मेदार ठहराता है। हालांकि शासन भी जिम्मेदार है लेकिन शासन के बनाए नियमों का पालन करने की जिम्मेदारी हमारी है। शासन और प्रशासन में बैठे व्यक्ति भी समाज के हिस्सा ही है। इसलिए समाज के नाते पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सबकी है। पौधों को पेड़ बनाने की दिशा में हम भी सोच सकते हैं। प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए हम कपड़े के थैले का उपयोग कर सकते हैं। अभी ज्यादा संकट नहीं आया है, इसलिए क्यों नहीं हम आज से ही एक अच्छे नागरिक होने का प्रमाण प्रस्तुत करें। क्योंकि दुनिया में कोई भी कार्य असंभव नहीं है। यहां स्मरण करने वाली बात यह भी है कि कोरोना संक्रमण के चलते हमारी जीवन चर्या में बहुत बड़ा परिवर्तन आया है। जिसमें हर व्यक्ति को अपने जीवन के लिए प्रकृति का महत्व भी समझ में आया, लेकिन सवाल यह है कि क्या इस परिवर्तन के अनुसार हम अपने जीवन को ढाल पाएं हैं? यकीनन नहीं। वर्तमान में हमारा स्वभाव बन चुका है कि हम अच्छी बातों को ग्रहण करने के लिए प्रवृत्त नहीं होते। जीवन की भी अपनी प्रकृति और प्रवृति होती है। इसी कारण कहा जा सकता है कि जो व्यक्ति प्रकृति के अनुसार जीवनयापन नहीं करता, उसका प्रकृति कभी साथ नहीं देती। हमें घटनाओं के माध्यम से जो संदेश मिलता है, उसे जीवन का अहम हिस्सा बनाना होगा, तभी हम कह सकते हैं कि हमारा जीवन प्राकृतिक है।

लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

टोल नाकों पर पांच प्रतिशत टैक्स बढ़ोतरी

केंद्र सरकार को वैसे भी इस वित्त वर्ष में अपने निर्धारित लक्ष्य से अधिक टोल टैक्स मिलना था, फिर भी पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी बहुत आश्चर्य में डालनेवाली है। देश का आम नागरिक जिसने चार पहिए का वाहन खरीद लिया है और कई बार मजबूरी में एक या दो लोगों को लेकर सफर करने के लिए विवश है, उसकी जेब टोल टैक्स के नाम पर खाली करवाना कहां तक उचित कहलाएगा? अब यदि 400 किलोमीटर की यात्रा तय करने के लिए 700 रुपये से भी अधिक देना पड़े, जिसमें कि नई व्यवस्था में 5 प्रतिशत बढ़ाते हुए अतिरिक्त रुपये और देना होंगे, तब जरूर विचार करें कि केंद्र सरकार की इस बढ़ोतरी पर प्रश्न क्यों नहीं खड़े किए जाएं ? वास्तव में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने 04 जून से देशभर में टोल दरों में औसतन 5 फीसदी बढ़ोतरी की घोषणा कर सभी को चौकाया है। जिसमें कि कहा जा रहा है कि संशोधित दरें पहले 01 अप्रैल से प्रभावी होने वाली थीं, किंतु लोकसभा चुनाव के कारण इन्हें टाल दिया गया। अब प्रश्न भी है कि क्यों टाला गया ? क्या इसलिए टाला गया क्योंकि सातवें और अंतिम फेज में उत्तर प्रदेश की हाई प्रोफाइल सीट वाराणसी पर भी वोटिंग होना थी, जहां से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीसरी बार चुनाव लड़ा है? या फिर इसलिए क्योंकि देश के 8 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश की 57 सीटों पर एक जून को मतदान होना था, यदि यह टोल टैक्स पहले से घोषित कर देते तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संगठन भाजपा को हो सकता है चुनाव मतदान में बड़ा नुकसान उठाना पड़ता ! क्योंकि चुनाव यहां किसी एक राज्य में नहीं हो रहे थे, बल्कि उत्तर प्रदेश की 13, पंजाब की सभी 13, बिहार की 8, हिमाचल प्रदेश की 4, झारखंड की 3, पश्चिम बंगाल की 9 और ओडिशा की 6 सीटों पर वोट डाले जाने थे। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को लगता होगा कि यदि फिर भी भाजपा सत्ता में आ गई तो उनकी बुरी गत कर देगी। इसलिए अभी रुपये न बढ़ाकर चुनाव बाद इसे लागू करेंगे। अधिकारियों को यह क्यों नहीं लगा कि हर कोई एक बड़ी रकम टोल की चुकाने में सक्षम नहीं होता है। वैसे भी अनेक प्रकार के टैक्स सरकार ने पहले ही लगा रखे हैं। जीएसटी के कारण पूर्व से ही सरकार की झोली लगातार रिकार्ड धनराशि के साथ बढ़ रही है। फिर टोल पर टैक्स बढ़ाने की जरूरत क्या थी? जीएसटी के नाम से एक कर की बात करनेवाली केंद्र की सरकार अभी तक तेल कीमतों पर इसे लागू नहीं कर सकी है? टोल पर राहत नहीं तो पेट्रोल में ही सरकार राहत दे देती! अगर पेट्रोलियम पदार्थों को जीएसटी के दायरे में लाया जाता है, तो फिर पेट्रोल-डीजल के दाम मौजूदा कीमत से काफी कम हो जाएंगे । उदाहरण के तौर पर आप समझ सकते हैं कि यदि दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल भरवाने के लिए 94.72 रुपये खर्च करने पड़ रहे हैं तो इसमें 35 रुपये के करीब टैक्स है, जिसमें लगभग 20 रुपये केंद्र सरकार को और 15 रुपये राज्य सरकार के पास जाते हैं। यहां केंद्र को एक्साइज ड्यूटी के जरिए कमाई होती है तो वहीं, राज्य सरकारें अपने-अपने हिसाब से वैट लगाकर कमाई करती हैं । इसलिए प्रत्येक राज्य में तेल कीमतें अलग हैं । वर्तमान में पेट्रोल और डीजल पर सरकारें 60 फीसदी से भी ज्यादा टैक्स वसूल रही हैं। ऐसे में अगर पेट्रोल-डीजल को जीएसटी के दायरे में लाया जाता है, तो सरकार अधिकतम 28 फीसदी की दर से ही टैक्स लगा पाएगी, जिसका परिणाम यह होगा कि पेट्रोल-डीजल के दाम एक दम से घट जाएंगे। दिल्ली में एक्साइज ड्यूटी और वैट को मिलाकर जो 1 लीटर पेट्रोल 94.72 रुपये का मिल रहा है जब उस पर सिर्फ 28 फीसदी जीएसटी लगाया जाएगा, तो उसकी कीमत 70 रुपये के करीब आ जाएगी। इसी तरह से डीजल की कीमत भी कम होगी। यदि केंद्र की सरकार को और अधिक रुपयों की टैक्स कलेक्शन की आवश्यकता है तो वह इसके अलावा भूमि, शराब, उत्खनन जैसे अन्य कई क्षेत्र हैं, जहां राज्य अपने मनमुताबिक वसूली करते हैं। उनकी भी डारेक्ट वसूली करना आरंभ कर दे। किंतु वास्तविकता यही है कि केंद्र में कोई भी सरकार रहे, वह ऐसा कभी नहीं कर सकती, अन्यथा लोकतंत्र में जो केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बंटवारा और परस्पर का समन्वय है, वह आपस में टकराकर समाप्त हो जाएगा। सच यही है कि दोनों की अपनी-अपनी जरूरतें हैं और राजनेताओं एवं उनकी पार्टी के अपने हित, जिसके चलते वह ऐसा कभी नहीं करेगी । लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि जहां मनमर्जी होगी केंद्र सरकार इस तरह से टैक्स पर बढ़ोतरी करती रहेगी। कहना होगा कि केंद्र की सरकार ने एक झटके में हर दिन करोड़ों की कमाई की जुगत टोल नाकों के माध्यम से कर ली है। जोकि वास्तविकता में कहीं से भी न्याय संगत नहीं लगती । आज यह भी एक बड़ा प्रश्न है, जब देश में 80 करोड़ जनता को अनाज योजना से फ्री में राशन बांटा जा रहा है, या इसी प्रकार की अन्य तमाम योजनाएं फ्री की देश में संचालित हैं, क्या कभी वास्तविकता में सर्वे होता है कि वह जिसे इन योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है, वह इनका लाभ लेने के लिए वास्तविक हकदार है? या फिर जो चार पहिए का वाहन खरीदकर चला रहा हैं, जोकि आपका टैक्सपेयर है, उसी की बार-बार सरकार पूरी तरह से जेब खाली करवाने पर भरोसा करती है? वैसे भी फास्टटैग को अपनाने में वृद्धि, स्वस्थ यातायात वृद्धि और टोलिंग सड़कों में वृद्धि से समर्थित, वित्त वर्ष 24 में 64,800 करोड़ (रू23: 48,000 करोड़) तक राजस्व वृद्धि में सहायता केंद्र की सरकार को मिली है, जो सरकार के ?55,000 करोड़ के लक्ष्य को पार कर चुकी है । इसमें कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025 में राजस्व 70,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। फिर यह निर्णय लेना निश्चित ही समझ के परे है। अच्छा तो यही होगा कि सरकार इस निर्णय को वापस ले ।

Social Media Corner

सच के हक में...

आज विश्व पर्यावरण दिवस पर मुझे एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू कर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। मैं देशवासियों के साथ ही दुनियाभर के लोगों से आग्रह करता हूं कि वे अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर एक पेड़ जरूर लगाएं। ये आपकी तरफ से उन्हें एक अनमोल उपहार होगा।

(नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री @VijayKrSinhaBih जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आप हमेशा स्वस्थ व ऊर्जान्वित रहकर जनसेवा के कार्यों में यूं ही संलग्न रहें, यह कामना है।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

झारखंड से विजयी दोनों महिला सांसद, आदरणीय बड़ी बहन श्रीमती जोबा मांझी जी और श्रीमती अन्नपूर्णा देवी जी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। मुझे अत्यंत खुशी है कि आप दोनों लोकसभा में झारखण्ड की आधी आबादी की सशक्त आवाज बन हमारे मुद्दों को देश के पटल पर रखेंगी और उनका स्थायी समाधान ढूंढेंगी। आप दोनों को जोहार।

(पूर्व सीएम हेमंत सोरेन का 'एक्स' पर पोस्ट)

एनडीए की बनेगी सरकार, विपक्ष भी खुश

एग्जिट पोल एक बार फिर धराशायी हो गए पर ईवीएम जीत गई। लोकसभा चुनाव में एनडीए के 300 सीटें पार न करने पर इंडी गठबंधन बहुत खुश है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एनडीए की सीटें बहुत कम होने पर खुश होकर कहा कि लोकतंत्र जीत गया। विपक्ष गठबंधन भी अपने दावे के मुताबिक 295 तक का आंकड़ा नहीं छू पाया। अगर देखा जाए तो विपक्षी गठबंधन भाजपा को अकेले मिली 242 सीटों तक मिलकर नहीं पहुंच पाया। दक्षिण में भी एनडीए सबसे बड़े गठबंधन के रूप में उभरा है। पिछले दो आम चुनाव में पूर्ण बहुत पाने वाली भारतीय जनता पार्टी को उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में करारा झटका लगा है। 370 पार का नारा देने वाली 242 तक ही रह गई। उत्तर प्रदेश में 2014 में 73 और 2019 में 64 सीटें जीतन वाला एनडीए इस बार केवल 36 पर सिमटता दिख रहा है। सपा और कांग्रेस 80 में से 18 सीटें जीत चुके हैं जबकि 26 सीटों पर निर्णायक बढ़त बनाए हुए हैं। मध्य प्रदेश, दिल्ली, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल, असम, जम्मू-कश्मीर में भाजपा ने अपनी जीत को बरकरार रखा। मध्य प्रदेश में भाजपा ने सभी 29 सीटों पर जीत हासिल की है। दिल्ली की सात, उत्तराखंड की पांच और हिमाचल की चार सीटों पर भी भाजपा ने लगातार तीसरी बार जीत हासिल की है। ओडिशा में भाजपा ने पहली बार 21 में से 19 सीटें जीती हैं। आंध्र प्रदेश और ओडिशा के विधानसभा चुनावों में भी एनडीए ने परचम फहराया है। ओडिशा विधानसभा की 147 सीटों में भाजपा 80 सीट जीत रही है। आंध्र प्रदेश में 16 लोकसभा सीटें जीतने के साथ तेलुगु देशम पार्टी विधानसभा में 130 से ज्यादा सीटें जीत रही है। अब इन दो राज्यों में एनडीए की सरकार होगी। बिहार ने भाजपा ने जदयू के साथ मिलकर विपक्ष के सभी दावों को धराशायी कर दिया है। विपक्ष इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की व्यक्तिगत हार बता रहा है। दस वर्ष केंद्र में मजबूती से सरकार चलाने वाले मोदी के नेतृत्व में एनडीए तीसरी बार सरकार बनाने की तैयारी में हैं। देखा जाए तो दस वर्ष की सरकार के बाद तीसरी बार सरकार बनाने का मौका पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के बाद अब मोदी को मिलेगा। भारतीय राजनीति के इतिहास में मोदी की यह बड़ी जीत है, क्योंकि तीन दर्जन से ज्यादा विपक्षी दल मिलकर चुनाव लड़ने के बावजूद एनडीए को सत्ता से बाहर नहीं कर पाए। हां इतना जरूर है कि पिछले चुनाव में 55 सीटें जीतने वाली कांग्रेस इस बार 100 तक पहुंच गई है। भाजपा ने इस बार 112 सीटों पर दूसरों दलों से आए नेताओं को उम्मीदवार बनाया था। इस बार जनता ने दलबदलू नेताओं को नकार दिया है। भाजपा में आए कई दलबदलू नेताओं को जनता ने चुनाव में हरा दिया है। चुनाव से पहले एक दर्जन से ज्यादा कांग्रेस नेता भाजपा में शामिल हुए थे। इनमें से कुछ नेता ही चुनाव जीत पाए हैं। हरियाणा में भाजपा को पांच सीटों का नुकसान हुआ है। हरियाणा में सरकार में नेतृत्व परिवर्तन के कारण उपजी नाराजगी का भाजपा को भारी नुकसान हुआ है। 2019 में सभी दस सीटें जीतने वाली भाजपा हरियाणा में इस बार पांच सीट ही जीत पाई। इसी तरह राजस्थान में पिछले चुनाव में 25 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार 14 सीट ही जीत पाई है। सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को उत्तर प्रदेश में हुआ है। इसकी एक बड़ी वजह भाजपा कार्यकर्ताओं की नाराजगी मानी जा रही है। एक कहा जा रहा है कि योगी सरकार के प्रशासन-पुलिस की भूमिका के कारण जनता में नाराजगी बढ़ रही थी। भाजपा नेताओं की जनता से दूरी बढ़ने के कारण इस बार लोकसभा सीटें बहुत कम हो गईं। उत्तर प्रदेश में जनता ने मोदी सरकार के कई मंत्रियों को हरा दिया है।

सिर्फ चिंता जताने से नहीं कम होगा पर्यावरण प्रदूषण

पर्यावरण प्रदूषण वर्तमान समय में सबसे बड़ी वैश्विक समस्या है। तीन दशकों से महसूस किया जा रहा है कि वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी समस्या पर्यावरण से ही जुड़ी है। मानवीय क्रियाकलापों के कारण प्रकृति में लगातार बढ़ते दखल के कारण पृथ्वी पर बहुत से प्राकृतिक संसाधनों का विनाश हुआ है। आधुनिक जीवनशैली, पृथ्वी पर पेड़-पौधों की कमी, पर्यावरण प्रदूषण का विकराल रूप, मानव द्वारा प्रकृति का बेदर्दी से दोहन इत्यादि कारणों से मानव और प्रकृति के बीच असंतुलन की भयावह खाई उत्पन्न हो रही है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषित वातावरण के बढ़ते खतरे हम अब लगातार अनुभव कर रहे हैं। इसीलिए पर्यावरण की सुरक्षा तथा संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 05 जून को पूरी दुनिया में 'विश्व पर्यावरण दिवस' मनाया जाता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा तथा संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी) द्वारा 16 जून 1972 को स्टॉकहोम में पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक और सामाजिक जागृति लाने के लिए यह दिवस मनाने की घोषणा की गई थी और पहला विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 1974 को मनाया गया था। पर्यावरण की रक्षा और प्रकृति के उचित दोहन को लेकर हालांकि यूरोप, अमेरिका तथा अफ्रीकी देशों में 1910 के दशक से ही समझौतों की शुरूआत हो गई थी, किन्तु बीते कुछ दशकों में दुनिया के कई देशों ने इसे लेकर क्योटो प्रोटोकाल, मांट्रियल प्रोटोकाल, रियो सम्मलेन जैसे कई बहुराष्ट्रीय समझौते किए हैं। अधिकांश देशों की सरकारें पर्यावरण को लेकर चिंतित तो दिखती हैं लेकिन पर्यावरण की चिंता के बीच कुछ देश अपने हितों को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण की नीतियों में बदलाव करते रहे हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Trump's conviction thickens the plot

THE United States appeared even more divided following the conviction of former President and current presidential candidate Donald Trump on 34 counts of falsifying business records. By itself, the case was a minor one, but the Trump team's decision to contest it in the manner it did — by deriding the process, attacking the prosecutors and even the judge — made it toxic.Trump will now appeal, but this will take months, if not years, to be processed. If he loses and the case is overturned later, it will confirm the views of his supporters that the US judicial system is broken. On the other hand, if he wins despite everything, it will reveal just what a bad state that system is in.

Trump has trashed the judicial process and said "we're living in a fascist state." The trial of "a very innocent man", as Trump described himself, is being described as a sham and he is being characterised as a 'political prisoner'. His party has warned that the US is entering a phase where all its opponents could also find themselves facing indictments when the opportunity arises.

The verdict has introduced a volatile and dramatic element into what was indeed a strange race between two candidates who have not been particularly popular among the voters. In old America, a conviction of a candidate would have put paid to his or her chances. But this is Trump's America and things are panning out differently. The verdict has actually strengthened the Republican Party support for him, manifested by the $52.8 million or so his campaign received immediately after the verdict.

The Democrats are celebrating the conviction of the man who is their opponent and currently the frontrunner. President Biden has been careful in commenting on the issue, but he has defended the judicial system and declared it is "reckless… dangerous and irresponsible" for anyone to question the verdict because they don't like it.

This was no sham trial, even if the issues were somewhat trivial. The evidence presented established the crimes committed and also gave us a glimpse of the sleazy world Trump lives in. Whatever his supporters may say, he was judged by a jury of his peers who unanimously and fairly quickly convicted him on all 34 counts. And this is only one of the charges he confronts; there are three more serious ones. But in the minds of the Republicans, the cases are an outcome of "weaponising of the judicial system".

Two of the cases relate to his role in subverting the 2020 elections and the third says that he deliberately withheld classified documents after he left the White House. The New York verdict showed that while a part of the US legal system is still working, the partisanship of the other parts, including the US Supreme Court, has ensured that the other cases will not be tried before the elections. The only 'court' that matters now is the polling booth.Trump has a fanatical voter base, which has been galvanised by the verdict, but it alone cannot win him the election. He needs the support of people who are less fervent and could be possibly put off by the conviction. Indeed, the trial itself has underlined Trump's weakness — his erratic behaviour, his scandals and vulgarity.

A YouGov poll conducted immediately after the verdict found that while 27 per cent said they were less likely to vote for Trump, 26 per cent said they were more likely to do so, while 39 per cent said the verdict would not affect the way they voted. However, the manner in which the election is shaping up, even small shifts in support could make a difference.These are grim signs of the depth of decay of the US political system, which is totally divided. With one half of the country not willing to tolerate the views of the other, we may well see a large number of Americans vote for third parties, or even stay away from the polls.

It should be clear by now that Trump is totally unfit for office. Yet, if he is re-elected, there will be enormous consequences, not just for his country, but also the world, and, of course, India. With the world being buffeted by the wars in Ukraine and Gaza and in danger of one in Taiwan, the leadership role of the US is very significant. For India, which confronts China, the American partnership is important for our security.Under President Biden, the US has enormously strengthened its Indo-Pacific posture by firming up alliances not only with South Korea and Japan

Congress' failure to unite INDIA will cost it dear

The INDIA bloc's failure to work out a tripartite alliance in Bengal was baffling. Mamata had asked the Congress to share its quota of seats with the Left parties, but the move was shelved.

THERE are many political lessons to be learnt by both the victor and the vanquished. It is often said, not without reason, that whatever you say or write about India, the opposite can be equally true. Going by the gist of the exit polls (the actual numbers may vary), the Narendra Modi-led NDA and a rainbow INDIA bloc will likely have reasons to respectively, celebrate and repent.

INDIA did its mathematics well, bringing in an element of chemistry too, but it failed to stitch up alliances on the eastern coast. The BJP — having barely 1 per cent of the vote share in Andhra Pradesh in the 2019 Lok Sabha elections — did well to rope in the Telugu Desam Party (TDP) and the Jana Sena Party (JSP). On the other hand, INDIA remained 'friendless', even though Jagan Mohan Reddy had belonged to the Congress parivar of yesteryear.A quick recap of the Congress-Jagan parting is in order. Jagan's father, YS Rajasekhara Reddy, was a devout Congress leader and a Gandhi family favourite since the time of Rajiv Gandhi. When he died in an air crash, the majority of the Congress MLAs in the then undivided Andhra wanted son Jagan (a Lok Sabha MP then) to take over as the Chief Minister. This would have been a democratic move, but the Congress leadership — known to complicate simple things — crowned K Rosaiah as CM. Rahul Gandhi, who was the All India Congress Committee (AICC) general secretary then, reportedly took a stand against dynasty, pointing out how the son of an incumbent CM taking his place would set a wrong precedent.In September 2009, the Congress was in power in over a dozen states. Earlier this year, instead of going in for conciliation or overtures, the Congress leadership propped up Jagan's sister Sharmila as the state party chief. As per exit polls, the Congress is getting 2 per cent of the vote share, just enough to down or demolish Jagan and get the TDP-JSP-BJP the bulk of the Lok Sabha seats.

In neighbouring Odisha, a similar story (no seats) is possibly in store for INDIA — with the BJP walking away with the majority of the Lok Sabha seats. The collapse of the Biju Janata Dal (BJD) in the state may or may not happen, but the INDIA grouping's failure to bring the BJD on its side remains glaring. In fact, when Nitish Kumar was part of INDIA, he went to Bhubaneswar to initiate talks, but there was no follow-up. Even more shocking was INDIA's silence when PM Modi brought up Naveen Patnaik's illness and the need for an investigation while addressing a public meeting. Modi's comment was seen as politically incorrect.

f Chief Minister Mamata Banerjee fails to hold on to the Bengal bastion in the Lok Sabha polls, she will have reasons to blame herself. But the INDIA bloc's failure to work out a tripartite alliance in Bengal was baffling. Mamata had asked the Congress to share its quota of seats with the Left parties, but the move was shelved. In December last year, Mamata took the lead in pushing for Congress president Mallikarjun Kharge's name as INDIA's prime ministerial candidate. She was backed by Delhi CM and AAP leader Arvind Kejriwal, but the Congress downplayed the matter. Kharge said: "Let's win first, the PM face will be discussed later."

The Mamata-Congress confrontation is even more surprising in view of the Trinamool Congress (TMC) leader's emotional bond with Sonia Gandhi. It is said that when Mamata formed the TMC in 1998, protesting against then AICC chief Sitaram Kesri, Sonia was extremely upset.Old-timers recalled how during the period between the 1997 Christmas and New Year Eve, Sonia had stayed up at night to bring about a rapprochement between a haughty Kesri and a rebellious Mamata. On one occasion, an agitated Mamata was given an audience at 10, Janpath by Sonia, even though the latter had retired for the day.

Subsequently, the ties between Mamata and Sonia showed that both may be politicians but not calculating ones. This was evident in 1999, when Sonia publicly expressed her emotions during Mamata's induction into the NDA regime headed by then PM Atal Bihari Vajpayee.

In what was obviously a spur-of-the-moment gesture, Mamata strode straight towards Sonia, seated in the front row in the forecourt of the Rashtrapati Bhavan, after being sworn in. The two hugged each other tightly as a startled Vajpayee, LK Advani, Pramod Mahajan, Sharad Pawar and others looked on. And then Sonia did her own spontaneous bit. "Congratulations," she said, "but will you come back?"

Both realised that the invitation was only a gesture, an impulse of the moment. But a moist-eyed Mamata gently turned away. Perhaps Sonia was not expecting her to respond.In the NDA, Mamata repaid Sonia's gesture by blocking a proposed legislation that was aimed at barring persons of foreign origin from holding high offices. The proposal was made in one of the first Cabinet meetings convened by Vajpayee after the 1999 General Election.

It is, therefore, surprising that Sonia did not take the lead in wooing Mamata and working out tripartite seat-sharing in Bengal that would have given a boost to the Opposition.A master tactician, Modi made fewer mistakes. However, his move to bench and control regional satraps in Rajasthan and elsewhere has shown chinks in the BJP's armour. Similarly, the politics of vendetta, arrests and intimidation resulted in some parties joining INDIA, even though they owed their genesis to anti-Congressism or had revolted against the parent organisation.

Mixed bag for BJP

Wins big in Arunachal, flops in Sikkim

THE BJP-led Centre's sustained infrastructure push in Arunachal Pradesh has helped the party sweep the Assembly elections and retain power in the border state. The BJP won 46 seats in the 60-member House. The Congress, with just one seat, was relegated to an abysmal fifth position. The projects launched or completed in Arunachal in recent years are part of a long-term plan to counter China's aggressive strategy to develop villages along the Line of Actual Control. In March, PM Modi had dedicated the Sela tunnel to the nation. This border infrastructure project, which connects Guwahati to the strategic Tawang sector round the year, is aimed at facilitating faster movement of troops. It was Tawang's Yangtse region where Indian and Chinese soldiers clashed in December 2022.

However, the saffron party, which has been making rapid strides in the North-East, was routed in the Sikkim Assembly polls. The BJP failed to win any seat, even though it had 12 members in the outgoing House.

The party had drawn a blank in the 2019 Assembly elections as well, but it had poached 10 MLAs of the Sikkim Democratic Front and won two bypolls in alliance with the ruling Sikkim Krantikari Morcha (SKM). Its decision to part ways with the SKM and go solo cost it dear. Like in Arunachal, the Congress was unable to open its account in Sikkim. The grand old party has been helplessly seeing its fortunes plummet in northeastern states.

The BJP and its allies are expected to win the majority of the Lok Sabha seats in these states, according to exit polls. The outcome in Manipur, a BJP-ruled state that has been in the throes of ethnic violence for the past year, will be keenly watched. It remains to be seen if the 'double-engine' government's gross mishandling of the crisis will prove to be the all-important factor in the results.

Troubled times ahead for the new govt on economic front

The middle class is having to deal with a much higher rate of price rise than what the official retail inflation numbers suggest

WHOEVER comes to power in New Delhi is going to have to deal with a disgruntled middle class. No, I don't mean that section of the population that doesn't make it to the government's 5 kg of free rice and wheat. I am restricting myself to households that earn at least Rs 1 lakh per month in one of India's big cities. Frankly, below that, you are unlikely to be able to afford much after paying for your children's education, parents' medical bills, rent, electricity and fuel bills, and food.

Estimates suggest that those who fall between the 95th and 96th percentile of income earners make that much money. After that, incomes increase gradually, till you hit the 99.3-99.4th percentile, when your family hits the Rs 2 lakh/month threshold. This gives your family a pretty comfortable life. You can buy clothes from Zara, go to better restaurants, take a home loan and buy a house in a well-maintained, but not too fancy, condominium, buy split ACs and take your family on an occasional holiday to Southeast Asia.Roughly 15 million households in India fall in this category — those who have a household income of Rs 1-2 lakh a month. These would mostly be salaried professionals and owners of small businesses. A large chunk of them are likely to hold some technical degree, like BTech, MTech or MBA. Their children would also have followed in their footsteps and enrolled themselves for similar professional degrees.Such people have been in trouble for several years now. Their earnings have barely kept pace with rising prices. In many cases, corporate employers have shrunk the ranks of middle management and replaced that with automation or third-party outsourcing. Accountants, HR executives and administration staff have found tough competition from big aggregators, who provide these services to large offices through a combination of software and onsite services. That has not only reduced job opportunities, but also affected pay hikes.Now, the children of these professionals are finding it difficult to get good jobs. The case in point is the placement record of IITs this year. The reply to an RTI application filed by IIT alumnus Dheeraj Singh showed that 38 per cent of IIT graduates hadn't found jobs this year. And some of those who had been placed were being offered justCompanies that had turned up to offer jobs at IIT-Kharagpur were willing to pay justRs 30,000 a month, less than what an Uber auto driver would earn in Delhi-NCR. IIMs — which churn out some of the highest starting pay packages — have had a tough year too. Offers are down 10-15 per cent and median salaries are much lower for even the top-ranked institutes. Anticipating this, IIMs had reached out to their alumni networks to help with placements. Smaller business schools have fared even worse. In many cases, median salaries being offered are betweenRs 40,000 and Rs 50,000, and the top packages haven't crossed Rs 1,50,000.These are the crème de la crème of those graduating from formerly lucrative professional courses. Those who opted for liberal arts training are mostly living at home and continuing to add degrees as they wait for decent job offers. Anecdotal evidence shows that most young people are now reconciled to earning less than their parents did.On the other side, the middle class is having to deal with a much higher rate of price rise than what the official retail inflation numbers suggest. This is because there is a wealth effect at the very top — the top 0.5 per cent of the Indian households, which have done extremely well in the past five years. These extremely affluent people have been able to buy much more than they did before the Covid-19 pandemic, and this is showing up in the increased sales of premium cars and high-end homes.This has had a rub-off effect on the price of goods and services that the upwardly mobile, aspirational middle class wants to buy, at least occasionally. So, all items of discretionary purchase have become more expensive and have gone out of reach of the middle-class consumer.This story doesn't end here. Even among the top 0.5 per cent of the Indians, of roughly 2 million households, half earn less than

Rs 5 lakh a month. Don't get me wrong. That is a lot of money in the context of a country where an overwhelming majority is poor. But, as you climb up the income ladder over a period of two decades, your expenditure patterns change. You begin to upgrade brands — buy the more expensive shower gel and shampoo, switch to artisanal breads and coffee, spend on imported cheeses and organic salad leaves. You fly business class on holidays and stay in better hotels. In fact, your holiday destinations move from Bangkok to Barcelona.Even those who earn this kind of big salaries are now finding it tough to keep up with the Joneses. This is partly because only those in corporate C-Suites are getting hefty bonuses and raises, while those right below them are seeing their pay hikes shrink. So, they see their bosses buy Rs 6-crore apartments in the tonier parts of the metros, while they can no longer afford to keep pace with the sudden jump in the prices of premium homes.

This is going to show up in the next couple of years as anger and frustration. Except for the top one million households and roughly three million people, there is bound to be a sense of despondency among the richest Indians.You might ask why they would matter in a country of 1.4 billion people. That is because they control the public discourse. They chatter at parties and turn up at candlelight marches to protest against unrelated cases of injustice. The media will have to take up their issues to hold on to readers and eyeballs. And suddenly, it will snowball into public discontentment.

The UPA-2 had to deal with such a situation within two years of coming to power. The next government might face the same fate.

Gautam Adani, Mukesh Ambani lose billions after worst market crash in 4 years

NEW DELHI. India's richest businessmen Gautam Adani and Mukesh Ambani, saw a massive decline in their net worth after the market crash on Tuesday.The stock market saw a bloodbath on the day of the Lok Sabha election results after the BJP failed to secure a majority, contrary to what the exit polls had predicted earlier.However, the stock market saw a recovery in early trade on Wednesday with Sensex gaining over 1,000 points and Nifty adding over 500 points.Chairman of the Adani Group, Gautam Adani, saw his net worth plunge by $24.9 billion in a day. His net worth stands at $97.5 billion as of Wednesday, as per the Bloomberg Billionaires Index.Gautam Adani now ranks 15th on the list of the world's richest. He holds the position of India's second-richest person after Mukesh Ambani.Chairman of Reliance Group, Mukesh Ambani, also saw a decline in his net worth, with an $8.99 billion fall. His net worth stands at $106 billion and is ranked 11th on the list of the world's richest.

Bernard Arnault leads the world's richest list with a net worth of $207 billion. Amazon founder Jeff Bezos is second on the list with a net worth of $202 billion.

Gold, silver price : Precious metals record hike on MCX

New Delhi Both gold and silver prices recorded a hike on the Multi Commodity Exchange (MCX) on Wednesday, June 5, 2024.Gold futures, maturing on August 5, 2024, stood at Rs 72,202 per 10 grams on the MCX, after recording a jump of Rs 205 or 0.28 per cent. The previous close was recorded at Rs 71,997.

Meanwhile, silver futures, maturing on July 5, 2024, witnessed a hike of Rs 278 or 0.31 per cent and were retailing at Rs 89,937 per kg on the MCX against the previous close of Rs 89,659.GOLD, SILVER PRICES IN MAJOR CITIESThe gold and silver prices in India depend on several factors, including the value of the rupee against the dollar. Global demand also plays a key role in determining the trends observed in the rate of precious metals.

Reliance Jio's 5G launch plan faces criticism from opposition in Ghana

NEW DELHI. The venture of Reliance Jio, India's largest telecom service provider in Ghana, faces opposition from country's parliamentary minority, which has accused the administration of rushing into a "sweetheart deal."As per a report, the National Democratic Congress (NDC), in a statement, said Ghanaian government's plan to launch a 5G network using a company partnering with the Mukesh Ambani-led company is a bad deal for the debt-ridden nation, which needs funds for critical development projects In May 2024, Ghana signed deals with a Jio subsidiary, Tech Mahindra and other vendors to build 4G and 5G infra as the African country aims to enhance its telecom capabilities.Ghana's state-backed Next-Gen Infrastructure Company (NGIC) has partnered with Jio's arm Radisys, Tech Mahindra and Nokia to build the necessary infrastructure for delivering affordable 5G mobile broadband services. The minority caucus said Ghana could have generated between $400 million and $500 million upfront if the government had opted for a formal bidding process."The NDC caucus in Parliament holds view that at a time that the country is in dire need of forex and non-tax revenue, it is unconscionable that the government will hand over the precious and highly sought-after 5G spectrum of the country to a shell company for a pittance," the caucus said in the statement.The government has set an ambitious target to digitally connect the country over next six years. It has a population of just over 33 million, and three main operators: MTN Ghana, Telecel Ghana and AT, which changed its name from AirtelTigo last year after Bharti Airtel Ltd. and Millicom International Cellular SA sold their stakes.

Railway stocks take a hit! Shares plunge up to 33% in just 2 days on narrow NDA win

NEW DELHI. Railway stocks today: Railway shares have plummeted by up to 33% over the past two days, as the narrow victory of Prime Minister Narendra Modi's alliance has sparked concerns about policy continuity. Shares of Titagarh Rail Systems have plummeted by nearly 33% and Ircon International declined by over 26% in the last two days.RailTel Corporation and IRCTC also saw drops of over 19% in the past two days, while RITES, IRFC, RVNL, Texmaco Rail Systems, and Jupiter Wagons faced declines ranging from 18% to 23%. On Wednesday, railway stocks fell by up to 17%.

The election results showed that the Bharatiya Janata Party (BJP) secured 240 seats, which is below the 272 seats required for a simple majority in the 543-member lower house of parliament. "Despite the reduced majority, we expect the policy agenda of Modi 2.0 (investment-led growth, capex, infrastructure creation, manufacturing, etc.) to continue, although with some tweaks," said Motilal Oswal, a brokerage firm, according to an ET report.Motilal Oswal also commented on the future performance of various sectors, saying, "Sectors with over-heated valuations and recent sharp outperformance, such as Industrials, Railways, Defense, and PSUs, may see more moderation in valuations before they become attractive again from a risk-reward perspective.

Re tanks to record low of 83.53; bond yields up 12 bps

MUMBAI. Debt and money markets followed the drastic decline on Dalal Street after a surprise lower-than-projected numbers for the ruling NDA in this Lok Sabha elections. The rupee tanked near record low of 83.53 against the greenback, down 0.47% from the previous close of 83.14, while the benchmark bond yields jumped 12 bps to 7.06%.The equities were the worst hit, plunging close to 9% intra-day and recouped towards the end t some extent. The Sensex closed 5.74% down and broader Nifty plummeted 5.96% at close as the Narendra Modi-led coalition failed to garner as much seats as it was expected earlier, though the ruling alliance achieved simple majority. This is the worst plunge in over four years for the markets.What led to the market mayhem is that exit poll projections, all of which gave near sweep for Modi going way off the actual voting pattern.

Following the mayhem in the equities market, the rupee dropped to as low as 83.5175 against the greenback, its weakest since May 15, 2024, which was it historic worst, versus the previous close of 83.1425. This is also the worst fall for the rupee in over a year.

Similarly, the benchmark 10-year bond yields rose as much 12 basis points to close 7.06% and ended at 7.0382, following its previous close at 6.9438, making it the biggest daily rise in 8 months for the benchmark bonds as vote-counting trends showed that the BJP would not win a simple majority on its own and that even the NDA alliance would cobble up a narrower majority, much lower than expected.

The yield also witnessed its biggest single-session climb since October 6, 2024. Way below the simple majority, Modi will be at the mercy of his allies even for simple majority in the 543-member house, where the simple floor majority is 273. Having to depend on allies to form the government could introduce some uncertainty in policymaking. The market fears that a thin majority may force the government to undertake more populist measures, which may impact the fiscal consolidation trajectory.

Yellow metal shines

The gold prices jumped Rs 700 for the 22 carat at 66,950 per 10 gram and Rs 760 for the 24 carat at 73,020. In the global markets, spot gold at Comex was trading at $2,335 per ounce, up $15 from the previous close. Gold rose on Tuesday as disappointing US manufacturing data raised hopes that the Federal Reserve will have room to lower borrowing costs this year, said Saumil Gandhi, senior analyst of commodities at HDFC Securities

NDA back, but without '400 paar': Should you hold or sell 'Modi stocks'

New Delhi The Lok Sabha election results have unsettled investors on Dalal Street as the NDA emerged victorious with a tally of less than 300 – a far cry from the '400 paar' slogan.This has unnerved investors on Dalal Street and has brought the focus on 'Modi stocks', which are essentially public sector undertakings (PSUs) that have been beneficiaries over the past decade.Following the weaker-than-expected performance, a bloodbath was observed on Dalal Street on Tuesday, with PSU stocks encountering steep losses.While Sensex and Nifty rebounded sharply on Wednesday, market experts expect conditions to remain volatile in the near term. So, should this volatility be a cue to sell 'Modi stocks'?

Analysts have mixed views. While some expect these stocks to sustain their rally in the long run, others highlighted that they could become vulnerable.

Hold or sell 'Modi stocks'?

Santosh Meena, Head of Research, Swastika Investmart, said the long-term outlook remains bullish, adding that there is a "possibility of short-term profit booking or consolidation".

On the other hand, Emkay Global presents a different perspective for the short term, anticipating even a market derating.The brokerage sees PSUs as one of the most vulnerable sectors, advising caution and suggesting staying away from them for now.

This outlook follows a significant blow to the BSE PSU index, which dropped by 15% on Tuesday as election results began to come in. The sell-off affected various companies, including Rites, RVNL, PNV, Power Finance Corp, Nalco, and IRCTC, all losing over 15%.In recent years, PSUs have seen a remarkable improvement in performance and this has been reflected on the stock markets as well. With this, the BSE PSU Index has surged over 140% in the past five years, delivering multibagger returns.

It may be noted that analysts have advised traders and investors to thoroughly evaluate PSU stocks before investors.Swastika Investmart's Meena said it may be prudent to "exit stocks with low float where earnings do not justify current valuations".However, there are still promising opportunities within certain segments that are likely to continue performing well," added Meena.Meanwhile, foreign brokerage firm CLSA noted that despite the rally in anticipation of election results, investors could face a reality check in the coming weeks.

It expects proit-taking among less patient holders of 'Modi stocks,' similar to what occurred after the last two elections.

Sensex rebounds 1,600 points, Nifty surges; FMCG, auto stocks power rally

New Delhi Benchmark stock market indices surged sharply during intraday trading on Wednesday, with the S&P BSE Sensex and NSE Nifty50 gaining over 2% each.The surge came after the stock markets faced their worst crash in four years on Tuesday as Dalal Street investors were disappointed with the Lok Sabha election results.The Sensex was up 1,651.25 points at 73,730.30 at 11:37 am, while the Nifty50 jumped 508.40 points to trade at 22,392.90.Both the stock indices surged sharply in early trade today. Still, high selling pressure amid volatility dented gains, with experts predicting the possibility of choppy trade in the near term due to the unexpected results.Even the broader market indices rose sharply, with strong gains in Nifty Small- and Mid-cap stocks. This was due to a sharp decline in volatility as indicated by a

28% drop in India VIX.The gains wer primarily driven by a stellar surge in FMCG and auto stocks, while high-weightage banks, financial services and IT sectors also contributed to the gains.The top gainers on the Nifty50 were Hero MotoCorp, HUL, M&M, Tata Consumer Products and Asian Paints.On the other hand, the top losers were L&T, Grasim, BPCL, Power Grid and SBI.Despite the ongoing market rally today, stock market experts have asked investors to remain cautious.

Prashanth Tapse, Senior VP (Research), Mehta Equities Ltd, said, "Markets are expected to remain volatile in the short term, even as the NDA-led BJP is set to form the government for the third time, making history.""Given the known factors, it's advisable to allow some time for the markets to stabilize following the unexpected election outcome," Tapse added.

"Traders and investors should be cautious and consider focusing on defensive and non-government-driven sectors such as FMCG, Telecom, and Pharma stocks."

Jobs market looks set for stability, growth: Experts

Puneet Arora, Managing Partner, Biz Staffing Comrade Pvt Ltd, said the future looks bright for both job seekers and employers.

BENGALURU. Start-ups and the job market expect the new government to provide a more conducive environment and create more employment across the country. Experts said they anticipate a decisive commitment to formalising the country's vast informal workforce.

"The expeditious enactment of labour codes and strategic measures to bridge skills-jobs gap are critical. We expect these actions to catalyze a structured, equitable labour market, ensuring sustainable livelihoods and fortifying the economic framework," said Kartik Narayan, CEO Staffing, TeamLease.

Puneet Arora, Managing Partner, Biz Staffing Comrade Pvt Ltd, said the future looks bright for both job seekers and employers. "The job market has been like a rollercoaster with its ups and downs. But after the recent Lok Sabha election results, there's a lot of talk about the future. With a stable government and a stronger GDP forecast, the job market looks set for stability, maybe even growth," he said.

Recently, talent platform foundit in its report said with a 184% increase compared to the previous year, white-collar gig jobs have experienced a significant growth in March 2024.

As a fintech start-up, Bhuvan Rustagi, co-founder and COO of Per Annum said they are expecting the new government to provide a more conducive environment for start-ups to innovate and expand the reach of financial services to the masses. He feels that a lot more has to be done across all government agencies to ensure that start-ups can safely and freely innovate and create products.

Jaideep Kewalramani, COO & head of Employability Business, TeamLease Edtech, said the new government must make it a priority to capitalize the trifecta of demographic, digital and AI dividend. "Creating policy support to attract investments in R&D to overcome tech debt in these areas will be the first order followed by rejuvenating the higher education ecosystem. Undergraduates and working professionals must be encouraged to acquire work integrated degrees that will improve know-how and industry relevance.

FMCG stocks steal show after results; HUL, Britannia among top gainers

FMCG stocks have defied the market downturn and registered gains when the market is mostly trading in red.a

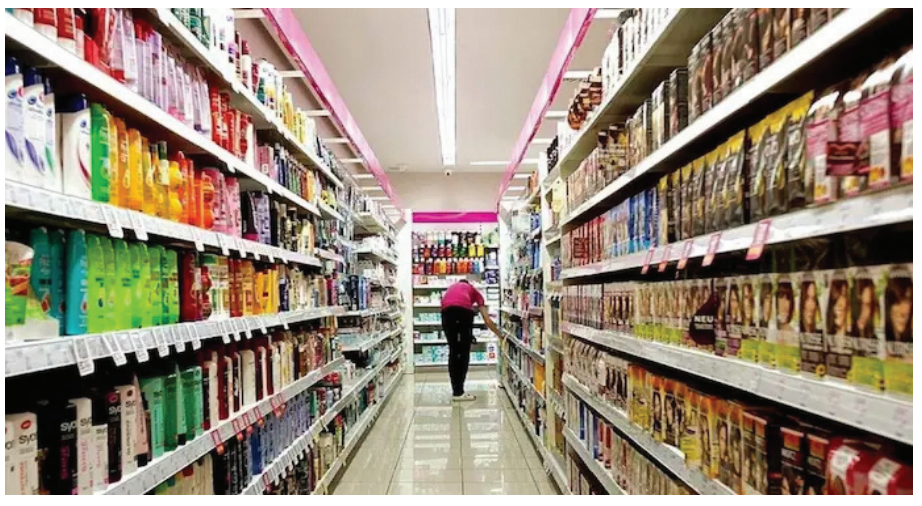

NEW DELHI. The stock market has been volatile with the Sensex and Nifty making some recovery in early trade on Wednesday after having fallen close to 6% a day before.he Lok Sabha election results were different to what was anticipated in the exit polls. It predicted the BJP-led NDA alliance to secure a dominant win, which resulted in a rally a day before the election results.However, the election results were nowhere close to exit poll predictions, which resulted in a market crash, with the Dalal Street seeing its worst day in the past 4 years.The Sensex fell over 6,000 points whereas Nifty lost close to 2,000 points and the volatility index jumped to its 52-week-high.Major stocks such as Adani, Reliance, SBI, NTPC, etc saw huge declines with a significant reduction in their market capitalisation. Investors lost approximately Rs 30 lakh crore on the day as the market saw a bloodbath.

"The market will take some time to absorb the unexpected election results. Stability will return to the market soon but volatility will continue till there is clarity on the cabinet and the key portfolios," said Dr V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services.However, defying the market downturn were FMCG stocks that did not succumb to the market crash.

These included Hindustan Unilver, Britannia, and Tata Consumer.

Hindustan Unilever stocks gained 8.56% on Wednesday, trading at R 2,710.10. Similarly, shares of Britannia were trading at Rs 5,670.15 having gained 6.48%.Nestle India stocks have also gained 4.95% a day after the election results, trading at Rs 2,548. Tata Consumer Products stocks were trading at Rs 1,130.90 with a rise of 4.04%. .A sharp rebound in the market is unlikely in the near term, but sectoral preferences might change. Sectors like FMCG, healthcare and IT will find increasing preferences and the momentum plays will slowdown," said Vijayakumar.He further added tht one positive of the sharp market correction is that the excessive valuations have moderated a bit and this will facilitate institutional buying once clarity emerges on the formation and composition of the cabinet.

"Investors can start nibbling at high quality largecaps in IT, financials, auto and capital goods," he added.

'Remember How BJP Treated You': Sena (UBT)'s Reminder to Naidu, Nitish as Uddhav Decides to Skip INDIA Meet

New Delhi: The Shiv Sena (UBT) on Wednesday asked TDP chief Chandrababu Naidu and JDU's Nitish Kumar to remember how the BJP "treated" them and if they want to join hands with an "autocrat". As things shape up after the Lok Sabha election results, the support of these two leaders is key to the formation of the next NDA government."Chandrababu Naidu should remember how the BJP had treated him. Nitish Kumar should remember what kind of treatment was meted out to him. Not a single penny was given by the BJP to Chandrababu Naidu when he wanted to develop Amravati as the capital. We are hopeful. Everyone should try to form the government. What is the harm? They were speaking of BJP '400 paar'… Now, they speak of NDA. Their language has changed. If needed, Uddhav Thackeray, too, will come to Delhi," said Sena leader Arvind Sawant.Meanwhile, Sena (UBT) chief Uddhav Thackeray has decided to skip the all-important INDIA bloc meeting at the national capital later in the evening. The NDA is also going into a huddle with its allies for government formation talks. The former Maharashtra chief minister has delegated senior leader Sanjay Raut to be the party's representative for the opposition meeting.Raut, who was talking to reporters earlier, said his party will not oppose if Congress leader Rahul Gandhi decides to lead the INDIA bloc government and be the prime ministerial face. The alliance leaders will meet in New Delhi on Wednesday t discuss the further course of action.

He also said Prime Minister Narendra Modi should accept that he has faced moral defeat as his party did not get a majority to form the government and that the Modi brand is now finished. "Chandrababu and Nitish Kumar have to decide whether they want to go with an autocrat and work in a democratic system. I don't think they will go with an autocrat," Raut said. "Modi ji is not forming a government for the third time."

WHAT DOES UDDHAV'S ABSENCE FROM THE INDIA BLOC MEETING MEAN?

Uddhav seems to have reinvented himself as well as his party after severing ties with old ally BJP and throwing his lot with the Congress and NCP. But, is his absence from the INDIA meeting going to be a subtle indicator about where his true political affiliation lies?

Bal Thackeray's Shiv Sena, after all, is a natural as well as the oldest BJP ally due to their core ideology of Hindutva. And now that the son has delivered a competent performance as part of the INDIA bloc, will he consider a different path ahead of the Maharashtra assembly polls?Under his leadership, however, the Sena has transformed from an aggressive party espousing Hindutva into a liberal political outfit wooing Muslims, Dalits and non-Maharashtrians. During his two-and-a-half-year stint in the state's top job, his detractors mocked him as a "work from home" CM, but he succeeded in connecting with the people through Facebook live sessions during Covid.

But, a rebellion by his close aide Eknath Shinde in June 2022 shook Uddhav and his party to the core. He announced his resignation in another Facebook live session without facing a trust vote in the assembly, a decision that drew massive criticism. But, after losing the post, and also the party name and electoral symbol (which were awarded to the Shinde-led faction), Thackeray bounced back, capitalising on a sympathy wave.He emerged as the face of the opposition's Maha Vikas Aghadi (MVA), which also includes the Congress and Sharad Pawar-led NCP. Once criticised for not stepping out of his house in Mumbai's Bandra area, he criss-crossed the state in the run-up to the Lok Sabha elections, and his rallies attracted huge crowds.In the seat-sharing deal with the allies, he had his way and got the largest chunk of 21 out of 48 seats in Maharashtra, and he has now managed to win three of the four seats in Mumbai but lost Raigad, Ratnagiri-Sindhudurg, Thane and Kalyan. In Mumbai, he proved the party cadre was still with him but the same could not be said of the rest of the Konkan region.The MVA on Tuesday won 30 out of the 48 Lok Sabha seats in Maharashtra. The Congress won 13 seats, a quantum jump from the solitary seat it won in the state in 2019, while the Shiv Sena (UBT) won nine and NCP (Sharadchandra Pawar) got eight seats. The BJP and allies got 17 seats.

"It's Clear There Wasn't Any Muslim Vote Bank": Asaduddin Owaisi

Hyderabad: Asaduddin Owaisi, AIMIM chief and candidate from Hyderabad Lok Sabha seat, expressed his openness to supporting a prime inisterial candidate other than Narendra Modi.Mr Owaisi said to ANI, "I cannot talk about ifs, buts, and possibilities. I had said during the elections that if there is a chance that someone else can become the PM instead of Modi, then we will support them."Reflecting on the 2024 election results, Mr Owaisi said that the BJP should not even get this many seats in the 2024 Lok Sabha.

'It's Clear There Wasn't Any Muslim Vote Bank': Asaduddin Owaisi

Asaduddin Owaisi got 6,61,981 votes, defeating BJP's Madhavi Latha who received 3,23,894 votes.Hyderabad: Asaduddin Owaisi, AIMIM chief and candidate from Hyderabad Lok Sabha seat, expressed his openness to supporting a prime ministerial candidate other than Narendra Modi.Mr Owaisi said to ANI, "I cannot talk about ifs, buts, and possibilities. I had said during the elections that if there is a chance that someone else can become the PM instead of Modi, then we will support them."

Reflecting on the 2024 election results, Mr Owaisi said that the BJP should not even get this many seats in the 2024 Lok Sabha.The atmosphere that was there in the country, according to that the BJP should not have got even these number of seats. If we had done the right work they would have just got 150 seats. We could have stopped the BJP from forming the government and even the public wanted this, but were unsuccessful. But, at least we cannt be blamed," said Mr Owaisi."One thing is clear there wasn't any Muslim vote bank in the country and there never will be," he added.

Union Minister Smriti Irani Trails In Amethi, Congress Candidate Leads

New Delhi: Union minister Smriti Irani, who defeated Congress's Rahul Gandhi in his family bastion five years ago, met what many would see as a crushing defeat in one of the key prestige battles in this Lok Sabha election. Mr Gandhi, meanwhile, won a record victory in Raebareli, where he chose to take up his mother Sonia Gandhi's mantle.After the verdict, Ms Irani thanked those who stood by her."Such is life... A decade of my life going from one village to another, building lives, nurturing hope & aspirations, working on infrastructure - roads, naali, khadanja, bypass, medical college and more. To those who stood by me through loss and victory, I am forever grateful. To those celebrating today, congratulations. And to those asking, 'How's the josh?' I say- it's still high, Sir," she wrote on X.

In April, Ms Irani had scoffed at the prospect of facing Rahul Gandhi or his sister, Priyanka Gandhi Vadra, from Amethi, saying "whoever comes will be defeated surely".

But neither of them were her opponent this time. KL Sharma, a Gandhi family loyalist, is a first-time contestant. But he won the battle in Amethi with more than 1.6 lakh votes over Ms Irani – three times her margin over Mr Gandhi in 2019. He has already dedicated the coming victory to the Gandhis.What Mr Sharma has in an in-depth knowledge of both constituencies -- far more than Ms Irani. As the representative of the Gandhi family in the two Uttar Pradesh bastions for decades, Mr Sharma also has a better ground connect with party worke and the people.

Giving her endorsement to the party choice, Priyanka Gandhi Vadra, while campaigning for Mr Sharma in Amethi, had said, "He (Sharma) has been associated with Amethi for the last 40 years. He was associated with my father (Rajiv Gandhi) here. He also worked with my mother (Sonia Gandhi) and my elder brother Rahul Gandhi. He has dedicated his entire life to Amethi".The result in Amethi is expected to vindicate the Congress, which was smarting from the BJP victory of five years ago, when Rahul Gandhi lost to Ms Irani after representing Amethi for three terms.

"Proud To Be Your Sister": Priyanka Gandhi's Post For Rahul After Results

New Delhi: Congress leader Priyanka Gandhi Vadra has put out an emotional post for brother Rahul Gandhi, praising his role in the party's stellar show in this Lok Sabha election and saying that she is a proud sister. The appreciation post comes a day after Mr Gandhi told the media that his sister played a key role in the party's good showing in Uttar Pradesh.

"You kept standing, no matter what they said and did to you...you never backed down whatever the odds, never stopped believing however much they doubted your conviction, you never stopped fighting for the truth despite the overwhelming propaganda of lies they spread, and you never allowed anger and hatred to overcome you, even when they gifted it to you every day. You fought with love, truth and kindness in your heart. Those who could not see you, see you now, but some of us have always seen and known you to be the bravest of all. @RahulGandhi, I am proud to be your sister," Ms Gandhi Vadra said in a post on X.Congress president Mallikarjun Kharge and the Gandhi siblings have led the party to its best Lok Sabha polls performance in a decade. The party won 99 seats this time - a big jump from its 2019 tally of 52. And the INDIA bloc, which the Congress is a part of, defied all exit polls to reach a count of 232, denying a majority to the BJP on its own.

Addressing the media as the results became clear, Congress president Kharge said Mr Gandhi's Bharat Jodo Yatra formed the foundation of the party's campaign.Priyanka Gandhi, on the other hand, played a key role in countering verbal attacks by BJP leaders, including the Prime Minister. She also led the party's campaign in two prestige seats in Uttar Pradesh - Amethi and Raebareli. While the Congress's KL Sharma managed to wrest Amethi, which it lost to BJP's Smriti Irani last time, Mr Gandhi won Raebareli by 3.9 lakh votes.During the press meet yesterday, Mr Gandhi mentioned her sister's role. "In Uttar Pradesh, my sister Priyanka had a big role," he said.

"In NDA, Going For Meeting": Chandrababu Naidu Amid INDIA Buzz

New Delhi: Telugu Desam Party boss N Chandrababu Naidu - who pulled off stunning wins in the Andhra Pradesh Lok Sabha and Assembly elections - underlined his support Wednesday morning for the BJP-led National Democratic Alliance that is expected to form the next union government.Mr Naidu's remark comes amid talk the opposition INDIA bloc, which is only 40 seats shy of majority after a stronger showing than most people predicted, could make a late approach for an alliance.But the incoming Chief Minister, in Delhi today to attend a meeting of NDA partners, appeared unwilling, at least publicly yet, to play ball, and told reporters, "I'm in the NDA and am going for the meeting..."

Senior leaders of the BJP-led coalition will go into a huddle in the national capital today to review election results and discuss the details and minutiae of government formation, sources said.

Sources, though, told NDTV the veteran politician - aware of his importance to the BJP - does have demands of his ally - the Lok Sabha Speaker's seat and a minister's post for every three MPs.Mr Naidu's party swept the Assembly election with 135 of 175 seats and he is set to return as chief minister for a fourth time. More significantly, perhaps the TDP also won 16 of 28 Lok Sabha seats.The TDP's state-level ally - actor-politician Pawan Kalyan's Jana Sena - picked up two Lok Sabha seats and 21 Assembly constituencies. Mr Kalyan will also be part of the meeting in Delhi today.Mr Naidu hailed the historic result and thanked the voters of Andhra Pradesh and lost no time in taking a jab at the outgoing YSR Congress Party, declaring, "In my long political career, I have never seen a government like that in the past five years. We witnessed how they troubled all constitutional systems."

The results mean the TDP (and, to an extent, the Jana Sena) has emerged as a potential kingmaker after the BJP's grand 'abki baar, 400 paar' plans were thwarted by a resurgent opposition, which has slashed the ruling party's advantage in key states, including Bengal, Uttar Pradesh, and MaharashtraThe TDP's 16 Lok Sabha seats are key because the BJP - contrary to exit polls - failed to cross the majority mark of 272, and now requires active backing from NDA partners to form the government, or risk conceding ground to the INDIA bloc despite being the single-largest party.

"Will Decide On PM Candidate": Uddhav Thackeray Ahead Of INDIA Bloc Meet

Mumbai: Former Maharashtra Chief Minister and Shiv Sena (UBT) chief Uddhav Thackeray on Tuesday informed that the Opposition INDIA bloc would decide on its Prime Minister candidate today adding that the alliance was formed to end the dictatorship in the country and save the Constitution.

He also accused the BJP government of harassing Telugu Desam Party (TDP) chief N Chandrababu Naidu, ahead of a scheduled meeting of the INDIA alliance on Wednesday."The day our INDIA alliance was formed, we had decided that we wanted to end the dictatorship in the country and save the Constitution.

We will decide on the PM candidate tomorrow. All patriots and all people who are harassed by them (BJP) will come with us. Chandrababu has also been harassed by the BJP govt," Mr Thackeray said.

His statement comes after the Maharashtra battle saw a tight contest in many seats with BJP facing unexpected losses in Maharashtra, winning only 17 seats despite expecting over 45, and Congress having a remarkable renaissance to emerge as the single-largest party in the State by leading on 13 constituencies.

Echoing his sentiments, Shiv Sena (UBT) leader Aaditya Thackeray highlighted the alliance's success stating that anti-constitutional forces and anti-democratic forces have no place in India.

"INDIA alliance has performed really well in Maharashtra and across the nation. We have shown that arrogance has no place in India. Anti-constitutional forces, anti-democratic forces have no place in India," Aaditya Thackeray said.

Anil Desai, the Uddhav Thackeray faction candidate from the Mumbai South Central Lok Sabha Constituency, added, "You have the figures in front of you. It was the will of the people which came today."According to the Election Commission, in Maharashtra, the BJP has won eight seats and is leading on two.

Congress has secured the win on six seats and is leading on seven as per the latest ECI data.Shiv Sena (UBT) has also won six seats and leads on three seats. NCP (Sharad Pawar) has won two seats and leads on five seats while his nephew Ajit Pawar's NCP faction has managed to win only one seat. Eknath Shinde's Shiv Sena has won six seats and currently leads on one seat.

Smriti Irani To Rajeev Chandrasekhar, Union Ministers Who Lost 2024 Polls

Smriti Irani, who had famously defeated Rahul Gandhi in 2019, lost to Congress candidate Kishori Lal Sharma by a margin of 1,67,196 votes in UP's Amethi.

New Delhi: BJP heavyweights Smriti Irani, Arjun Munda and Ajay Mishra Teni, among others, were unseated in the 2024 Lok Sabha elections. These losses, particularly in the Hindi heartland, have forced the BJP to lean on its NDA partners to form the government. This marks a deviation from the sweeping mandates of 2014 and 2019, when the BJP garnered 282 and 303 seats respectively, achieving a majority on its own.The Election Commission of India has declared the results for 542 out of the 543 Lok Sabha constituencies so far. The BJP has secured 240 seats, while the Indian National Congress trails with 9.

The Ones Who Lost

Smriti Irani: One of the most high-profile defeats was that of Smriti Irani in Amethi. Ms Irani, who had famously defeated Rahul Gandhi in 2019, lost to Congress candidate Kishori Lal Sharma by a margin of 1,67,196 votes. This defeat marked the end of an era in Amethi, which had briefly been a BJP bastion under Ms Irani's stewardship.Ajay Mishra Teni: The Union Minister of State for Home Affairs, embroiled in the controversial Lakhimpur Kheri incident, was defeated by the Samajwadi Party's Utkarsh Verma by over 34,329 votes.

Arjun Munda: The Union Tribal Affairs Minister faced a crushing defeat in Jharkhand's Khunti constituency, losing to Congress candidate Kalicharan Munda

by 1,49,675 votes.

Kailash Choudhary: In Rajasthan's Barmer, Minister of State for Agriculture and Farmers' Welfare, Kailash Choudhary, finished third, trailing by 4.48 lakh votes behind the victorious Ummeda Ram Beniwal of the Congress.Rajeev Chandrasekhar: In Kerala's Thiruvananthapuram, the Union Minister of State for Electronics and Information Technology, Rajeev Chandrasekhar, lost to Congress stalwart Shashi Tharoor by over 16,077 votes.

The BJP's setbacks weren't limited to these prominent figures. Ministers such as Mahendra Nath Pandey, Kaushal Kishore, Sadhvi Niranjan Jyoti, Sanjeev Balyan, Rao Saheb Danve, RK Singh, V Muraleedharan, L Murugan, Subhas Sarkar and Nishith Pramanik also faced defeats in the polls.Mahendra Nath Pandey, the Union Minister of Heavy Industries lost his Chandauli seat in Uttar Pradesh. Minister of State for Housing and Urban Affairs, Kaushal Kishore lost against Samajwadi Party's RK Chaudhary by 70,292 votes in Mohanlalganj.

Sadhvi Niranjan Jyoti, the Union Minister of State for Consumer Affairs, Food, and Public Distribution, lost in UP's Fatehpur. Rao Saheb Danve, the Minister of State for Railways, lost the Jalna seat in Maharashtra to Congress' Kalyan Vaijnath Rao Kale. Cabinet Minister Rk Singh lost to CPI(ML)'s Sudama Prasad from Bihar's Arrah.nion Minister Sanjeev Balyan was defeated in the Muzaffarnagar Lok Sabha seat by Samajwadi Party's Harendra Singh Malik by a margin of over 24,000 votes.

NEWS BOX

Joe Biden rolls out order to bar migrants from asylum at US-Mexico border

Washington . President Joe Biden on Tuesday unveiled plans to enact immediate significant restrictions on migrants seeking asylum at the US-Mexico border as the White House tries to neutralise immigration as a political liability ahead of the November elections. The White House detailed the long-anticipated presidential proclamation signed by Biden, which would bar migrants from being granted asylum when US officials deem that the southern border is overwhelmed. The Democratic president has contemplated unilateral action for months, especially after the collapse of a bipartisan border security deal in Congress that most Republican lawmakers rejected at the behest of Donald Trump, the presumptive GOP presidential nominee.

The order will go into effect when the number of border encounters between ports of entry hits 2,500 per day, according to senior administration officials. That means Biden's order should go into effect immediately, because that figure is higher than the daily averages now. The restrictions would be in effect until two weeks after the daily encounter numbers are at or below 1,500 per day between ports of entry, under a seven-day average. Those figures were first reported by The Associated Press on Monday.

Once this order is in effect, migrants who arrive at the border but do not express fear of returning to their home countries will be subject to immediate removal from the United States, within a matter of days or even hours. Those migrants would face punishments that could include a five-year bar from reentering the US, as well as potential criminal prosecution.

Family robbed by Nazis donates two 17th century paintings back to Louvre

World. Two 17th century paintings looted by the Nazis and kept at the Louvre in Paris after the war have finally been returned to their Jewish owners, who then donated them back to the museum. Several of the 48 descendants of the Javal family gathered at the Louvre on Tuesday to see "Still-Life with Ham" by Floris van Schooten and "Food, Fruit and Glass on a Table" by Peter Binoit rehung alongside items detailing the family's experience under the Nazis. It is a "duty of memory towards my family, looted from and persecuted, whose history speaks to current generations", said one of them, Marion, who did not want to give her full name. Five members of the family were deported from France during the war and murdered at Auschwitz, while others fought in the Resistance or went into hiding.The paintings were for decades part of the Louvre's Nordic painting collection, held under the "National Museum Recuperation" programme for stolen works whose owners are unknown.

The government called on genealogy experts way back in 2015 to look into a small number of items in these collections -- part of a broader movement in French museums to hunt down rightful owners.

The experts traced the paintings back to a mansion in central Paris owned by Mathilde Javal that was seized and emptied by the Nazis in 1944.She had put in a restitution request after the war, but some simple errors in the spelling of her name and address undermined the process, according to the Louvre.The museum's director Laurence Des Cars told AFP the case was "a commitment to transmitting memory and a constant reminder to action".Around 100,000 cultural items were looted or sold under duress in France during the Nazi occupation of 1940-45, mainly from Jewish families -- with many transferred to Germany.

Rishi Sunak, Keir Starmer spar in first 'ill-tempered' TV debate, clash over tax

World.UK Prime Minister Rishi Sunak and opposition Labour Party leader Keir Starmer sparred over several issues, including tax and immigration, during their first TV debate ahead of the July 4 general elections. As a result of the "ill-tempered" exchanges between the two leaders, the host of the debate asked them to "lower your voices". The debate was hosted by iTV on Tuesday night.

While Sunak tried to present Starmer as an "unreliable politician who was pursuing power for power's sake", the Labour leader accused his debate challenger of being the "most liberal Prime Minister we've ever had on immigration". The Prime Minister claimed that the Labour Party would increase taxes by 2,000 British pounds for "every working family in our country" if voted to power. The accusation was, however, dismissed by Starmer as "absolute garbage".“Labour will raise your taxes, it's in their DNA. Your work, your car, your pension, Labour will tax it,” the BBC quoted Sunak as saying.In response, the Labour leader said Britain's ruling Conservative Party “put pretend Labour policies into the Treasury to produce a fantasy figure", reports the Guardian.Questioning the timing of Sunak's decision to call for the general elections, Starmer said, "If he thinks things are going to get better towards the second half of this year, why has he called it now? He's called it now because he knows, and I'll ask him this, he knows inflation is going to go back up, he knows energy prices are going to go back up in the autumn. That's what he's not telling you."

Columbia University settles lawsuit with a Jewish student over campus safety

The law firm representing the Jewish student in the lawsuit, filed as a class action complaint, called the settlement a "first-of-its-kind agreement to protect Jewish students from extreme on-campus Gaza war pr otestors."

New York. Columbia University has agreed to take additional steps to make its students feel secure on campus under a settlement reached Tuesday with a Jewish student who had sought a court order requiring the Ivy League school provide safe access to the campus amid protests over the Israel-Hamas war.

The law firm representing the plaintiff in the lawsuit, filed as a class action complaint, called the settlement a "first-of-its-kind agreement to protect Jewish students from extreme on-campus Gaza war pr otestors." Under the agreement, Columbia must create a new point of contact — a Safe Passage Liaison -- for students worried for their safety. The liaison will handle student safety concerns and coordinate any student requests for escorts through an existing escort program, which must remain available 24/7 through at least Dec. 31, according to the agreement. The settlement also makes academic accommodations for students who couldn't access

campus to complete assignments or exams, among other provisions."We are pleased we've been able to come to a resolution and remain committed to our number one priority: the safety of our campus so that all of our students can successfully pursue their education and meet their academic goals," a university spokesperson said in a written statement.The settlement noted the various steps Columbia has already taken to ensure student safety on campus, including some controversial ones, such as authorizing the New York Police Department to clear the university's administrative building and arrest more than 100 people.

Protests at Columbia, including an encampment, inspired similar demonstrations at colleges and universities around the country, with students demanding their schools separate themselves from companies advancing Israel's military efforts in Gaza and in some cases from Israel itself. A legal group representing pro-Palestinian students has urged the U.S. Department of Education's civil rights office to investigate Columbia's compliance with the Civil Rights Act of 1964 for how they have been treated.Jay Edelson, an attorney for the Jewish student plaintiff, said the negotiated settlement represents "a return to basic, shared principles of safety on campus for all Columbia students" after "extreme protesters" chose to "push their Jewish peers off campus with threats and intimidation."The agreement also states that Columbia will "continue to work to facilitate opportunities for students and faculty to engage in safe, courteous, and constructive dialogue on the important issues that have been raised in recent months" and will not interfere with student efforts to hold public debates on campus.

Israeli strikes kill 19 in Gaza, Slovenia latest to recognise Palestinian state

Israeli shellings and airstrikes in central and southern Gaza killed 19 people, while Slovenia became the latest European nation to recognise Palestine as an independent state as part of a wider effort to pressure Israel to end its fighting in Gaza.

World. At least 19 people were killed in separate airstrikes and shelling in central and southern Gaza on Tuesday as the Jewish state ramped up its offensive in the Palestinian enclave amid continued international calls to end the fighting that has raged on for nearly eight months.Israeli airstrikes on the al-Bureij and al-Maghazi refugee camps and the city of Deir-al-Balah in central Gaza killed 17 people, and two policemen were killed in shelling while trying to escort humanitarian aid deliveries in Rafah, Palestinian medical officials said. On the other hand, Slovenia became the latest European country after Spain, Ireland and Norway to recognise Palestine as an independent state after its parliament gave a nod to its move with a majority vote. The action was part of a wider effort to pressure Israel to end the war in Gaza triggered by Hama's sudden attack on the Jewish state on October 7 last year.

Donald Trump's lawyers ask judge to lift New York gag order in hush money case

New York. Donald Trump's lawyers are asking a New York judge to lift the gag order that barred the former president from commenting about witnesses, jurors and others tied to the criminal case that led to his conviction for falsifying records to cover up a potential sex scandal.In a letter Tuesday, Trump lawyers Todd Blanche and Emil Bove asked Judge Juan M. Merchan to end the gag order, arguing there is nothing to justify "continued restrictions on the First Amendment rights of President Trump" now that the trial is over.

Among other reasons, the lawyers said Trump is entitled to "unrestrained campaign advocacy" in light of President Joe Biden's public comments about the verdict last Friday, and continued public criticism of him by his ex-lawyer Michael Cohen and porn actor Stormy Daniels, both key prosecution witnesses. Trump's lawyers also contend the gag order must go away so he's free to fully address the case and his conviction with the first presidential debate scheduled for June 27.The Manhattan district attorney's office declined to

comment.Merchan issued Trump's gag order on March 26, a few weeks before the start of the trial, after prosecutors raised concerns about the presumptive Republican presidential nominee's propensity to attack people involved in his cases.

Merchan later expanded it to prohibit comments about his own family after Trump made social media posts attacking the judge's daughter, a Democratic political consultant. Comments about Merchan and District Attorney Alvin Bragg are allowed, but the gag order bars statements about court staff and members of Bragg's prosecution team. Trump was convicted Thursday of 34 counts of falsifying business records arising from what prosecutors said was an attempt to cover up a hush money payment to Daniels just before the 2016 election. She claims she had a sexual encounter with Trump a decade earlier, which he denies. He is scheduled to be sentenced July 11.

Prosecutors had said they wanted the gag order to "protect the integrity of this criminal proceeding and avoid prejudice to the jury." In the order, Merchan noted prosecutors had sought the restrictions "for the duration of the trial." He did not specify when they would be lifted.Blanche told the Associated Press last Friday that it was his understanding the gag order would expire when the trial ended and that he would seek clarity from Merchan, which he did on Tuesday.

"It's a little bit of the theater of the absurd at this point, right? Michael Cohen is no longer a witness in this trial," Blanche told the AP. "The trial is over. The same thing with all the other witnesses. So, we'll see. I don't mean that in any way as being disrespectful of the judge and the process. I just want to be careful and understand when it no longer applies."

Hunter Biden's federal gun charges case begins, prosecution says 'no one above law'

Wilmington. The prosecution laid out its case on Tuesday in the historic criminal trial of Hunter Biden on gun charges, telling jurors that President Joe Biden's son was a drug addict who lied on paperwork to obtain a revolver and that "no one is above the law."Jurors in federal court in Delaware heard opening statements from prosecution and defence lawyers before the first witness, an FBI agent, was called. Defence attorney Abbe Lowell told the jury that evidence presented in the trial will show that Hunter Biden, 54, did not knowingly violate the law. It is the first trial of the child of a sitting US president, with US District Judge Maryellen Noreika presiding. Donald Trump last week became the first former US president to be convicted of a crime. US Justice Department lawyer Derek Hines walked jurors through the events of October 2018, when prosecutors said Hunter Biden lied on his background check about his drug use while buying the gun. "It was illegal because he was a user of crack and a drug addict," Hines told the jury. "No one is above the law."

Trump is the Republican candidate challenging Joe Biden, a Democrat, in the November 5 US election. Neither the prosecution nor the defence directly addressed that issue.Hunter Biden has pleaded not guilty to three felony charges accusing him of failing to disclose his use of illegal drugs when he bought a Colt Cobra .38-caliber revolver and of illegally possessing the weapon for 11 days in October 2018.

Lowell urged jurors to listen carefully to the evidence that would be presented. Lowell said the gun purchase form asked Hunter Biden only if he was currently an addict, not whether he had used in the past, adding that his client had no "intent to deceive."The trial at the federal courthouse in the Bidens' hometown of Wilmington is playing out as Trump and his congressional allies continue to accuse the Justice Department of a politicized prosecution of the former president.

US Special Counsel David Weiss, a Trump appointee, brought the case against Hunter Biden and was present in the courtroom on Tuesday. Weiss has separately filed federal tax charges against Hunter Biden in California.The trial is expected to offer a tour of Hunter Biden's years-long struggles with drug and alcohol addiction.

'Pretty cool': US kids discover remains of adolescent Tyrannosaurus 'Teen Rex'

Scientists and filmmakers announced Tuesday that brothers Liam and Jessin Fisher, age seven and 10 at the time of the find, and their nine-year-old cousin Kaiden Madsen, were walking in the Hell Creek formation of the Badlands in July 2022 when they found a large fossilized leg bone.

World. What did you do for summer vacation? Three pre-teen dinosaur aficionados have the answer of a lifetime: they discovered the remains of a rare juvenile Tyrannosaurus rex in the North Dakota dirt. Scientists and filmmakers announced Tuesday that brothers Liam and Jessin Fisher, age seven and 10 at the time of the find, and their nine-year-old cousin Kaiden Madsen, were walking in the Hell Creek formation of the Badlands in July 2022 when they found a large fossilized leg bone. "Dad asked 'What is this?' and Jessin said, 'That's a dinosaur!'" exclaimed young Liam on a video call with his brother, cousin, father Sam Fisher, dinosaur experts and reporters.

They snapped a pic and sent it to a family friend, vertebrate paleontologist Tyler Lyson of the Denver Museum of Nature & Science, according to a statement.

When Lyson eventually arrived at the site, he brushed off a tooth and quickly realized the enormity of what the fossil hunters uncovered: an "extremely rare" juvenile T-Rex specimen that lived 67 million years ago -- and could offer critical clues about how the king of dinosaurs grew up.

"It still gives me goosebumps," Lyson recalled on the call.Kaiden's reaction to learning it was a T-Rex? "This is pretty cool, I can't believe we just found this."

The fossilized bones were excavated, placed in giant plaster jackets and lifted by Black Hawk helicopter onto a truck. They were taken to the Denver Museum of Nature & Science, where the public can soon follow progress on the fossil's preparation in a new discovery lab.

Rather remarkably, the saga is only emerging now, after a documentary crew and renowned scientists coordinated in secret over nearly two years with top natural history museums to present the kids' discovery.

Paleontologists estimate the "Teen Rex" weighed about 3,500 pounds (1,630 kilograms), measured 25 feet (7.6 meters) from nose to tail, and stood about 10 feet tall -- some two-thirds the size of a full grown adult. It was believed to be 13-15 years old when it died. "It's remarkable to consider how T. rex might have grown from a kitten-sized hatchling into the 40-foot, 8,000-pound adult predator we are familiar with," Thomas Holtz, a vertebrate paleontologist from the University of Maryland and a renowned T-Rex authority, said in the statement.

A documentary about the discovery debuts June 21 and will roll out to 100 cities in IMAX, 3D and other formats. "This is the kind of story that documentary filmmakers dream of capturing," co-director David Clark said in the statement.

As for the kids, Liam and cousin Kaiden said they'll remain amateur dinosaur sleuths, combing the Badlands for new discoveries. But Jessin is looking to become a full-time paleontologist.

"It's been a lifelong dream of mine -- probably because I've seen the Jurassic Park movie, and finding this" T-Rex fossil, he said. Meanwhile, Jessin offered sage advice for his fellow youths: "Put down their electronics and just go out hiking."

NEWS BOX

T20 World Cup: Big blow for Pakistan as Imad Wasim ruled out of first match vs USA

New Delhi. Pakistan have been dealt with a big blow ahead of their T20 World Cup 2024 opener against the USA. Left-arm spinner Imad Wasim has been ruled out of their contest on June 6 at the Grand Prairie Stadium in Dallas due to a side strain, the Pakistan Cricket Board said on Wednesday, June 6. "Imad Wasim will not be available for selection for Thursday's match as he has been advised rest by the PCB Medical Team," PCB said. Notably, Imad Wasim had experienced pain in his right rib cage while batting in the nets ahead of Pakistan's fourth and final T20I of a series last month against England in London. Imad did not take part in the fourth T20I against England on May 30. It seems Pakistan have taken a precautionary call as they also confirmed that the left-arm spinner is likely to be available for Pakistan's big-ticket clash against India on June 9 in New York.

Imad Wasim reversed his decision to retire from all formats of the game in the lead-up to the T20 World Cup. The left-arm spinner, who last played T20 World Cup in 2021, picked 6 wickets for Pakistan in as many matches since returning to the senior national team in April. Imad was miserly in most of those games and made a strong case to make the playing XI in the T20 World Cup.Notably, Imad earned the attention of the senior national team selectors after his match-winning heroics in the Pakistan Super League. The 35-year-old took a five-wicket haul in the PSL 2024 final, playing a key role in Islamabad United's title win.Pakistan have enough spin-bowling options in their squad in the likes of leg-spinner Shadab Khan and off-spinner Abrar Ahmed. Notably, Mohammad Amir, who was part of the 2009 T20 World Cup-winning squad, is also in the mix after having reversed his retirement call in the lead-up to the T20 World Cup.Pakistan are drawn in Group A alongside India, USA, Ireland and Canada.

David Warner and I compliment each other: Travis Head on Australia's opening combination

New Delhi. Travis Head opened up about Australia's opening combination for the T20 World Cup and hinted at the expected pairing alongside David Warner. Australia will take on Oman in the Group B match for their tournament opener at Kensington Oval in Barbados on June 6, Thursday. The 2021 T20 World Cup champions will be raring to take the field as they look to begin the tournament on a winning note. Head, while addressing the press conference, said that him and Warner complimented each other really well. Head also recalled his record-shattering partnership with another left-hander, Abhishek Sharma, in IPL 2024.

"Yeah. I think so. See the difference is both left-handers - but I think we complement each other well, a little bit like Abhi and myself did. So, yeah, I think looking back in the times Dave and I batted, he's exceptional against spin in the power play. More so, Abhi's strengths were against spin and then that was, so that wasn't hard to go by, like how we come off each other. And I think Dave and I we had some really strong partnerships together, faced a lot of different plans, teams will come differently, Oman will come different to England and England will come back, come different to Namibia," Head said.

Head enjoyed his time in IPL 2024 while opening for SRH along with Abhishek. He ended the tournament as runner-up SRH's highest run-scorer with 567 and played a crucial role in the team reaching the final.

Warner and Head have shared some record-breaking partnerships in the white-ball format for Australia. During the ODI World Cup 2023, the duo shared a 175-run opening stand to help Australia post the highest-ever total of 388 runs in World Cup history against New Zealand.

Head and Warner to open?

The Australian star showed confidence in pairing alongside Warner to take on the opposition. "So like, from Davey and I's perspective, going through who they potentially may have and then who we set up better at and who we feel like we've got a plan on and then we adjust from there - is how it's normally worked.

T20 World Cup 2024: What happened the last time India faced Ireland in a T20I?

With India all set to take on Ireland on June 5, Wednesday, in their T20 World Cup 2024 opening match, we take a look at the result the last time both teams faced off in the shortest format of the game.

- India defeated Ireland by 33 runs the last time they faced
- Ireland are yet to beat India in a T20I game
- Rinku Singh was the Player Of The Match last time the two teams met

New Delhi. India are all set to play Ireland in their opening match of the T20 World Cup 2024 campaign in New York on June 5, Wednesday. India are considered to be hot favourites to win the tournament but Ireland has made giant strides in the game with some top players in their ranks. The Irish recently defeated Pakistan during the first match of the 3-game series. With that in mind, let's take a look at what happened when India took on Ireland last time in a T20I game. India had travelled to Ireland for a 3-game series with a depleted team during August 2023. The team was led by Jasprit Bumrah and contained a lot of young stars in their ranks. The third match of the series was a washout and India won the series 2-0. In the second game, it was a certain Rinku Singh who turned out to be the match-winner for India.

Having been put into bat, Ruturaj Gaikwad's 58 and a 40 from Sanju Samson had given India a good platform. However, as both men returned to the pavilion the visitors needed some serious momentum and this was given by Rinku. The southpaw scored 38 off 21 as India put on 185 runs in their 20 overs. Andrew Balbirnie scored a valiant 72 but it wasn't enough as the India bowlers led by Bumrah helped the visitors get the 33-run win in the end.

Ireland provides big scare to India

India had edged their way past Ireland in the first game by 2 runs as rain played spoilsport on the day.

However, the big shocker from Ireland came in 2022. On June 28 that year, India had scored 225 runs in their 20 overs on a flat track in Dublin thanks to a century from Deepak Hooda and a 77 from Sanju Samson.

However, Balbirnie gave Ireland a chance with 60 and was supported well by Paul Stirling and Harry Tector. In the end, Umar Malik held his nerve and delivered the win for the Indian team as they won the series 2-0.

India are yet to be beaten by Ireland in T20Is in the 8 matches they have played so far. India has won 7 of them, with one being washed out.

French Open 2024, Day 11, Order of Play: Sabalenka, Zverev in action for semifinal race

New Delhi. The French Open 2024 has continued to delight and enthral the fans as the tournament enters Day 11. High quality action will be expected as several big names will be in action as they look to book spot in the semi-finals on the clay court in Paris.

In women's singles, Elena Rybakina will begin the day that will be full of heavy-weight tennis clashes as she faces Jessica Paoloni. The second women's quarter-final clash will be between World No. 2 Aryna Sabalenka and Mirra Andreeva. The winners of the quarter-finals round will face each other in the semi-final clash. Meanwhile, in the men's singles side, shocking news emerged with World No. 1 Novak Djokovic withdrawing from the Roland Garros mid-way through due to a knee injury. This meant his opponent for the quarter-final clash, two-time French Open runner-up Casper Ruud, received a walkover into the semifinals. Alexander Zverev and

Alex de Minaur will face each other on the clay will look to further advance into the tournament to face Ruud in the semi-finals. French Open 2024: Full Coverage It was not a straightforward path to the last eight for Zverev as he needed five sets to win against Tallon Griekspoor and Holger Rune in the last two rounds. The Italian Open winner would look to secure his fourth consecutive French Open semi-final berth as he has won each of his last 10 matches.

Meanwhile, Sabalenka will look to add a third Grand Slam title to her name but will face an unpredictable test against the 17-year-old Andreeva. The teenager will be competing in her first major quarter-final as she had a memorable campaign so far. She had defeated the former semi-finalist Victoria Azarenka 6-3, 3-6, 7-5 in the second round before she overcame Peyton Stearns and Varvara Gracheva in straight sets.

Sabalenka has not dropped a single set so far and will fancy her chances against Andreeva, whom she has beaten twice on the WTA tour.

Carlos Alcaraz ready for challenge against 'best player in the world' Jannik Sinner

Carlos Alcaraz has said that he is ready for the difficult challenge against the 'best player in the world' Jannik Sinner when both men square off in the semi-final of the French Open. Alcaraz defeated Tsitsipas on June 4 to reach the final four stages.

New Delhi. Carlos Alcaraz has hailed Jannik Sinner as the 'best player in the world' right now and said he is looking forward to the challenge against the Italian during the semi-finals of the French Open 2024. Sinner and Alcaraz are currently 4-4 in their head-to-head stats with the Spaniard defeating the Italian in their previous meeting this year at Indian Wells.Sinner went to the top of the world rankings on June 4 after Novak Djokovic had to withdraw from Roland Garros due to an injury. Speaking after his win over Stefanos Tsitsipas, as quoted by AFP, Alcaraz said that facing Sinner is a difficult challenge for him as the Italian is playing the best tennis at the moment. "It's a really difficult challenge, I'm not going to lie," said Alcaraz. "I think right now he's the best player in the world, the player who's playing the best tennis right now."

Match everyone wants to see

When it comes to outings in Grand Slams, Sinner and Alcaraz has shared wins so far. The Spaniard said that he was grateful to have Sinner on the tour as he is a player who pushes him to bring his A-game. The Spaniard also claimed that his bout with Sinner will be a

match everyone wants to see and believes both men will be at the top of their game in the semi-final."We've played great matches, high level," said Alcaraz. "I'm grateful to have him on the tour, at this level because he pushes me to be my best level... to wake up in the morning to try to get better to try to beat him."It's going to be a really good challenge, I'm ready for that challenge. It's the match that everybody wants to watch.""I'm sure he'll show his best tennis, I will as well, so let's see who's going to win," said Alcaraz.Alcaraz steamrolled past Tsitsipas to get to the semi-final of the French Open. The Spaniard won the match in straight sets with a scoreline of 6-3, 7-6, 6-4 to book the match with Sinner.

Norway Chess: R Praggnanandhaa loses to Magnus Carlsen in reverse fixture

New Delhi. World No. 1 Magnus Carlsen completed his revenge against a familiar foe and Indian Grandmaster Rameshbabu Praggnanandhaa in the seventh round of Norway Chess 2024 on Tuesday. Carlsen defeated Praggnanandhaa in the Armageddon tiebreaker after the two players settled for a draw in their classical game in Stavanger. It was a big win for Magnus Carlsen in the reverse fixture as he took a one-point sole lead in the open section of Norway Chess. Carlsen, the local favourite, With the win, Carlsen extended his tally to an incredible 14.5 out of 15 with White in Norway Chess.

With the win, Carlsen went 1 point clear of nearest-rival Hikaru Nakamura in the standings in Norway Chess. Praggnanandhaa is at the third spot with 12 points and still has a chance to win the tournament. Each of the six players have two more rounds with Praggnanandhaa set to face World No. 2 Fabiano Caruana next on June 6.Notably, Praggnanandhaa had stunned Magnus Carlsen in the earlier fixture in Norway Chess, registering his first win over the World No. 1 in Classical format. Praggnananandhaa and Carlsen played out a hard-fought draw in the Classical game on Tuesday. Both players mixed aggression with caution and put on a

show for the audience. However, Carlsen showcased his class with White in Armageddon tie-breaker. Praggnanandhaa gave it his all and came very close to equalising, but Carlsen got the job done and took 1.5 points from the game.In the other games of the day in the Open section, world champion Ding Liren produced a much-improved performance, beating Fabiano Caruana in the Armageddon tie-breaker.Alirea Firouzja helped Magnus Carlsen's cause by beating Hikaru Nakamura in the Armageddon tie-breaker.

STANDINGS IN OPEN SECTION AFTER ROUND 8

Norway Chess 2024: India's R Praggnanandhaa lost a valiant battle in the Armageddon tiebreaker to World No. 1 Magnus Carlsen in Round 8 on Tuesday. The teenager is still in the hunt for the title with two rounds left in the tournament.

1. Magnus Carlsen - 14.5, 2. Hikaru Nakamura - 13.5, 3. R Praggnanandhaa 12, 4. Alireza Firoujza 11, 5. Fabiano Caruana - 9, 6. Ding Liren - 4.5.In the women's section, GM Vaishali ended a two-game losing streak by winning Armageddon tiebreaker against Anna Muzychuk. India's Koneru Humpy, however, lost to Lei Tingjie in the Classical game.The race is the women's section is also heating up as R Vaishali is at the third spot wth 11.5 points, 3 points behind leader Ju Wenjun and 1.5 points behind second-placed Anna Muzychuk.Norway Chess offers USD 160,000 in prize funds for the Open and the Women's section. Six players will compete against each other twice in classical chess from May 27 to June 7.

T20 World Cup: Oman skipper Aqib Ilyas sends Australia 'spin warning' ahead of clash

Oman skipper Aqib Ilyas has claimed that his side will fancy their chances against Australia and feels spin could be used as an effective weapon against the former champions.

New Delhi. Oman captain Aqib Ilyas has sent a warning to Australia ahead of their T20 World Cup clash, saying that spin could be used as an effective weapon against the former champions. Both teams are facing each other for the very first time in any sort of international game and the Asian side are considered to be the underdogs heading into the match. However, Ilyas feels his side can give the Aussies a stern test with their spinners. Speaking at the pre-match press conference, the Oman skipper said that Australia used to have good technique players in the past like Steve Smith and Marnus Labuschagne, but the current squad is filled with big-hitters. Ilyas warned that the pitch could turn out to trouble the Aussies and pointed out the West Indies vs Papua New Guinea game where the hosts struggled to get over the line. "Yeah, exactly. You see the last match, how the ball was turning and staying low in the last match. These teams had a few good technique players in the past like Smith and Labuschagne but I don't think they have many now. They look to hit big. Everyone tries to go for sixes but every day it is not the same day and if the same wicket is there, maybe it can be a problem for them. As you could see PNG bowling against West Indies, they were difficult to chase 130 runs even on having one of the biggest hitters in the side," said Ilyas. We have to play with big heart

Ilyas continued by saying that his side will need to play with a big heart and put the balls in the right areas to trouble the Aussies on a slower track."So, on a slower track, on a slow wicket, with good quality spinners, only thing is we have to play with the big heart and we have to put it on the right areas. It's just about the areas because the ball doesn't know how big the batsman in front of it. If it turns a bit, it stays low or anything happens, the batsman is gone," said Ilyas. Oman suffered defeat in their first game of the T20 World Cup 2024, but they pushed Namibia all the way to a super over after defending the target of 110.

Alia Bhatt

Congratulates 'Dearest' Varun Dhawan, Natasha On Firstborn: 'Little Girl To Rule The World'

Alia Bhatt took to her social media handle to express her joy as Varun Dhawan, Natasha Dalal welcomed a baby girl. The actress shared the big news on her Instagram story and wrote, "Joy, joy and pure joy…Another Little Girl Who's Going To Rule The World, Congratulations dearest Nat and Vd." The actress also added a bundle of heart emojis. Varun Dhawan is over the moon with the arrival of his baby girl. The actor along with Natasha Dalal welcomed their first child yesterday at Mumbai's Hinduja Hospital.

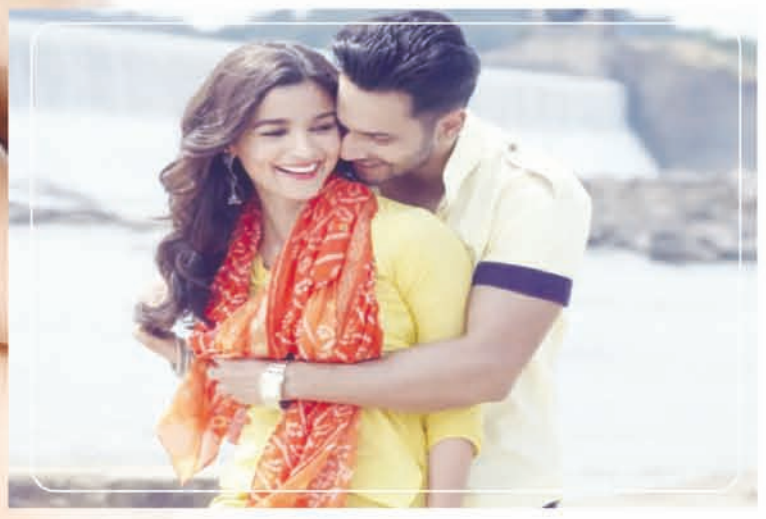

Amid all the heartfelt wishes pouring in, the actor took to his social media handle to welcome his daughter with a heartfelt post. The post was also accompanied by a gratitude note.The heartfelt video, featured an illustration of Varun's pet dog Joey who was seen holding a placard that read 'Welcome Lil sis'. The video post also read, "Baby Dhawan, Proud parents Natasha and Varun, Proud Family – 'Dalals and Dhawans'. Expressing his joy, Varun wrote, "Our Baby Girl Is Here," and added, Thank u for all the good wishes for the mama and the baby.'

The post also read, "We are overjoyed with this new blessing in our lives. During this special time, we request the media to give us our privacy. Thank you for your support and understanding."Varun's first director, Karan Johar, who launched him in Student of the Year in 2012, also took to Instagram stories to extend his heartfelt wishes to the couple. Expressing his joy, Karan wrote, My baby had a baby girl!!!! I am over the moooooooon!!!!! Congratulations to the proud mama and papa!!! Love you Natasha and Varun ❤❤❤❤❤❤."

Janhvi Kapoor Says Rajkummar Rao 'Believes People Easily': 'Trusted Me So Easily That He Drank...'

Janhvi Kapoor and Rajkummar Rao are basking in the success of their film, Mr and Mrs Mahi. The film marks their second collaboration, after Roohi, and opened up with mixed reviews. The actors are leaving no stone unturned to promote the film and as such, recently appeared on The Kapil Sharma Show and shared anecdotes about their time filming together.Janhvi Kapoor said, "He believes people very easily. Once on the set of Roohi, he had a sore throat and I told him that there is a medicine called Betadine and told him that you have to have it because it will cure your sore throat. Just because I said you have to have it he took it. So, you need to gargle with Betadine and not drink it. He trusted me so easily that he drank Betadine."She added, "Next day I even asked him, 'How are you feeling?' and he said, 'Yes, it is cured completely.' I asked him how many times did he gargle and he said, 'No no I drank half the bottle.' I was like, 'Why did you drink it?'"

Meanwhile, News18 gave the film 3/5 stars. Our review read, "Sports-themed movies usually come with a hint of hope throughout the film, making you root for the lead characters. Unfortunately, Mr & Mrs Mahi doesn't let you root for either of the lead cast members. Written by Nikhil Mehrotra and Sharan Sharma, the film feels gloomy. Understandably exploring the insecurities and failure of Mahendra, the screenplay gives fleeting moments of happiness. As a result, most parts of the film make you feel dejected. The second half also felt similar to Abhimaan, the 1973 Amitabh Bachchan and Jaya Bachchan (at the time Jaya Bhaduri) film. Although the set up and themes are different, the characterisation curve of Mahendra in the second half brought back memories of the Hrishikesh Mukherjee film.

While the writing lacks depth, Sharan (Sharma, director), Janhvi and Rajkummar make up for it. The film is packaged well, with Sharan adding all the right elements of a trademark Dharma film making it a visually appealing film. He also falls back on the refreshing music album which works well in his favour. Sharan also benefits from his leading stars, who follow his vision seamlessly. Janhvi imbibes the role of a cricketer well. In the cricketing scenes, her training to ace the persona is evident. She also brings a breath of fresh air every time the film gets a little gloomy," the review also read.

Sharmin Segal Should 'Accept Reality, Understand Who You Are' Says Adhyayan Suman: 'Fight Next 20 Years'

Sanjay Leela Bhansali ventured into the OTT space with his highly-anticipated web series, Heeramandi: The Diamond Bazaar. One unexpected outcome of the show was the spotlight cast on his niece, Sharmin Segal, who plays Alamzeb in the gilded series. Sharmin Segal was put on the chopping block for her "expressionless" acting and "monotone" delivery. Adhyayan Suman and Shekhar Suman recently gave their two cents on the matter.

Speaking to Bollywood Hungama, Adhyayan said, "I think it's very important to not live in a bubble. It's very important to accept any sort of reality, not just Heeramandi, per se. It's very important to understand who you are, it's very important to understand whether you have it in you to fight the next 15-20 years. It's important for you to not lie to yourself.""If she is being criticised for her performance, she should come out and speak to people. The audiences are very gentle, they'll give you another chance if they feel you've worked hard," he added. Adhyayan plays a nawab on the show and it marked his comeback after a major career setback.Adhyayan's father, Shekhar Suman said, "If you think there is some credibility to the criticism, do some quick thinking about why they're saying that, and if you feel they have a point, correct yourself and prove them all wrong. And if they're doing just for the heck of it, then ignore them." Shekhar also mentioned that the criticism is unfair and that Sanjay Leela Bhansali would not have taken the risk to cast her if she didn't have potential.In an exclusive conversation with News18 Showsha, Sharmin Segal broke silence about the trolling she is facing and said, "The audience is the king at the end of the day.okay."

Sharvari Wagh

Pulls Out All The Stops In Munjya Promotion

Sharvari Wagh has established a special position in the hearts of movie enthusiasts with her on-screen charm and performances. The actress debuted in Bollywood with the 2021 Varun V Sharma directorial Bunty Aur Babli 2. Besides films, she also enjoys a strong fanbase on social media. The credit goes to her impeccable style statements and stunning photoshoots. Shravari often drops glimpses of her fashion outings on Instagram, leaving fans gushing. In her latest entry, the actress dished out date night goals in an alluring red ensemble. She also hinted at the release of her upcoming film Munjya in the post."Roses are Red. Just make sure Munjya isn't under your bed. Munjya lurking in theatres on 7th June, THIS FRIDAY," read the caption. In the picture carousel, Sharvari Wagh picked out a red corset top from the fashion label That Antique Piece. The figure-hugging bodice came with a structured fit. Multiple drawstrings tied at the back added pizzazz to her look. But the real highlight of the bright red number came from the dual rosette, velvety elements on the front. Sharvari teamed up the corset top with a form-fitting mermaid skirt in the same colour palette. Plucked from the shelves of Antithesis, the skirt cascaded down in length ending just a few inches above her ankle.

With her outfit making all the noise, Sharvari Wagh needed minimal jewellery to amp up her look. A statement diamond ring and identical rose-themed studs did the job. Soft-glam makeup strokes muted smokey eyes, and a pink-tinted lip shade rounded off her beauty department. Sharvari's brunette tresses were left open in waves.

\Social media users were quick to shower Sharvari Wagh with compliments on her all-red avatar. "Diva," gushed one admirer. "Hot and gorgeous," chimed in another. "Violets are blue. Nobody is like you," praised an individual. Others went all hearts in the comments.On the work front, Sharvari Wagh has a couple of projects in her pipeline. She will next be seen in director Aditya Sarpotdar's Munjya. The horror comedy also starring Abhay Verma and Mona Singh will be released on June 7. Besides that, Sharvari has been roped in for Vedaa, an action-thriller helmed by Nikkhil Advani. She will be co-starring opposite John Abraham in the film slated to hit the silver screens on July 12.